नई दिल्ली । शनिवार, 20 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष षष्ठी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :165/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एफआईएच प्रो लीग : आखिरी पलों में टूटा भारत...
@ विचार इधर विपक्ष का बयान, उधर खुश होता पाकिस्तान...
@ व्यापार आत्मनिर्भर भारत : सरकार ने 1.25 मेगावाट की...

री-नीट के पहले फर्जी प्रश्नपत्र का भांडाफोड़, एक गिरफ्तार

देश के सभी परीक्षा केंद्रों में आज खंगाली जाएगी व्यवस्था और खामियां

एजेंसी ■ उदयपुर

री-नीट परीक्षा से तीन दिन पहले राजस्थान के भीलवाड़ा शहर में पुलिस ने फर्जी प्रश्नपत्र बेचकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले एक छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपी टेलीग्राम पर 'पेपर माफिया' नाम से चैनल संचालित कर री-नीट का कथित पेपर बेच रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल फोन, अध्ययन सामग्री और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं।

19 वर्षीय आकाश चौधरी गिरफ्तार

प्रतापनगर थाना पुलिस के अनुसार दिल्ली से प्राप्त इनपुट और भारत सरकार के एस-मेक पोर्टल पर मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। देर रात पटेल नगर स्थित मकान पर दबिश देकर 19 वर्षीय आकाश चौधरी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी वर्तमान में जयपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था और दो दिन पहले ही भीलवाड़ा लौटा था।

चैनल पर 52 सदस्य जुड़े हुए थे

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी अमेरिका आधारित वीपीएन और प्रॉक्सी नेटवर्क के जरिए टेलीग्राम संचालित कर रहा था। उसके चैनल पर 52 सदस्य जुड़े हुए थे। वह नीट की पुस्तकों के पन्ने स्कैन कर डमी प्रश्नपत्र तैयार करता और उन्हें असली पेपर बताकर चार-चार हजार रुपये में बेचा जा रहा था। भुगतान क्यूआर कोड के माध्यम से अपने बैंक खाते में लेता था।

आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के खिलाफ केस दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, आईटी एक्ट तथा सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मोबाइल और बैंक खातों की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अब तक कितने अभ्यर्थी ठगी का शिकार हुए और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पूरे देश में 20 जून को मॉक ड्रिल

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शुक्रवार को बताया कि वह 20 जून को देश भर में एक मॉक ड्रिल आयोजित करेगी। यह मॉक ड्रिल नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा से एक दिन पहले होगी। यह मॉक ड्रिल दोबारा परीक्षा को सही तरीके से आयोजित करने के लिए की जा रही है। मूल परीक्षा 3 मई को हुई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद उसे रद्द कर दिया गया था। अब दोबारा परीक्षा 21 जून को होगी। CBI इस मामले की जांच कर रही है। नीट परीक्षा भारत में 5,000 से ज्यादा और विदेश में 14 केंद्रों पर लगभग 23 लाख उम्मीदवारों के लिए आयोजित की जाएगी। एजेंसी ने परीक्षा से पहले उम्मीदवारों के साथ बातचीत भी बढ़ा दी है। वह छात्रों को रिमाइंडर SMS, ईमेल और WhatsApp नोटिफिकेशन भेजकर अपने नए एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए कह रही है।

उम्मीद है हमें न्याय मिलेगा : अभिषेक बनर्जी

बागी सांसदों के खिलाफ स्पीकर को सौंपी 20 अयोग्यता की याचिकाएं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस की ओर से लोकसभा के बागी 20 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग के बीच पार्टी से बगावत कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया यानि एनसीपीआई में शामिल हुए सांसदों के विलय-अयोग्यता का फैसला मानसून सत्र से पहले होगा।

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर सभी बागी सांसदों को दल बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए 20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी हैं।

20 अलग-अलग याचिकाएं सौंपी

बागी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से स्पीकर पहले ही मिल चुके हैं। बागी सांसदों के एनसीपीआई में विलय के प्रस्ताव के खिलाफ 14 जून को तृणमूल कांग्रेस की ओर से दी गई चिट्ठी के सिलसिले में

स्पीकर ने पार्टी नेताओं को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया था।

प्रतिनिधिमंडल बिरला से मिला

लोकसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता अभिषेक बनर्जी के साथ कल्याण बनर्जी, महुआ मोइत्रा और राज्यसभा में पार्टी के नेता डेरेक ओब्रायन के साथ पार्टी नेताओं का यह प्रतिनिधिमंडल बिरला से मिला।

स्पीकर से मुलाकात के बाद अभिषेक बनर्जी ने पत्रकारों से कहा कि 20 लोगों ने स्पीकर से मुलाकात कर एक अलग समूह मानने की बात कही मगर बाद में पता चला कि वे एक अनजान एनसीपीआई में शामिल होने का दावा कर रहे।

सदस्यता खत्म होनी चाहिए : अभिषेक

आश्चर्य यह है कि बागवत करने वालों ने भी इस पार्टी का नाम नहीं सुना था। उन्होंने कहा कि बागियों ने संविधान की 10वीं अनुसूची का उल्लंघन किया है और यदि वे जिस चुनाव चिह्न पर चुने गए हैं उसके दो साल बाद ही एक नई पार्टी में शामिल हो रहे हैं तो उनकी सदस्यता खत्म होनी चाहिए।

इसमें कई कानूनी पहलु जुड़े हैं

दो-तिहाई सदस्यों के किसी दूसरी पार्टी में विलय का नियम पूरी पार्टी पर लागू होता है और न कि केवल संसदीय दल पर। बनर्जी ने इसी आधार पर सभी 20 बागियों के खिलाफ अलग-अलग याचिका स्पीकर को सौंपते हुए सदस्यता रद्द करने की मांग की है। वहीं, सूत्रों के अनुसार, स्पीकर ने कहा कि इसमें कई कानूनी पहलु जुड़े हैं और इसलिए सभी पक्षों को सुनने के बाद ही सदस्यों की सदन में स्थिति को लेकर फैसला लिया जाएगा।

इंडिगो की फ्लाइट पर बिजली गिरी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय विमानन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को आंधी-तूफान के चलते कोलकाता हवाई अड्डे पर खड़े एक इंडिगो विमान पर बिजली गिर गई। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, घटना तब हुई जब इंडिगो की फ्लाइट 6E6068 (VT-IPW) एयरोब्रिज 56रु पर खड़ी थी। एयरपोर्ट ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर ने पहले ही मौसम को लेकर अलर्ट जारी कर दिया था, क्योंकि इलाके में आंधी-तूफान और भारी बारिश हो रही थी।

ट्रम्प बोले-मेलोनी मेरे साथ फोटो खिंचाने के लिए बेताब थीं

उनकी कहानी झूठी : मेलोनी, विदेश मंत्री ने यूएस दौरा रद्द किया

एजेंसी ■ रोम

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बयान पर नाराजगी जाहिर की है। ट्रम्प ने दावा किया था कि G7 शिखर सम्मेलन के दौरान मेलोनी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए बेताब थीं। इस पर मेलोनी ने कहा कि ट्रम्प की यह कहानी पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत है।

ट्रम्प ने इतालवी टीवी चैनल La7 से बातचीत में कहा, 'वह मेरे साथ फोटो चाहती थीं। मैं ऐसा नहीं करना चाहता था, लेकिन मुझे उन पर तरस आ गया।' इस पर मेलोनी ने कहा, विवाद बढ़ने के बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तायानी ने अगले हफ्ते का अपना अमेरिकी दौरा रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प का बयान सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि पूरे इटली का अपमान हैं।

जी7 में साथ दिखे थे ट्रम्प और मेलोनी

हालिया जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रम्प और मेलोनी के बीच रिश्तों में सुधार के संकेत दिखे थे। फ्रांस में

"मैं हैरान हूं। समझ नहीं आता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने सहयोगियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं। एक बात उन्हें याद रखनी चाहिए- न मैं और न ही इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाते हैं।
जॉर्जिया मेलोनी
प्रधानमंत्री, इटली

हुई बैठक के दौरान दोनों नेताओं को कई मौकों पर साथ देखा गया। दोनों एक सोफे पर बैठकर लंबी बातचीत करते नजर आए और उनकी तस्वीरें भी चर्चा में रहीं। उस समय माना जा रहा था कि इस साल की शुरुआत में पैदा हुए मतभेदों के बाद दोनों नेताओं के संबंध फिर सामान्य हो रहे हैं। लेकिन ट्रम्प के ताजा बयान के बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया है।

मेलोनी की पार्टी ने भी ट्रम्प की आलोचना की

मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली के सीनेट नेता लूचियो मलान ने कहा कि ट्रम्प पहले भी कई यूरोपीय नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर चुके हैं और इससे सबसे ज्यादा नुकसान उनकी अपनी छवि को हो रहा है।

दुनिया भारत की युवा शक्ति की चर्चा कर रही है : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम-विकसित भारत रोजगार योजना के तहत 2,400 करोड़ रुपए का इंसेंटिव वितरण किया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से संवाद भी किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम से जुड़े युवा साथियों में मुझे भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि मैं अभी कुछ ही घंटे पहले फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा से लौटा हूं। जी-7 में विकसित देशों के दिग्गज नेताओं से मिला हूं। दुनिया भारत की युवा शक्ति की चर्चा कर रही है। भारत के टैलेंट, स्किल और पोटेंशियल की चर्चा सुदूर तक हो रही है। दुनिया भारत के युवाओं की क्षमता को भलीभांति पहचानने लगी है। ऐसे समय में हमारी कोशिश है कि भारत का हर युवा अपनी क्षमता को अवसर में बदल सके, और इसी सोच के

साथ 'पीएम विकसित भारत रोजगार योजना' का आरंभ हुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, यह इससे कहीं आगे बढ़कर पहली नौकरी पाने वाले युवा के सपनों को शक्ति देने वाली योजना है। यह युवा और उद्योगों के बीच एक मजबूत सेतु बनाने वाली योजना है। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के तहत अब तक लगभग 70 लाख नौकरियां सृजित की जा चुकी हैं। पहली बार कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का सहारा भी दिया गया है। लगभग 20 लाख युवा अपनी नई नौकरियों में छह महीने पूरे कर चुके हैं, और इनमें से 10 लाख को योजना के लाभार्थी के रूप में प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है। लगभग 2,000 करोड़ रुपए सीधे उनके खातों में जमा किए गए हैं। यह राशि केवल वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि उनके परिश्रम की पहचान और सराहना है। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े और अनुभव बताते हैं कि जब सरकार, युवा और उद्योग एक साथ आगे बढ़ते हैं, तो रोजगार निर्माण की गति कई गुना बढ़ जाती है। पीएम विकसित भारत रोजगार मेला योजना, इसी नए भारत की पहचान है। एक ऐसा भारत, जहां युवा को अवसर मिले, उद्योग को प्रोत्साहन मिले और रोजगार निर्माण एक राष्ट्रीय अभियान बन जाए। विकसित भारत का रास्ता युवाओं के सपनों, उनके कौशल और उनके सामर्थ्य से होकर जाता है। भारत जैसे युवा देश में अवसरों के स्रोत जितने अधिक होंगे, युवाओं के सपनों को उतनी ही अधिक उड़ान मिलेगी। इसी सोच के साथ बीते 12 वर्षों में रोजगार के हर रास्ते को मजबूत किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है और एक विकसित भारत की राह यहां के युवाओं के सपनों, कौशल और क्षमताओं पर निर्भर करती है। हमारा प्रयास है कि देश का प्रत्येक युवा अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़े।

भरोसा नहीं तो पद छोड़ दूंगा : उद्धव ठाकरे

30 साल बीजेपी संग रहकर विलय नहीं किया, कांग्रेस से कैसे ?

एजेंसी ■ मुम्बई

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपनी पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर विरोधियों को करारा जवाब दिया है। मुंबई में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उन्होंने कांग्रेस के साथ पार्टी के विलय की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

उद्धव ठाकरे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब हमने 30 साल के गठबंधन के बाद भी भाजपा के साथ अपनी पार्टी का विलय नहीं किया, तो फिर कांग्रेस के साथ विलय करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। उन्होंने कहा कि अगर कार्यकर्ताओं को भरोसा नहीं है तो मैं अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए भी तैयार हूं। उद्धव ठाकरे ने भाजपा और कांग्रेस की राजनीति की तुलना करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ हमारे हमेशा से तीखे राजनीतिक मतभेद रहे हैं। विचारों की यह लड़ाई जगजाहिर है। लेकिन कांग्रेस ने कभी भी शिवसेना को जड़ से खत्म करने की कोशिश नहीं की। इसके विपरीत, भाजपा शिवसेना का नामोनिशान मिटाने पर तुली हुई है।

थम गई इजराइल-हिजबुल्लाह के बीच जंग, कतर ने कराया समझौता

ट्रम्प फिर बोले- ईरान को एक डॉलर भी नहीं देंगे

एजेंसी ■ वॉशिंगटन /तेहरान

अमेरिका और ईरान के पीस डील के बाद इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम पर सहमति बन गई है। मीडिया के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच सीजफायर शुक्रवार शाम 4 बजे स्थानीय समय (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) से लागू हो गया है।

एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिका और कतर के वार्ताकारों ने ईरान की मदद से यह समझौता कराया। गुरुवार को हुई गोलीबारी के बाद दोनों पक्ष लड़ाई रोकने पर राजी हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति

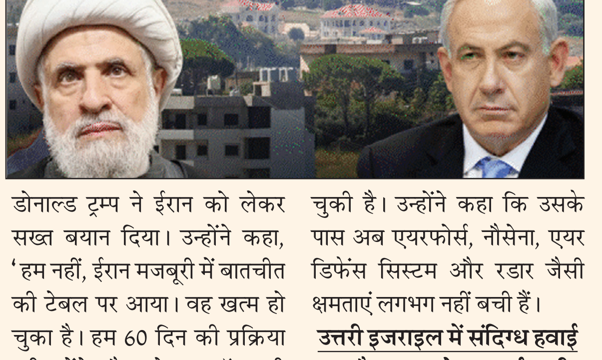

डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को लेकर सख्त बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हम नहीं, ईरान मजबूरी में बातचीत की टेबल पर आया। वह खत्म हो चुका है। हम 60 दिन की प्रक्रिया पूरी करेंगे और उसे एक डॉलर भी नहीं मिलेगा।' ट्रम्प ने एक अन्य पोस्ट में दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि उसके पास अब एयरफोर्स, नौसेना, एयर डिफेंस सिस्टम और रडार जैसी क्षमताएं लगभग नहीं बची हैं।

उत्तरी इजराइल में संदिग्ध हवाई घुसपैठ, एयर रेड अलर्ट जारी

इजराइली सेना ने कहा है कि उत्तरी इजराइल के एक इलाके में संदिग्ध हवाई गतिविधि का पता चला है। इसके बाद एयर रेड अलर्ट जारी किया गया। खतरे की आशंका के चलते इलाके में सायरन बजाए गए। सेना ने कहा कि फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि संदिग्ध विमान या ड्रोन कहां से आया था। अंतिम समझौते पर आगे बढ़ना इस बात पर निर्भर करेगा कि हाल ही में हुए अंतरिम समझौते की शुरुआती शर्तों को कितना लागू किया जाता है।

ईरान बोला- होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए जहाजों को पहले अनुमति लेनी होगी

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी जहाजों के मालिकों और कप्तानों से कहा है कि उन्हें इस अहम समुद्री मार्ग में प्रवेश करने से पहले रजिस्ट्रेशन कराना होगा और जरूरी अनुमति व बीमा लेना होगा। साथ ही, आधिकारिक वेबसाइट पर 48 घंटे पहले इसकी सूचना भी देनी होगी। ईरान की नई बनाई गई पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने शुक्रवार को कहा कि कमर्शियल जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी जहाजों को उसके नियमों और शर्तों का पालन करना होगा। अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के तहत 60 दिनों तक रजिस्ट्रेशन, बीमा, सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरण सेवाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

19 राज्यों तक पहुंचने के बाद थमा मानसून

देश में 38% कम बारिश, किसान चिंतित

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देशभर में मानसून की प्रतीक्षा कर रहे लोगों के लिए फिलहाल अच्छी खबर नहीं है। दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 दिनों के भीतर 19 राज्यों तक पहुंचने के बाद अचानक धीमा पड़ गया है और पिछले 11 दिनों से तेलंगाना के आसपास ही ठहरा हुआ है। मानसून की रफ्तार थमने का असर अब उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में दिखाई देने लगा है, जहां सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 18 जून के बीच देश में सामान्य से 38 प्रतिशत कम वर्षा हुई है।

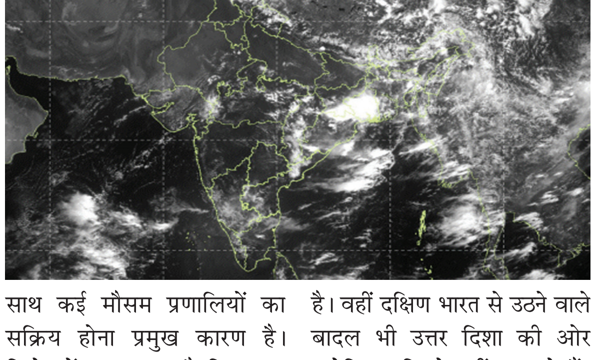

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मानसून की प्रगति रुकने के पीछे एक साथ कई मौसम प्रणालियों का सक्रिय होना प्रमुख कारण है। विशेषज्ञों का कहना है कि अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाएं अपेक्षाकृत कमजोर हो गई हैं, जिससे मानसून को आगे बढ़ने के लिए जरूरी ऊर्जा नहीं मिल पा रही है। वहीं दक्षिण भारत से उठने वाले बादल भी उत्तर दिशा की ओर अपेक्षित गति से नहीं बढ़ रहे हैं। इसके अलावा वायुमंडल में दबाव की स्थिति और हवाओं के पैटर्न में बदलाव ने भी मानसूनी गतिविधियों को प्रभावित किया है।

संक्षिप्त खबरें

जीटीबी नगर एसआरए परियोजना से लाखों की उगाही करते दो लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी■

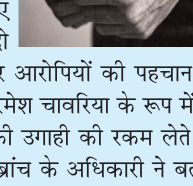

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल ने सायन के जीटीबी नगर स्थित एक एसआरए पुनर्विकास परियोजना से कथित तौर पर लाखों रुपए की उगाही करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 62 वर्षीय आनंद बिडलानी और 60 वर्षीय रमेश चावरिया के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को दो लाख रुपए की उगाही की रकम लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता से कहा था कि वे परियोजना के खिलाफ आरटीआई दाखिल नहीं करेंगे और किसी प्रकार की परेशानी भी खड़ी नहीं करेंगे। इसके बदले वे लगातार पैसों की मांग कर रहे थे। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपियों ने अब तक शिकायतकर्ता से करीब 28 लाख रुपए की उगाही की थी। शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच ने जाल बिछाकर दो लाख रुपए लेते समय दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की आगे की जांच एंटी एक्सटॉर्शन सेल कर रही है। पुलिस के मुताबिक इस गिरोह का सरगना मंदीप सिंह उर्फ लाडी समेत पांच अन्य आरोपी अभी फरार हैं। फरार आरोपियों में जसविंदर मणिकतला उर्फ गंजा, संदीप भामरी, गुरजीत सिंह सहगल और दीपक सिंह उर्फ सहगल शामिल हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। शिकायत के अनुसार, दिसंबर 2023 से आरोपी परियोजना से जुड़े लोगों को लगातार धमका रहे थे और काम जारी रखने के बदले पैसों की मांग कर रहे थे।

राम मंदिर दान चोरी में शामिल लोगों पर कार्रवाई हो, सुप्रीम कोर्ट कराए निष्पक्ष जांच: रुचि वीरा

विश्व केसरी■

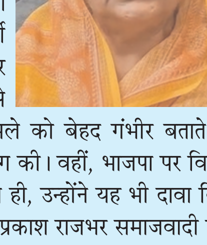

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने राम मंदिर दान चोरी मामला, टीएमसी और शिवसेना (यूबीटी) में कथित टूट, कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के बयानों और समाजवादी पार्टी के भीतर आयोजित एक बैठक को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा और पत्थर चोरी मामले को बेहद गंभीर बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की। वहीं, भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा के कई नेता और स्वयं ओम प्रकाश राजभर समाजवादी पार्टी में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं। सांसद रुचि वीरा ने राम मंदिर दान और पत्थर चोरी विवाद को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। यह बहुत गंभीर मामला है। अयोध्या में सैकड़ों करोड़ रुपए की कीमत वाले पत्थर चोरी हो गए हैं। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए, निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। सपा सांसद ने आरोप लगाया कि जिन लोगों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, वे मंदिर प्रबंधन से जुड़े बताए जा रहे हैं। ऐसे में इसे सामान्य चोरी नहीं बल्कि 'डकैती' की तरह देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर के लोगों ने भगवान राम के मंदिर निर्माण के लिए अपनी आस्था और भावना से चंदा दिया था, लेकिन यदि उस धन या सामग्री का दुरुपयोग हुआ है तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है।

हरिद्वार भूमि खरीद घोटाले में धामी सरकार का एक्शन, पूर्व नगर आयुक्त की बर्खास्त

विश्व केसरी■

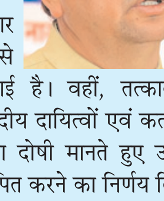

देहरादून। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार नगर निगम भूमि खरीद प्रकरण में बड़ी और कड़ी कार्रवाई की है।

प्रकरण में तत्कालीन नगर आयुक्त हरिद्वार नगर निगम वरुण चौधरी को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर की संस्तुति की गई है। वहीं, तत्कालीन जिलाधिकारी हरिद्वार कर्मेंद्र सिंह को अपने पदीय दायित्वों एवं कर्तव्यों के समुचित निर्वहन में गंभीर लापरवाही का दोषी मानते हुए उनके विरुद्ध दीर्घ शास्ति (मेजर पनिशमेंट) अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया है। दोनों अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को संस्तुति भेजी जा रही है। इसके अलावा, उस समय कार्यरत एसडीएम अजयवीर सिंह के विरुद्ध परनिंदा प्रविष्टि दर्ज करने तथा उनकी तीन वेतनवृद्धियां रोकने के निर्देश भी दिए गए हैं। गौरतलब है कि हरिद्वार नगर निगम भूमि खरीद मामले के सामने आते ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सख्त रुख अपनाया था। प्रारंभिक जांच में अनियमितताओं के संकेत मिलने पर तत्कालीन जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह और पूर्व नगर आयुक्त वरुण चौधरी सहित कई अधिकारियों को निलंबित किया गया था। इसके बाद विशेष जांच और ऑडिट के माध्यम से पूरे प्रकरण की गहन पड़ताल कराई गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट कहा है कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि शासन-प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित सर्वोपरि हैं तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत तय समय से पहले हासिल करेगा रक्षा उत्पादन और निर्यात का लक्ष्य : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■

नागपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उत्पादन तथा निर्यात के तय लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले हासिल करने की राह पर है।

नागपुर स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री अंबाझरी (यान्त्र इंडिया लिमिटेड) में 10,000 टन क्षमता वाले एल्यूमीनियम एक्सट्रूज़न प्रेस की आधारशिला रखने के बाद, उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों में सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर रहना उचित नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि जो देश अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने में सक्षम होता है, वही अपने राष्ट्रीय हितों की सबसे बेहतर तरीके से रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह नई परियोजना आयात आधारित व्यवस्था से स्वदेशी रक्षा विनिर्माण की ओर एक बड़ा बदलाव साबित होगी। रक्षा मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में तकनीक, कुशल मानव संसाधन, ज्ञान और राष्ट्रीय विश्वास के बल पर भारत के रक्षा क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि वर्ष 2014 में यह केवल 46 हजार करोड़ रुपये था। इसी तरह रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,424 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2014 में एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत जल्द ही 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन और 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा निर्यात का लक्ष्य तय समय से पहले हासिल कर लेगा। राजनाथ सिंह ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड (ओएफबी) के पुनर्गठन और उसे रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में बदलने के फैसले को सफल बताया। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के बाद उत्पादन और निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि कॉरपोरेटाइजेशन से पहले वित्त वर्ष 2019-20 में ओएफबी का उत्पादन 12,755 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 26,282 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इन इकाइयों का रक्षा निर्यात 81 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,561 करोड़ रुपये पहुंच गया, जिसमें यान्त्र इंडिया लिमिटेड का योगदान 397 करोड़ रुपये रहा। रक्षा मंत्री ने कहा कि युद्ध का स्वरूप लगातार बदल रहा है, लेकिन पारंपरिक सैन्य उपकरणों का महत्व आज भी उतना ही है और 2047 तक भी बना रहेगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी रक्षा उपकरणों की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि मजबूत सैन्य-औद्योगिक आधार के लिए निरंतर अनुसंधान एवं विकास और पूंजी निवेश आवश्यक है।

बालवाटिका में खेल-खेल में सीखने को नई मजबूती

योगी सरकार पहुंचा रही संपूर्ण शैक्षणिक सामग्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बुनियादी शिक्षा की मजबूत नींव तैयार करने के लिए बालवाटिका व्यवस्था को लगातार सशक्त बना रही है। आधारभूत संरचना के विकास और ईसीसीई शिक्षकों की तैनाती के बाद अब सरकार का फोकस प्रत्येक बालवाटिका तक गुणवत्तापूर्ण और बाल-अनुकूल शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने पर है। इसी क्रम में प्रदेश की बाल वाटिकाओं के लिए एजुकेटर गाइड, बाल वर्कबुक, बिग बुक्स तथा समग्र प्रगति कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बच्चों की सीखने की यात्रा खेल, गतिविधियों और आनंददायी अनुभवों के माध्यम से प्रारंभ हो सके।

योगी सरकार का मानना है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा केवल औपचारिक पढ़ाई की शुरुआत नहीं, बल्कि बच्चों को विद्यालयी जीवन के लिए तैयार करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसी सोच के अनुरूप बाल वाटिका में ऐसी शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है, जो बच्चों को कहानियों, चित्रों, संवाद, रंगों, गतिविधियों और रचनात्मक अभिव्यक्ति से जोड़ती है। सरकार का उद्देश्य बच्चों पर शैक्षणिक दबाव बढ़ाना नहीं, बल्कि सीखने को स्वाभाविक, रोचक और अनुभव आधारित बनाना है। योगी सरकार द्वारा बालवाटिकाओं के लिए एक समग्र शैक्षणिक पैकेज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें बालवाटिका एजुकेटर गाइड, बच्चों की वर्कबुक, बिग बुक्स, और समग्र प्रगति कार्ड शामिल हैं। यह सामग्री शिक्षकों को गतिविधि-आधारित शिक्षण में सहायता प्रदान करेगी, वहीं बच्चों को भाषा, संज्ञानात्मक विकास, और सामाजिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देगी। सामग्री की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए क्यूआर कोड-आधारित ट्रैकिंग और 'किताब वितरण ऐप' का उपयोग किया जा रहा है, जिससे जिला, ब्लॉक, और बालवाटिका स्तर तक निगरानी संभव हो सकेगी।

कांग्रेस ने हमेशा वोट को प्राथमिकता दी : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■

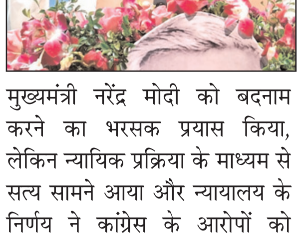

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधा और उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा वोट को प्राथमिकता दी है और समाज में विभाजन उसकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा रहा है।

मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस की नीतियों की आलोचना की और आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा वोट बैंक की राजनीति को प्राथमिकता दी है। जाति और धर्म के आधार पर समाज को विभाजित करना उसकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा रहा है। गोधरा कांड में निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या की गई। इसके बाद कांग्रेस ने गुजरात सरकार और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को बदनाम करने का भरसक प्रयास किया, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्य सामने आया और न्यायालय के निर्णय ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार सिद्ध कर दिया। उन्होंने गुजरात के गोधरा कांड की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि कार सेवक अपना काम करके घरों को लौट रहे थे तभी गोधरा में निर्दोष लोगों को मरने मारने का षड्यंत्र किया गया और बाद में कांग्रेस ने पूरे देश में जिनकी धूम मचाई और तत्कालीन नरेंद्र मोदी सरकार को बदनाम करने का प्रयास किया, मैं न्यायालय का धन्यवाद करूंगा, जिन्होंने उस घटना में गुजरात की सरकार को निर्दोष माना। उन्होंने आगे कहा कि गोधरा कांड के बाद गुजरात का परिदृश्य बदला और गुजरात दंगों का प्रदेश था, लेकिन जब तक नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री रहे तब पूरे गुजरात से कर्फ्यू लगा बंद हुआ और दंगे बंद करने का काम किसी ने किया तो वह तत्कालीन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षीय कार्यकाल की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अयोध्या में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर राम मंदिर बना और कांग्रेसियों ने तो इसमें भी अडंगे डालने की कोशिश की।

चार साल में पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने 23 करोड़ से ज्यादा की कीमत के मोबाइल किए बरामद

विश्व केसरी■

गौतमबुद्धनगर। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस द्वारा आधुनिक तकनीक और प्रभावी पुलिसिंग के माध्यम से चोरी एवं गुम हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी में बड़ी सफलता हासिल की गई है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में आमजन की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

इसी क्रम में मोबाइल फोन चोरी और गुमशुदगी के मामलों में पुलिस की सक्रियता ने हजारों लोगों को राहत पहुंचाई है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 1 दिसंबर 2022 से 31 मई 2026 तक कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कुल 7,809 चोरी और गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत 23 करोड़ 55 लाख 80 हजार 450 रुपए आंकी गई है।

विभिन्न कंपनियों के इन स्मार्ट फोन की बरामदगी के लिए पुलिस ने अत्याधुनिक तकनीक, सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस का प्रभावी उपयोग किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए मोबाइल फोनों को ट्रैक किया गया और उन्हें सफलतापूर्वक बरामद किया गया। तकनीक आधारित पुलिसिंग को प्राथमिकता देने के कारण पुलिस को इस अभियान में उल्लेखनीय सफलता मिली है। इससे न केवल लोगों की आर्थिक क्षति की भरपाई हुई है, बल्कि पुलिस के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत हुआ है।

जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती को कलकत्ता हाईकोर्ट का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल के रिटायरमेंट के बाद जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने का नोटिफिकेशन जारी किया।

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय की ओर से जारी एक नोटिफिकेशन में कहा गया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 223 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राष्ट्रपति ने कलकत्ता हाईकोर्ट के जज जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का काम संभालने के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 20 जून 2026 को जस्टिस सुजॉय पॉल के रिटायर होने के बाद प्रभावी होगी। संविधान का अनुच्छेद 223 राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि जब चीफ जस्टिस का पद खाली हो या चीफ जस्टिस अपने पद के काम करने में असमर्थ हों, तो वे हाई कोर्ट के किसी जज को चीफ जस्टिस का काम संभालने के लिए नियुक्त कर सकते हैं। जस्टिस चक्रवर्ती का जन्म 27 नवंबर 1966 को वकीलों के परिवार में हुआ था। उन्होंने 29 जनवरी 1991 को वकील के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराया और दो दशक से ज्यादा समय तक कलकत्ता हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की।

आंध्र प्रदेश में वन अनुसंधान और संरक्षण के लिए 'अरण्यारामम' की आधारशिला, पवन कल्याण ने शुरू किया 'नंदनवनम' अभियान

विश्व केसरी■

अमरावती। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वन और पर्यावरण मंत्री पवन कल्याण ने शुक्रवार को मंगलगिरि के निकट देश में अपनी तरह के पहले कॉमन फैसिलिटी सेंटर 'अरण्यारामम' की आधारशिला रखी। करीब 24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह केंद्र राज्य में वन अनुसंधान, प्रशिक्षण, संरक्षण और पर्यावरणीय प्रशासन का प्रमुख केंद्र होगा।

'अरण्यारामम' वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रशासनिक और पर्यवेक्षण कार्यालय के रूप में कार्य करेगा। इसके साथ ही यह हनुमान, आंध्र प्रदेश ग्रेट ग्रीन वॉल परियोजना, वन्यजीव संरक्षण, जंगलों में आग की निगरानी, पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्स्थापन, जलवायु लचीलापन, ईको-टूरिज्म और डिजिटल पर्यावरणीय शासन जैसी पहलों का कमांड सेंटर भी बनेगा।

शिलान्यास समारोह के बाद पवन कल्याण ने हनुमान गैलरी का निरीक्षण किया, जहां वन्यजीव बचाव अभियानों की जानकारी प्रदर्शित की गई। अधिकारियों ने बताया कि आंध्र प्रदेश वन विभाग ने वर्ष 2024 में 185 वन्यजीव बचाव अभियान और 36 मानव-वन्यजीव संघर्ष निवारण अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने 'नंदनवनम' नामक एक विशेष कार्यक्रम की भी शुरुआत की, जिसका उद्देश्य खनन गतिविधियों से क्षतिग्रस्त प्राकृतिक क्षेत्रों को फिर से हराभरा बनाना है। उन्होंने एक देशी बरगद का पौधा लगाकर इस अभियान का शुभारंभ किया।

बताया गया कि वर्ष 2013 से क्षेत्र में हुए खनन कार्यों के कारण पहाड़ी भूभाग और वन क्षेत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा है। पवन कल्याण ने कहा कि 'नंदनवनम' पहल के जरिए इन क्षेत्रों में दोबारा हरियाली लाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर वातावरण तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव कांतिलाल डांडे, वन विभाग के सलाहकार मल्लिकार्जुन राव, पीसीसीएफ पी.वी. चलपति राव, राज्य मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष चिल्लापल्ली श्रीनिवास राव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं द्रौपदी मुर्मु विधायक से राष्ट्रपति तक का यूं तय किया सफर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 20 जून को अपना 68वां जन्मदिन मनाएंगी। आदिवासी समाज के साथ ही पूरे देश के लिए द्रौपदी मुर्मु प्रेरणास्रोत हैं। हालांकि, जीवन यात्रा के दौरान दो जवान बेटे उनकी आंखों के सामने दुनिया को छोड़कर चले गए। बाद में जीवनसाथी की भी मौत हो गई। समय बार-बार उनका इम्तिहान ले रहा था। यह गम ऐसा था, जो किसी को भी अंदर से तोड़ सकता था लेकिन उन्होंने आत्मविश्वास और हौसलों के साथ इन हालातों का सामना किया और खुद को मजबूत किया। अध्यात्म के सहारे खुद को इतना सबल बनाया कि मुश्किलें उनके सामने सिर झुकाने लगीं। देश की प्रथम नागरिक और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के जीवन की कहानी सच में प्रेरणादायक है।

ओडिशा के एक छोटे से आदिवासी गांव से निकलकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचना किसी के लिए भी आसान नहीं था। खासकर सीमित संसाधन, सामाजिक चुनौतियां और कठिन हालात में उन्होंने जिस तरह शिक्षा को अपना हथियार बनाया और आगे बढ़ती रहीं, वह उनकी मजबूत इच्छाशक्ति का उदाहरण है। अपने गांव से कॉलेज जाने वाली पहली छात्रा से लेकर राष्ट्रपति बनने तक उनका सफर भी लोकतंत्र की ताकत को दिखाता है।

द्रौपदी मुर्मु का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के दूरस्थ मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक संथाल आदिवासी परिवार में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा उपरबेड़ा प्राथमिक विद्यालय में हुई। अपने दृढ़ संकल्प के माध्यम से और शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से वे 8वीं कक्षा से आगे की पढ़ाई के लिए भुवनेश्वर गईं।

वह मैट्रिक की परीक्षा पास करने और कला स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाली अपने गांव की पहली बालिका बनीं। उन्होंने साल 1979 में भुवनेश्वर के रमादेवी महिला महाविद्यालय से राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र में कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1980 में उनकी शादी श्यामचरण मुर्मु से हुई, जो एक बैंक अधिकारी थे।

उनके प्रारंभिक जीवन को संघर्ष, धैर्य और उनके परिवार से मिले मजबूत नैतिक मूल्यों से आकार मिला। उन्होंने अनेक सामाजिक और वित्तीय कठिनाइयों का सफलतापूर्वक सामना किया और वे आदिवासी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनीं।

इन प्रारंभिक संघर्ष भरे वर्षों में उनकी सार्वजनिक सेवा और नेतृत्वशीलता से प्राप्त उपलब्धियों की नींव रखी गई।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में वकीलों डीड राइटर्स का अनिश्चितकालीन धरना

विश्व केसरी■

गौतमबुद्ध। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही नई ई-पंजीकरण (ई-रजिस्ट्रेशन) व्यवस्था के विरोध में गौतमबुद्ध नगर के अधिवक्ताओं और डीड राइटर्स ने मोर्चा खोल दिया है। विरोध स्वरूप वकील और डीड राइटर्स अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए हैं, जिसके चलते जिले के प्रमुख सब रजिस्ट्रार कार्यालयों में रजिस्ट्री का कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

जानकारी के अनुसार नोएडा के सेक्टर-33 स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय तथा ग्रेटर नोएडा के गामा-2 स्थित सब रजिस्ट्रार कार्यालय में अधिवक्ताओं और डीड राइटर्स ने कामकाज ठप कर दिया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जा रही ई-पंजीकरण व्यवस्था से न केवल उनके रोजगार पर असर पड़ेगा, बल्कि आम लोगों को भी कई तकनीकी और कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक सरकार इस फैसले को वापस नहीं लेती या इसमें आवश्यक संशोधन नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के कारण दोनों कार्यालयों में संपत्तियों की रजिस्ट्री का कार्य लगभग ठप हो गया है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन के चलते अब तक 300 से अधिक रजिस्ट्रियां लंबित हो चुकी हैं। बड़ी संख्या में लोग अपने दस्तावेजों की रजिस्ट्री कराने के लिए कार्यालय पहुंचे लेकिन कार्य बाधित होने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा।

कोर्ट परिसर की पुलिस ने खंगाली सुरक्षा व्यवस्था, 4 संदिग्ध गिरफ्तार

70 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम ने छानबीन की

विश्व केसरी

रायपुर (निज संवाददाता)। कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस ने शुक्रवार को विशेष आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच की गई, जिसमें चार संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान का संचालन पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल जोन) उमेश प्रसाद गुप्ता और पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला के मार्गदर्शन में किया गया। अभियान का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) तारकेश्वर पटेल और सहायक पुलिस आयुक्त सिविल लाइन रमाकांत साहू ने किया। अभियान में थाना सिविल लाइन, देवेन्द्र नगर पुलिस, एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा रक्षित केंद्र के करीब 70 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम शामिल रही। टीम ने कोर्ट परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की।

जांच के दौरान चार व्यक्ति संदिग्ध पाए गए, जिनके खिलाफ थाना सिविल लाइन में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य न्यायालय परिसर में किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधियों पर रोक लगाना और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना था।

अभियान के दौरान अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे आकस्मिक चेकिंग अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेगी।

नीट-2026 परीक्षा को लेकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष तैयारियां

परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा हेतु किए गए है व्यापक प्रबंध

विश्व केसरी

बिलासपुर/रायपुर (निज संवाददाता)। 21 जून को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों के आवागमन को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने व्यापक विशेष व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडल के विभिन्न परीक्षा केंद्रों वाले स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षित आवागमन तथा भीड़ प्रबंधन के लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत परीक्षा केंद्रों वाले स्टेशनों पर परीक्षार्थियों की अधिक संख्या में आवागमन की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्रमुख स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। तथा यात्री सुविधाओं की भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा के लिए स्टेशनों पर पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ प्रतीक्षालय, प्रकाश व्यवस्था, पंखे, लिफ्ट एवं एस्केलेटर सहित अन्य यात्री सुविधाओं को सुचारु रखा जाएगा। प्रमुख स्टेशनों पर अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे, जहां बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं किफायती भोजन-नाश्ते की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

यात्रियों के मार्गदर्शन हेतु प्रमुख स्टेशनों पर विशेष हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे, जहां स्काउट्स एवं गाइड्स, वाणिज्यिक कर्मचारी तथा रेलवे स्टाफ तैनात रहेंगे। ये हेल्प डेस्क परीक्षार्थियों को ट्रेनों के समय, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय एवं अन्य आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराएंगे तथा वरिष्ठ नागरिकों एवं अभिभावकों को आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे। भीड़ प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), सिविल डिफेंस, वाणिज्यिक एवं परिचालन कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। जिला प्रशासन एवं स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर स्टेशन परिसरों एवं पहुंच मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाएगी तथा अनधिकृत रूप से पटरियां पार करने जैसी घटनाओं पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा अवधि के दौरान मेल, एक्सप्रेस एवं यात्री गाड़ियों के समयबद्ध संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय सहित तीनों रेल मंडलों बिलासपुर, रायपुर एवं नागपूर में स्थापित वाररूम से उच्च अधिकारियों द्वारा रेल परिचालन व यात्री सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाएगी।

टायर में ब्लास्ट, युवक की मौत

विश्व केसरी

रायपुर/बिलासपुर (संवाददाता)। जिले के चकरभाठा थाना क्षेत्र स्थित बोदरी में एक निर्माणाधीन कॉलोनी में जेसीबी के टायर में हवा भरते समय हुए जोरदार ब्लास्ट में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें धमाके के बाद लोग हवा में उछलते दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, बोदरी स्थित फॉर्च्यून एलिमेंट की निर्माणाधीन कॉलोनी में शुक्रवार को जेसीबी के पंचर टायर की मरम्मत की जा रही थी। पंचर ठीक होने के बाद टायर में हवा भरी जा रही थी। इस दौरान चार लोग टायर पर बैठे हुए थे, जबकि एक व्यक्ति पास में खड़ा था और एक अन्य कुर्सी पर बैठा था। सभी आपस में बातचीत कर रहे थे।

इसी बीच अचानक टायर में जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट इतना शक्तिशाली था कि टायर पर बैठे लोग करीब 10 से 15 फीट तक हवा में उछल गए। टायर का लोहे का डिस्क भी निकलकर 30 से 40 फीट दूर जा गिरा।

हादसे में हेल्पर उमाकांत कौशिक (22), निवासी सीपत, गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाके की वजह से उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं तथा जबड़ा उखड़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जेसीबी ऑपरेटर, मैकेनिक समेत तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी।

उच्च शिक्षा में बड़े सुधार की तैयारी नए सत्र में समय पर होंगी परीक्षाएं

शैक्षणिक कैलेंडर का कड़ाई से पालन करने के दिए निर्देश

विश्व केसरी

रायपुर (निज संवाददाता)। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने नवीन शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर राज्य के समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों, शैक्षणिक और अशैक्षणिक स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि इस सत्र में शैक्षणिक कैलेंडर का पूर्णतः पालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे उच्च शिक्षा व्यवस्था अधिक सुदृढ़ और अनुशासित बनेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, अनुशासित और पारदर्शी बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के क्रियान्वयन, डिजिटल गवर्नेंस के उपयोग, एकीकृत नियामक संस्थाओं के गठन और छात्रों की अनिवार्य उपस्थिति से जुड़े सख्त दिशा-निर्देश शामिल हैंद्य उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसरों में अनुशासन और स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

छात्र हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए मंत्री श्री वर्मा ने घोषणा की है कि महाविद्यालय आने वाले समस्त विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए 'हेल्प डेस्क' की स्थापना की जाएगी। इससे छात्रों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें तत्काल राहत मिलेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने सभी विद्यार्थियों से अपील की है कि वे शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार महाविद्यालयों में गुणाक्रम (मेरिट) के आधार पर समय पर प्रवेश लें। उन्होंने कहा कि समय पर प्रवेश होने से प्राविण्य सूची (मेरिट लिस्ट) में आने वाले सभी विद्यार्थियों का एडमिशन निर्धारित समय में पूरा हो सकेगा और पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो पाएगी। बार-बार प्रवेश की तिथि बढ़ाने की आवश्यकता न पड़े, इसके लिए जरूरी है कि प्रवेश सूची में नाम आने पर कोई भी विद्यार्थी दाखिले से वंचित न रहे।

नीट परीक्षा में पेपर लीक व अनियमितता से अभिभावकों का भरोसा टूटा : कांग्रेस

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। देशभर के साथ छत्तीसगढ़ में एक बार फिर आयोजित होने जा रही नीट परीक्षा को लेकर सियासत तेज हो गई है। रायपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं, पेपर लीक और परीक्षा प्रबंधन में सामने आई खामियों ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों का भरोसा तोड़ा है।

श्रीकुमार मेनन ने आरोप लगाया कि नीट जैसी महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परीक्षा में बार-बार गड़बड़ियां होना केंद्र सरकार की सबसे बड़ी प्रशासनिक विफलताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं ने देश के मेहनती छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है, जिसके कारण कई छात्र मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा को लेकर बच्चों में भय और असुरक्षा का माहौल है और सरकार उनकी चिंताओं को दूर करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि जब परीक्षा के प्रश्न पत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को वायु सेना की मदद लेनी पड़े, तो इससे साफ जाहिर होता है कि व्यवस्था में गंभीर खामियां हैं। मेनन ने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से जवाब मांगते हुए कहा कि आखिर ऐसी नौबत क्यों आई और छात्रों के भविष्य के साथ बार-बार खिलवाड़ क्यों हो रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी लगातार नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों का मुद्दा उठाते रहे हैं और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पुनः आयोजित हो रही नीट परीक्षा पूरी पारदर्शिता, सुरक्षा और निष्पक्षता के साथ कराई जाए, ताकि छात्रों का विश्वास बहाल हो सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बरसात पूर्व तैयारी के लिए खोदी गई सड़क को अधूरा छोड़ा, दुर्घटना की आशंका, आम नागरिक चिंतित

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। भनपुरी स्थित टिम्बर मार्केट से गंगानगर तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से स्थानीय लोगों और राहगीरों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। जनवरी 2026 में सड़क चौड़ीकरण के लिए सड़क किनारे गड्ढे खोदे गए थे, लेकिन छह महीने बीतने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। अब प्री-मानसून की बारिश शुरू होते ही सड़क किनारे पानी भरने और कीचड़ फैलने लगा है, जिससे आने वाले दिनों में हालात और खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

सड़क के किनारे लंबे हिस्से में खुदाई होने के कारण जगह-जगह पानी जमा हो रहा है। टिम्बर मार्केट आने वाले व्यापारियों, वाहन चालकों, स्कूली बच्चों और स्थानीय रहवासियों को रोजाना जोखिम उठाकर आवागमन करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो बरसात में सड़क दुर्घटनाओं और यातायात बाधित होने की समस्या गंभीर रूप ले सकती है। स्थानीय निवासी केशव सिन्हा ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर केवल खुदाई कर दी गई है, लेकिन इसके बाद कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार विभाग ने सड़क को अधूरी स्थिति में छोड़ दिया है, जिससे लोगों को रोज परेशानी झेलनी पड़ रही है।

वहीं तलेश्वर साहू का कहना है कि बारिश शुरू होते ही सड़क पर कीचड़ और पानी भरने लगा है। यदि समय रहते मरम्मत और निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया तो आने-जाने वालों की मुश्किलें कई गुना बढ़ जाएंगी। स्थानीय निवासी किरण मानिकपुरी ने बताया कि क्षेत्रवासियों ने पहले भी नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण पूरा कराने की मांग की थी। ज्ञापन में एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है।

स्कूली छात्रा कुमकुम राजभर ने कहा कि स्कूल आने-जाने के दौरान सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। बरसात में पानी और कीचड़ भरने से बच्चों को गिरने और दुर्घटना का डर बना रहता है।

टिम्बर मार्केट के दुकानदार नीलकंठ सिन्हा ने बताया कि खराब सड़क का असर व्यापार पर भी पड़ रहा है। ग्राहकों और मालवाहक वाहनों को आवागमन में परेशानी होने से कारोबार प्रभावित हो रहा है।

इस संबंध में नगर निगम जोन-1 कमिश्नर अंशुल शर्मा ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण कार्य से संबंधित प्रक्रिया जारी है। तकनीकी और प्रशासनिक कारणों से कार्य में विलंब हुआ है। कुछ जगहों पर कार्य शुरू हो चुका है बाकी जगहों पर जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा ताकि बरसात के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौड़ीकरण की अधूरी योजना अब उनके लिए राहत के बजाय नई मुसीबत बन गई है। बरसात पूरी तरह शुरू होने से पहले यदि काम पूरा नहीं हुआ तो टिम्बर मार्केट क्षेत्र की यह सड़क लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है।

रायपुर प्लेसमेंट कर्मचारियों ने दी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। नगर पालिका निगम रायपुर के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी है। कर्मचारियों ने निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर मांगों पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो वे आंदोलन और हड़ताल का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

प्लेसमेंट कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय एड़े ने बताया कि नगर निगम के विभिन्न विभागों, जोनों, कार्यालयों तथा आवश्यक जनसेवाओं के संचालन में प्लेसमेंट कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद कर्मचारियों को वेतन, सेवा सुरक्षा और श्रम अधिकारों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर संघ ने 7 सूत्रीय मांगपत्र प्रशासन को सौंपा है।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम मानदेय 20 हजार रुपये प्रतिमाह निर्धारित करना, ठेका या एजेंसी बदलने की स्थिति में कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करना, वेतन विसंगतियों को दूर करना, नवीन श्रम कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, वेतन का सीधे बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भुगतान, प्रत्येक माह की 5 तारीख तक वेतन जारी करना तथा वास्तविक कार्यभार के अनुसार निगम के सेटअप में संशोधन करना शामिल है।

मार्ग सूचक बोर्ड पोस्टरों से ढंके, व्यवस्था पर सवाल

दिशा बताने वाले संकेतक बने प्रचार का माध्यम

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी रायपुर में आम नागरिकों और बाहरी यात्रियों की सुविधा के लिए लगाए गए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सांकेतिक एवं दिशा-सूचक बोर्ड अब राजनीतिक, धार्मिक और निजी आयोजनों के प्रचार-प्रसार का माध्यम बनते जा रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों पर लगे कई संकेतक बोर्ड बड़े-बड़े पोस्टरों और बैनरों से पूरी तरह ढंक गए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को दिशा संबंधी जानकारी नहीं मिल पा रही है।

शहर के एक प्रमुख मार्ग पर लगाए गए विशाल स्वागत द्वार और पोस्टरों ने दिशा-सूचक संकेतकों को लगभग छिपा दिया है। ऐसे में बाहर से आने वाले लोगों को यह समझने में परेशानी होती है कि किस मार्ग से किस स्थान तक पहुंचा जा सकता है। कई बार भारी वाहन चालक अनजाने में नो-एंट्री क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होती है। बेमेतरा से ट्रक लेकर रायपुर पहुंचे चालक रामलाल साहू ने बताया कि, 'शहर में प्रवेश करने के बाद कई जगह दिशा बताने वाले बोर्ड दिखाई ही नहीं देते। पोस्टरों और बैनरों से ढंके होने के कारण सही रास्ते की जानकारी नहीं मिलती। कई बार गलत रास्ते में वाहन चला जाता है और फिर वापस निकलने में परेशानी होती है।'

वहीं बिलासपुर से रायपुर आए रवि शर्मा ने कहा कि, 'राजधानी में घुसते ही भूलभुलैया जैसा माहौल लगता है। बाहर से आने वाले व्यक्ति को स्थानों की जानकारी संकेतक बोर्डों से मिलती है, लेकिन जब वही बोर्ड प्रचार सामग्री से ढंक जाएं तो रास्ता ढूंढना मुश्किल हो जाता है। प्रशासन को इस पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।'

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए लगाए गए संकेतक बोर्डों को ढंकना नियमों के विपरीत है। इसके बावजूद शहर के विभिन्न इलाकों में खुलेआम पोस्टर और बैनर लगाए जा रहे हैं। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग की अनदेखी के कारण यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ। वहीं कार्यालय में भी संपर्क नहीं हो सका, जिसके चलते विभाग का पक्ष प्राप्त नहीं हो पाया। नागरिकों ने मांग की है कि दिशा-सूचक बोर्डों से अवैध पोस्टर और बैनर तत्काल हटाए जाएं तथा भविष्य में ऐसी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि राजधानी आने वाले लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर एनएसयूआई एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

विश्व केसरी

रायपुर । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 56वें जन्मदिवस को सेवा और समर्पण दिवस के रूप में मनाते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश एनएसयूआई के आह्वान पर रायपुर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शंकर नगर स्थित राजीव भवन में आयोजित इस शिविर में सैकड़ों युवाओं, छात्र नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया

रायपुर जिला एनएसयूआई अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ह्स्ढ्ढ पदाधिकारियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रक्तदान शिविर में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था, जहां जरूरतमंद मरीजों की सहायता के उद्देश्य से युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।

संपादकीय

क्या अमेरिका और ईरान ने वास्तव में शांति चुन ली है?

महेन्द्र तिवारी

अमेरिका और ईरान के बीच वर्षों से चला आ रहा टकराव केवल दो देशों का विवाद नहीं रहा है, बल्कि यह वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु प्रसार, समुद्री व्यापार और मध्य पूर्व की स्थिरता से जुड़ा एक ऐसा प्रश्न बन चुका है जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच तनाव जिस स्तर तक पहुंच गया था, उसे देखते हुए बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि अचानक कोई ऐसा समझौता सामने आएगा जो युद्धविराम का रास्ता खोल सके। लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर किए जाने के बाद एक अंतरिम समझौता लागू हो चुका है, जिसने कम से कम फिलहाल सैन्य संघर्ष को रोक दिया है और आगे की बातचीत के लिए 60 दिनों का समय प्रदान किया है।

यह समझौता केवल युद्ध रोकने का दस्तावेज नहीं है। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने, परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता शुरू करने, आर्थिक प्रतिबंधों में संभावित राहत और क्षेत्रीय तनाव कम करने जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं। यही कारण है कि इस समझौते को कुछ लोग ऐतिहासिक सफलता बता रहे हैं, जबकि कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल एक अस्थायी विराम है और वास्तविक परीक्षा अभी बाकी है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि होर्मुज जलडमरूमध्य इतना महत्वपूर्ण क्यों है। यह दुनिया के सबसे रणनीतिक समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। युद्ध के दौरान इस मार्ग पर संकट पैदा होने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई थी और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं उत्पन्न हो गई थीं। समझौते के तहत इस जलमार्ग को फिर से खोलने पर सहमति बनी है और कम से कम 60 दिनों तक जहाजों को बिना शुल्क गुजरने की अनुमति देने की बात कही गई है।

हालांकि समझौते का सबसे विवादास्पद पहलू वही है जिस पर अब दुनिया की नजर टिकी हुई है। ईरान के वरिष्ठ नेता मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने स्पष्ट संकेत दिया है कि 60 दिनों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाया जा सकता है। उनका तर्क है कि ईरान इस क्षेत्र पर अपनी संप्रभुता का अधिकार रखता है और सुरक्षा तथा अन्य सेवाओं के बदले शुल्क लेना उसका अधिकार है। दूसरी ओर अमेरिका और कई पश्चिमी देश इस विचार से सहमत नहीं दिखते। यदि भविष्य में इस मुद्दे पर सहमति नहीं बनती, तो यह नया विवाद पैदा कर सकता है।

अब प्रश्न यह है कि इस समझौते में वास्तव में किसे झुकना पड़ा। यदि ईरानी दृष्टिकोण से देखा जाए तो तेहरान यह दावा कर सकता है कि उसने अपनी प्रमुख मांगों में से कई को सुरक्षित रखा है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम तत्काल समाप्त नहीं किया गया है। उसका संवर्धित यूरेनियम पूरी तरह नष्ट करने की शर्त भी स्वीकार नहीं की गई। इसके बजाय अंतरराष्ट्रीय निगरानी में आगे की प्रक्रिया तय करने पर सहमति बनी है। इसका अर्थ यह है कि ईरान ने अपनी मूल रणनीतिक क्षमता को पूरी तरह छोड़ा नहीं है।

इसके अतिरिक्त, ईरान को आर्थिक राहत मिलने की संभावना भी दिखाई दे रही है। तेल निर्यात पर कुछ प्रतिबंधों में ढील, जमी हुई संपत्तियों तक संभावित पहुंच और आर्थिक पुनर्निर्माण से जुड़ी चर्चाओं को ईरान अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। युद्ध और प्रतिबंधों के लंबे दौर के बाद यह तेहरान के लिए महत्वपूर्ण राहत मानी जाएगी।

लेकिन यदि अमेरिकी दृष्टिकोण से देखा जाए तो वाशिंगटन भी इस समझौते को अपनी जीत के रूप में पेश कर सकता है। अमेरिका का कहना है कि कठोर प्रतिबंधों, नौसैनिक दबाव और सैन्य कार्रवाई ने ईरान को बातचीत की मेज पर आने के लिए मजबूर किया। समझौते में ईरान द्वारा परमाणु हथियार विकसित न करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है तथा अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी को स्वीकार करने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं। अमेरिका के लिए यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि मानी जा सकती है। वास्तव में यदि निष्पक्ष दृष्टि से देखा जाए तो यह किसी एक पक्ष की पूर्ण जीत नहीं है। आधुनिक कूटनीति में अक्सर ऐसा होता है कि दोनों पक्ष कुछ प्राप्त करते हैं और कुछ छोड़ते हैं। यही इस समझौते में भी दिखाई देता है। अमेरिका को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत और समुद्री मार्ग की बहाली मिली है, जबकि ईरान को युद्धविराम, संभावित आर्थिक राहत और अपनी कुछ रणनीतिक स्थितियों को बनाए रखने का अवसर मिला है। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू 60 दिनों की वार्ता अवधि है। यही वह समय होगा जिसमें यह तय होगा कि अंतरिम समझौता स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ता है या नहीं। यदि दोनों पक्ष परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री मार्गों के उपयोग जैसे मुद्दों पर ठोस सहमति बना लेते हैं, तो यह मध्य पूर्व के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है। लेकिन यदि वार्ता विफल होती है, तो संघर्ष दोबारा शुरू होने की आशंका भी बनी रहेगी। दुनिया के कई देशों के लिए यह समझौता राहत की खबर है। ऊर्जा आयात करने वाले देशों को उम्मीद है कि तेल और गैस की आपूर्ति अधिक स्थिर होगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक कंपनियां भी समुद्री मार्गों के सामान्य होने की प्रतीक्षा कर रही हैं। युद्ध के दौरान वैश्विक बाजारों में जो अनिश्चितता दिखाई दी थी, उसमें कुछ कमी आने की संभावना है। हालांकि चुनौतियां अभी भी कम नहीं हैं। समझौते में कई महत्वपूर्ण विषयों को भविष्य की बातचीत के लिए छोड़ दिया गया है। मिसाइल कार्यक्रम, क्षेत्रीय सहयोगी समूहों की भूमिका, मानवाधिकार से जुड़े प्रश्न और दीर्घकालिक सुरक्षा व्यवस्था जैसे विषय अभी पूरी तरह हल नहीं हुए हैं।

इधर विपक्ष का बयान, उधर खुश होता पाकिस्तान

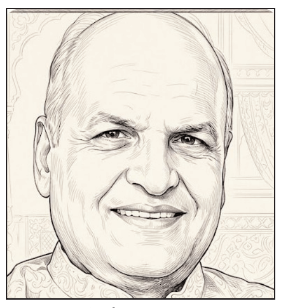

गिरीश पंकज

प्रधानमंत्री मोदी विदेश प्रवास के दौरान जिस आत्मविश्वास के साथ दूसरे देश के राजनेताओं से मिलते हैं उसे देखकर उन्हें केवल भारतवासी वरन प्रवासी भारतीय भी बहुत खुश होते हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि विपक्ष के अनेक लोग वहां भी कुछ-न-कुछ मीन-मेख निकाल कर मोदी की आलोचना करने की गुंजाइश निकाल लेते हैं । एक नागरिक के नाते मुझे लगता है, यह एक तरह से अपने देश को अपमानित करने की एक अ-राष्ट्रीय कोशिश है, इससे विपक्ष को बचना चाहिए । मैं न तो भाजपा का कार्यकर्ता हूं,न मोदी का अंधभक्त, लेकिन यह स्वीकार करने में तनिक भी संकोच नहीं कि अंतरराष्ट्रीय फलक पर हमारे प्रधानमंत्री ने भारत को गौरवान्वित ही किया है, जिस आत्मविश्वास और आत्मीयता के साथ वे दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से मिलते हैं, तो वह देखकर मुझे क्या सभी देशवासियों को गर्व होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों और वहां मिलने वाले वैश्विक सम्मान को लेकर देश के भीतर अक्सर एक बड़ा विमर्श छिड़ जाता है। विदेश में देश के नेतृत्व का सम्मान पूरे राष्ट्र का सम्मान है और वहां मीन-मेख निकालना देश को कमजोर करता है। कई बार विपक्षी लोग प्रधानमंत्री की बेहद कटु आलोचना करते हैं । गंदी-गंदी गालियां तक देते हैं। तब उनके बयानों को पाकिस्तान के नेता हाथों हाथ उठा लेते हैं। उस वक़्त समझ में नहीं आता कि हमारे देश के नेता हमारे देश के ही नेता हैं अथवा पाकिस्तान के? ?इसमें कोई दो राय नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के विदेशी दौरों के दौरान एक नया उत्साह देखने को मिला है। जब किसी देश का प्रधानमंत्री पूरी दुनिया के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़ा होता है, तो उसका सीधा असर वहां रहने वाले प्रवासी भारतीयों पर पड़ता है। प्रवासी भारतीय अपने नेता को वहां देखकर गर्व से फूले नहीं समाते और जोर-जोर से 'मोदी मोदी' बोल कर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। पहले जहां प्रवासी भारतीय खुद को केवल कामकाजी नागरिक के रूप में देखते थे, आज वे अपनी भारतीय पहचान को गर्व के साथ प्रदर्शित करते हैं। 'हाउडी मोदी' या 'मैडिसन स्क्वायर' जैसे आयोजनों ने उन्हें एक नई आवाज और राजनीतिक ताकत दी है।

विपक्षी मोदी को चाहे जितना भी नकारें, उनकी उपलब्धियां को खारिज नहीं किया जा सकता ।योग दिवस का वैश्विक होना, जी-20 की सफल अध्यक्षता, और वैश्विक संकटों (जैसे यूक्रेन युद्ध या वैक्सीन मैत्री) में भारत की मध्यस्थ भूमिका ने भारत को 'विश्व बंधु' के रूप में स्थापित किया है। और अभी जी - 7 देश की बैठकों में भारत के दमदार उपस्थिति हम सब ने देखी है. प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करते हुए एक पर्ची देखकर कुछ बोल रहे थे,उसे ही विपक्ष ने आलोचना का मुद्दा बना दिया ।अरे भाई,देश का प्रधानमंत्री किसी महत्वपूर्ण विषय पर बात कर रहा है तो विचार के लिए बिंदु लिखकर तो रखेगा ही न! याह कोई गली मोहल्ले की बात तो है नहीं कि जो मन में आया, वह हबोल दिया ।एक प्रमुख राष्ट्र का मुखिया विदेश जाएगा तो औपचारिक रूप से बात करेगा,इसलिए अगर अपना वक्तव्य वह प्रॉमटर के सहारे देता है तो कोई अपराध नहीं करता, लेकिन आलोचना करनी है तो करनी है । एक आम नागरिक के दृष्टिकोण से, जब विदेशी राष्ट्राध्यक्ष हमारे प्रधानमंत्री का ऑटोग्राफ मांगते हैं या उन्हें 'द बॉस' कहते हैं, तो यह किसी दल का नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों और भारत माता का सम्मान होता है। ऐसे में वहां की जा रही तीखी आलोचना कई बार देशवासियों को आहत करती है। इटली के प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ प्रधानमंत्री मोदी को गलत ढंग से जोड़कर पेश करने की कोशिश अपने देश के प्रधानमंत्री की अपमान करने की कोशिश है। इस बात के लिए गर्व से भरना चाहिए कि हमारे प्रधानमंत्री के प्रति विदेश में कितना

आकर्षण है । अनेक देशों में हमारे प्रधानमंत्री को उस देश का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया है. ?विपक्ष द्वारा विदेशी दौरों पर मीन-मेख निकालने या आलोचना करने के पीछे राजनीतिक और लोकतांत्रिक कारण होते हैं, लेकिन इसकी भी एक लक्ष्मण रेखा होनी चाहिए। विपक्ष की आलोचना देश की आलोचना न लगे. क्योंकि विदेश में प्रधानमंत्री मोदी भारतीय जनता पार्टी के नेता नहीं भारत के नेता के रूप में जाते हैं, यह बात ध्यान में रखनी चाहिए । बेशक घरेलू राजनीति में विपक्ष का काम सरकार की नीतियों की कमियां निकालना है, और यह उनका अधिकार भी है, लेकिन जब मोदी प्रधानमंत्री के रूप में विदेश दौरों पर जाते हैं तो समय उनकी कटु आलोचना से बचना चाहिए । अगर विपक्ष यह सवाल उठाता है कि 'इन दौरों से देश में कितना निवेश आया?' या 'पड़ोसी देशों के साथ हमारे संबंध जमीनी स्तर पर कितने सुधरे? ', तो यह लोकतंत्र का हिस्सा है। यह गलत नहीं है । समस्या तब खड़ी होती है, जब आलोचना 'नीति' से हटकर 'व्यक्तिगत' या 'देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली' बन जाती है। विदेशी धरती पर जाकर देश की आंतरिक समस्याओं को इस तरह उठाना जिससे भारत की साख कमजोर हो, उसे देश के भीतर राष्ट्रीय गरिमा के खिलाफ माना जाता है। ?अतीत में भारत की एक महान उदार परंपरा रही है। हमें यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि अटल बिहारी वाजपेयी जी जब विपक्ष में थे, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भेजा था। तब वाजपेयी जी ने कहा था, 'देश के भीतर हमारे मतभेद हो सकते हैं लेकिन सरहद के पर हम सब एक हैं।

विपक्ष को निश्चित रूप से सरकार की नीतियों, समझौतों और खर्चों पर सवाल उठाने का पूरा हक है। लेकिन जब बात अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के नेतृत्व और आत्मविश्वास की हो, तो वहां पूरे देश को एकजुट दिखना चाहिए। आलोचना का स्तर ऐसा होना चाहिए जिससे सरकार जवाबदेह बने, न कि देश की छवि धूमिल हो। दलीय राजनीति से ऊपर उठकर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना ही भारत को एक परिपक्व महाशक्ति बनाएगी। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करते हुए विपक्ष कई बार ऐसी हरकतें करता है की मत पूछिए उनके बयान को पाकिस्तान में हवा दी जाती है तब विपक्ष को आत्म मंथन करना चाहिए कि वह इस देश के नागरिक है कि पाकिस्तान के ।यह विषय भारतीय राजनीति के सबसे संवेदनशील और गंभीर विमर्शों में से एक है। जब देश के भीतर की राजनीतिक बयानबाजी का इस्तेमाल सीमा पार बैठे भारत विरोधी तत्व अपने प्रोपेगैंडा के लिए करने लगते हैं, तो यह केवल राजनीतिक मतभेद का मामला नहीं रह जाता। यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की संप्रभुता से जुड़ जाता है।

देशविरोधी बयान..

आज के दौर में युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि सूचनाओं और सोशल मीडिया के मंचों पर भी लड़ा जाता है। पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने की ताक में रहता है। जब भारत के कुछ नेता देश के भीतर की समस्याओं, कश्मीर के हालात, या सेना की कार्रवाइयों (जैसे सर्जिकल स्ट्राइक) पर अत्यधिक तीखे या संदेहास्पद बयान देते हैं, तो पाकिस्तानी मीडिया और वहां के राजनेता उसे 'सबूत' के तौर पर अंतरराष्ट्रीय मंचों (जैसे संयुक्त राष्ट्र) पर पेश करते हैं। और कहते हैं कि देखिए, हम नहीं कह रहे हैं भारत के लोग कह रहे हैं। जब भारत के भीतर से ही सरकार या सेना की नीयत पर सवाल उठाए जाते हैं, तो पाकिस्तान को हमारी निंदा का मौका मिल जाता है।

लोकतंत्र में सरकार का विरोध करना विपक्ष का अधिकार भी है और कर्तव्य भी। लेकिन जब यह विरोध अंध-विरोध में बदल जाता है, तो देश को नुकसान पहुंचता है। घरेलू मुद्दों को सुलझाने के लिए संसद, देश की अदालतें और जनता की अदालत यानी चुनाव मौजूद हैं। लेकिन ऐसे बयान देना जो देश की सीमाओं से बाहर जाकर देश के हितों को चोट पहुंचाएं, आत्मघाती साबित होता है। खासकर सेना की आलोचना से भी विपक्ष को बचना चाहिए ।सेना किसी एक दल की नहीं, पूरे देश की होती है। जब सैन्य कार्रवाइयों के सबूत मांगे जाते हैं या उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए जाते हैं, तो इससे सीमाओं पर डटे जवानों का मनोबल प्रभावित होता है और दुश्मन देश को हँसने का मौका मिलता है। यदि विपक्ष के किसी बयान पर पाकिस्तान में जश्न मनाया जा रहा हो या वहां की संसद में उसकी तारीफ हो रही हो, तो विपक्ष को तुरंत ठहरकर सोचना चाहिए कि उनकी राजनीति से किसे फायदा पहुंच रहा है। यह कितने शर्म की बात है। ?भारत का इतिहास गवाह है कि संकट के समय देश के नेताओं ने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर फैसले लिए हैं।

1971में जब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, तब विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने संसद में इंदिरा जी की खुले दिल से सराहना की थी। 1994 में जब पाकिस्तान ने मानवाधिकारों के नाम पर भारत को घेरने की कोशिश की, तो प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव ने विपक्ष के नेता अटलबिहारी वाजपेयी को भारत का पक्ष रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र भेजा था। वाजपेयी जी ने वहां देश का ऐसा परचम लहराया कि पाकिस्तान को पीछे हटना पड़ा।

अंत में कहना यही है कि विपक्ष आत्म मंथन करे कि वह निरंतर क्यों पीछे होता जा रहा और मोदी के नेतृत्व में एक पार्टी निरंतर आगे कैसे बढ़ रही है ।देश के करोडो मतदाता अंधभक्त नहीं है, जो मोदी और भाजपा का समर्थन करते हैं. उनकी नीतियां देश को आगे बढ़ा रही है। हां, यह अलग बात है कि महंगाई के मोर्चे पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार निरंतर विफल होती दिखाई दे रही है, देश के भीतर विपक्ष इस मुद्दे पर बेशक मोदी को घेरता रहे लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के बढ़ते यश को और मोदी के व्यक्तित्व को स्वीकार करना ही चाहिए ।

सृजनशील सोच, समाधानकारी संस्कार और समर्थ भारत

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत की शिक्षा व्यवस्था एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है जहाँ उसे यह तय करना है कि वह विद्यार्थियों को केवल जानकारी का भंडार बनाएगी या उन्हें भविष्य का निर्माता बनाएगी। सदियों से चली आ रही परीक्षा-केंद्रित मानसिकता ने शिक्षा को ज्ञानार्जन की प्रक्रिया से अधिक अंक प्राप्त करने की प्रतियोगिता में बदल दिया है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में लाखों विद्यार्थी प्रतिवर्ष असंख्य तथ्यों, परिभाषाओं और उत्तरों को याद करके परीक्षाएँ उत्तीर्ण करते हैं, किंतु जब वास्तविक जीवन की समस्याओं का सामना करने का अवसर आता है तो उनमें से बड़ी संख्या स्वयं को असहाय पाती है। इसका कारण प्रतिभा का अभाव नहीं, बल्कि ऐसी शैक्षिक संरचना है जो जिज्ञासा से अधिक स्मरणशक्ति को, प्रश्नों से अधिक उत्तरों को और सृजन से अधिक पुनरुत्पादन को महत्व देती रही है। आज जब विश्व ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है, तब भारत के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वह अपनी शिक्षा को रटने की संस्कृति से मुक्त कर रचनात्मकता, समस्या-समाधान और नवोन्मेष की संस्कृति से जोड़े।

वर्तमान युग में ज्ञान का स्वरूप बदल चुका है। कभी पुस्तकालयों और ग्रंथों में सीमित रहने वाली जानकारी आज कुछ क्षणों में उपलब्ध हो जाती है। ऐसे समय में किसी विद्यार्थी का मूल्य इस बात से नहीं आँका जाएगा कि उसे कितने तथ्य कंठस्थ हैं, बल्कि इस बात से आँका जाएगा कि वह उपलब्ध ज्ञान का उपयोग करके क्या नया सोच सकता है, क्या नया बना सकता है और समाज की चुनौतियों के समाधान में कितना योगदान दे सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन, रोबोटिकी, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के विस्तार ने कार्यक्षेत्र की प्रकृति को बदल दिया है। जो कार्य केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हैं, वे तेजी से मशीनों के दायरे में जा रहे हैं। मनुष्य की विशिष्टता अब उसकी रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति, संवेदनशीलता और जटिल समस्याओं को समझकर उनका समाधान खोजने की क्षमता में निहित है। यदि हमारी शिक्षा इन गुणों का विकास नहीं कर रही है, तो वह भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं कही जा सकती।

दुर्भाग्यवश भारतीय शिक्षा व्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा अभी भी उस औपनिवेशिक सोच की छाया में दिखाई देता है जिसका उद्देश्य स्वतंत्र चिंतन करने वाले नागरिक नहीं, बल्कि निर्देशों का पालन करने वाले कर्मचारी तैयार करना था। पाठ्यपुस्तक के निश्चित उत्तर, परीक्षा में अपेक्षित भाषा और अंक प्राप्ति की निरंतर चिंता ने विद्यार्थियों के भीतर से प्रश्न पूछने का साहस कम किया है। अनेक बार कक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाला विद्यार्थी भी किसी वास्तविक समस्या पर स्वतंत्र रूप से विचार करने में कठिनाई अनुभव करता है। यह स्थिति केवल व्यक्ति के विकास को ही बाधित नहीं करती, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक सृजनात्मक क्षमता को भी सीमित कर देती है। एक ऐसा देश जो विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, उसे केवल ज्ञान का उपभोक्ता नहीं, बल्कि ज्ञान का उत्पादक बनना होगा। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित संभावनाओं का विकास करना है। जब किसी विद्यार्थी को किसी समस्या को समझने, उसके कारणों का विश्लेषण करने, विभिन्न विकल्पों पर विचार करने और अपने समाधान प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है, तभी उसकी बौद्धिक क्षमता का वास्तविक विस्तार होता है। यही प्रक्रिया वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जन्म देती है, यही नवाचार की आधारशिला रखती है और यही लोकतांत्रिक समाज में सक्रिय नागरिकता का निर्माण करती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, जहाँ जल संकट से लेकर पर्यावरणीय चुनौतियों तक और ग्रामीण विकास से लेकर शहरी प्रबंधन तक अनेक जटिल प्रश्न उपस्थित हैं, वहाँ ऐसी शिक्षा की आवश्यकता और भी अधिक है जो विद्यार्थियों को समस्याओं की पहचान करने और उनके व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करे।

बोध कथा

सकारात्मक सोच की कहानी सफलता का रहस्य

एक बार की बात है । एक गाँव में प्रज्ञा प्रकाश नाम के एक विद्वान महोदय रहते थे । धन - धान्य से संपन्न तो थे ही लेकिन ज्ञान उनके पास इतना था कि दूर - दूर से लोग अपनी समस्याओं का समाधान करने उनके पास आते थे । अपने अनुभव और ज्ञान से प्रज्ञा प्रकाश लोगों की समस्याओं का समाधान करते थे । इसलिए सभी उनको गुरूजी कहकर संबोधित करते थे ।

एक दिन की बात है । एक नवयुवक गुरूजी के पास आया और बोला - ' गुरूजी मुझे सफलता का रहस्य बताइए, मैं चाहता हूँ कि मैं भी आपकी तरह विद्वान बनकर अपनी गरीबी दूर कर सकूँ ।

गुरूजी मुस्कुराएँ और उन्होंने उसे दुसरे दिन प्रात:काल नदी किनारे मिलने के लिए बुलाया । युवक को भी नहाना था इसलिए वह भी अपने वस्त्र लेकर दुसरे दिन प्रात:काल नदी किनारे पहुँच गया । गुरूजी उस युवक को नदी के गहरे पानी में ले गये और जहाँ पानी गले के ऊपर निकल गया तो उन्होंने उसे डुबो दिया । थोड़ी देर युवक छटपटाया फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया । युवक हांफता - हांफता नदी से बाहर भागा । जब उसे सुध आई तो बोला - ' आप मुझे मारना क्यों चाहते है ?

गुरूजी बोले - ' नहीं भाई, मैं तो तुम्हे सफलता का रहस्य बता रहा था । अच्छा बताओ ? जब मैंने तुम्हारी गर्दन पानी में डुबो दी थी, उस समय तुम्हें सबसे ज्यादा इच्छा किस चीज की हो रही थी ?

युवक बोला - ' साँस लेने की । गुरूजी बोले - ' बस यही सफलता का रहस्य है । जब तुम्हे सफलता के लिए ऐसी ही उत्कंठ इच्छा होगी, तब तुम्हे सफलता मिल जाएगी । इसके अलावा और कोई रहस्य नही है । शिक्षा - दोस्तों ! आप जीवन में किसी भी चीज को पाना चाहते हो, तो उसे आपका बेइंतहा चाहना जरुरी है । मतलब हर समय आपको उसे पाने के बारे में सोचना चाहिए । अगर ऐसा नही है तो शायद आप उसे देर से पाओ या शायद ना भी पाओ ।

व्यंग्य केसरी

पेटः भगवान की सबसे बड़ी गलती

अशोक मतवाला

दुनिया के विद्वान सदियों से मानव जाति की समस्याओं का कारण खोजने में लगे हैं। कोई गरीबी को दोष देता है, कोई भ्रष्टाचार को, कोई युद्धों को और कोई नेताओं को। लेकिन गहन चिंतन के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि दुनिया की अधिकांश समस्याओं की जड़ केवल एक है—पेट।

जी हाँ, वही पेट जिसे भगवान ने न जाने किस उत्साह में इंसान के साथ जोड़ दिया। मुझे पूरा विश्वास है कि सृष्टि निर्माण के समय भगवान से यहीं कोई 'ह्यूमन एरर' हो गई होगी। वरना इतनी बड़ी परेशानी का कोई दूसरा कारण समझ नहीं आता।

ज़रा सोचिए, यदि इंसान के पास पेट न होता तो क्या होता? न नौकरी की भागदौड़, न व्यापार की मारामारी, न महंगाई का रोना। आदमी सुबह उठता, पक्षियों की तरह चहचहाता, शाम को टहलता और रात को चैन से सो जाता। लेकिन भगवान ने पेट लगा दिया और पूरी मानव जाति को रोटी के पीछे दौड़ने का ठेका दे दिया।

और यह पेट भी कोई साधारण चीज़ नहीं है। यह ऐसा कुआँ है जिसका न तल दिखाई देता है और न भराव। जितना मर्जी इसे खिला दो, कभी भरता ही नहीं। सुबह नाश्ता करवाओ तो दोपहर तक फिर हड़ताल पर उतर आता है। दोपहर का भोजन कराओ तो शाम तक नई माँगें पेश कर देता है।

पेट खाली हो तो इसमें चूहे नहीं, पूरा चूहा-नृत्य महोत्सव शुरू हो जाता है। आदमी का दर्शन, अध्यात्म और आदर्शवाद सब पाँच मिनट में गायब हो जाते हैं। तभी तो हमारे बुज़ुर्ग कह गए— 'भूखे भजन न होई गोपाला।' खाली पेट आदमी को कृष्ण नहीं, कचौड़ी दिखाई देती है और मोक्ष नहीं, समोसा चाहिए।

दूसरी तरफ, यदि पेट ज़रा ज़्यादा भर जाए तो वही आदमी को अस्पताल और बाथरूम के चक्कर लगवाने लगता है। शादी-ब्याह में इसका असली चरित्र सामने आता है। प्लेट पहले ही भर चुकी होती है, लेकिन जैसे ही कोई नया पकवान दिखाई देता है, पेट विस्तार योजना शुरू कर देता है। पेट फूले नहीं समाता और शर्ट से बाहर झाँकने लगता है, मानो घोषणा कर रहा हो— 'विकास कार्य जारी है।

रिश्वत, कालाबाज़ारी, मिलावट और घोटाले—इन सबकी जड़ में भी कहीं न कहीं पेट ही बैठा मुस्कुरा रहा होता है। गरीब का पेट दो रोटी माँगता है, अमीर का दो सौ करोड़। दोनों की भूख अलग-अलग पैकिंग में आती है, पर भूख ही होती है।

कभी-कभी लगता है कि सृष्टि निर्माण के बाद किसी देवदूत ने भगवान से पूछा होगा, 'प्रभु, यह पेट वाला फीचर ज़रूरी है क्या?' भगवान ने शायद कहा होगा, 'हाँ-हाँ, लगा दो, बाद में अपडेट जारी कर देंगे।' लेकिन वह अपडेट आज तक नहीं आया।

इसलिए यदि दुनिया की समस्याओं का कोई साझा आरोपी ढूँढना हो तो राजनीति को मत कोसिए, अर्थव्यवस्था को मत गालियाँ दीजिए। असली मास्टरमाइंड तो यह पेट है—जो कभी भरता नहीं, कभी चुप रहता नहीं और पूरी मानव सभ्यता को अपने इशारों पर नचाता रहता है।

सच पूछिए तो इंसान पृथ्वी का सबसे बुद्धिमान प्राणी नहीं, बल्कि पेट का सबसे आज्ञाकारी नौकर है।

इतिहास

भारत के इतिहास को अगर विश्व के इतिहास के महान अध्यायों में से एक कहा जाए तो इसे अतिश्योक्ति नहीं कहा जा सकता। इसका वर्णन करते हुए भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था, ''विरोधाभासों से भरा लेकिन मजबूत अदृश्य धागों से बंधा''। भारतीय इतिहास की विशेषता है कि वो खुद को तलाशने की सतत् प्रक्रिया में लगा रहता है और लगातार बढ़ता रहता है, इसलिए इसे एक बार में समझने की कोशिश करने वालों को ये मायावी लगता है।

इस अद्भुत उपमहाद्वीप का इतिहास लगभग 75,000 साल पुराना है और इसका प्रमाण होमो सेपियंस की मानव गतिविधि से मिलता है। यह आश्चर्य की बात है कि 5,000 साल पहले सिंधु घाटी सभ्यता के वासियों ने कृषि और व्यापार पर आधारित एक शहरी संस्कृति विकसित कर ली थी।

संक्षिप्त खबरें

4.56 करोड़ के गांजा तस्करी मास्टरमाइंड यूपी से गिरफ्तार

विश्व केसरी

पिथौरा। महासमुंद पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 4.56 करोड़ रुपये के गांजा तस्करी सिंडिकेट के मुख्य सरगना विनय शर्मा उर्फ पंडित को उत्तर प्रदेश के शामली से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से अंतरराज्यीय स्तर पर गांजा तस्करी नेटवर्क संचालित कर रहा था। जानकारी के अनुसार, 17 अप्रैल को बसना पुलिस ने पलसापाली बैरियर पर नाकाबंदी के दौरान एक आयशर मालवाहक वाहन को रोककर जांच की थी। वाहन में कच्चे केलों की आड़ में 29 प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर 912.760 किलोग्राम गांजा रखा गया था। जब्त गांजे की कीमत करीब 4 करोड़ 56 लाख 38 हजार रुपये आंकी गई थी। पुलिस ने मौके से चार फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद की थी। जांच में पता चला कि गांजे की यह खेप ओडिशा के कंधमाल से उत्तर प्रदेश के शामली भेजी जा रही थी। मामले की विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण में सामने आया कि पूरे नेटवर्क का मुख्य रिसीवर और फाइनेंसर विनय शर्मा है। इसके बाद बसना थाना की विशेष टीम उत्तर प्रदेश रवाना हुई और 17 जून को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

रंजिश में दो छात्रों के बीच हुई चाकूबाजी, 1 की मौत 1 घायल

विश्व केसरी

तिल्दा-नेवरा। रायपुर जिले के तिल्दा-नेवरा में छात्रों के बीच चल रहा विवाद शुक्रवार को खूनी संघर्ष में बदल गया। 11वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच हुई चाकूबाजी में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल छात्र का प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। जानकारी के अनुसार, मृतक और घायल दोनों छात्र सासाहोली स्थित सरस्वती स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ रहे थे। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पिछले कुछ दिनों से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। शुक्रवार को स्कूल की छुट्टी के बाद स्कूल परिसर के बाहर यह विवाद अचानक हिंसक रूप में ले लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक छात्र ने पहले दूसरे पर चाकू से हमला किया। हमलों के दौरान बचाव करते समय दूसरे छात्र ने चाकू मारकर पलटवार किया। इस दौरान दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को पहले मिशन अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर स्थिति बनी हुई है। सूचना के लिए पुलिस स्टेशन पर विशेष और शव को लेकर साक्ष्य की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित छात्र के बयान के बाद पूरी घटना की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी। स्थानीय लोगों ने खतरे की आशंका जताई है कि इस मामले में कुछ अन्य छात्रों की भी भूमिका हो सकती है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि पूरी जांच के बाद ही कोई निष्कर्ष निकाला जा सकेगा।

बाल अधिकारों पर लिखने वाले पत्रकार मीडिया फॉर चिल्ड्रन अवार्ड से हुए सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ द्वारा एमसीसीआर ट्रस्ट के सहयोग से बीते 5 वर्षों से स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं बाल अधिकार के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान देने वाले पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों को मीडिया फॉर चिल्ड्रन अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी श्रेष्ठ रिपोर्टिंग के लिए प्रदेश के 9 पत्रकारों और दो फोटोग्राफरों को सम्मानित किया गया।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील यूनाइटेड नेशन की संस्था यूनिसेफ द्वारा 2020 में इस अवॉर्ड की शुरुआत की गई। एमसीसीआर के सहयोग से छत्तीसगढ़ में शुरू किया गया यह पहला विशिष्ट मीडिया पुरस्कार है। राज्य में बच्चों और महिलाओं से जुड़े मुद्दों—जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सुरक्षा पर उत्कृष्ट रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को यह पुरस्कार दिया जाता है।

इस पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य बाल अधिकारों, उनकी सफलताओं और नवाचारों को विकास के केंद्र में लाना है। बाल-हितों पर प्रकाश डालने और समाज में बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने वाले मीडियाकर्मियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में इस वर्ष, रूचि पांडेय को डिजिटल मीडिया के लिए,अनुज नहरिया , विक्रम तिवारी, यशवंत चक्रधारी, यशवंत सिन्हा को प्रिंट मीडिया के लिए कुश अग्रवाल को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए, प्रदीप डडसेना, हेमंत गोस्वामी को फोटोग्राफी के लिए और जॉन राजेश पॉल, आर के गांधी, और नारद योगी को रचनात्मक उत्कृष्टता के लिए मीडिया फॉर चिल्ड्रन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मीडिया फॉर चिल्ड्रन अवार्ड -2026 का थीम 'बाल अधिकारों के लिए सशक्त मीडिया, सुरक्षित बचपन की दिशा' रहा, जिसके लिए बड़ी संख्या में एंट्रीज आईं और जूरी द्वारा चयनित श्रेष्ठ रिपोर्टिंग से जुड़े मीडिया कर्मियों को यह अवार्ड दिया गया। पुरस्कार की श्रेणियों में प्रिंट,टेलीविजन और रेडियो, डिजिटल समाचार प्लेटफॉर्म और फोटो-पत्रकारिता शामिल हैं।

राजधानी के होटल सयाजी में आयोजित इस अवॉर्ड समारोह में यूनिसेफ की हेड सीमा कुमार (सीएफओ, यूनिसेफ छत्तीसगढ़) द्वारा मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर नागरिकों को जागरूक बनाने मीडिया की बहुत बड़ी भूमिका है, चाहे वह टीकाकरण से जुड़ा मुद्दा हो या बच्चों की प्रताड़ना या अन्य कोई विषय। आए दिन ऐसे कई मामले सामने आते हैं जिसमें मीडिया की खबरों को त्वरित संज्ञान में लेकर कार्रवाई भी की जाती है। इस अवसर पर डॉ. निर्मला यादव (संयुक्त निदेशक, प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य), डॉ. स्मृति देवांगन (उप निदेशक) ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य प्राथमिकताओं और मीडिया से अपेक्षाओं पर अपने विचार साझा किए। यूनिसेफ के सीएपी विशेषज्ञ अनिल गुलाटी ने स्वास्थ्य और पोषण के बारे में जागरूकता पैदा करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। यूनिसेफ के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में यूनिसेफ के कार्यों और योगदानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

दंतेवाड़ा जिला अस्पताल में नवजात को मिला नया जीवन

दंतेवाड़ा। जीवन और मृत्यु के बीच वेंटिलेटर पर सात दिनों तक चली एक मासूम की जंग आखिरकार डॉक्टरों के समर्पण और अथक मेहनत के आगे जीत में बदल गई। जिला अस्पताल दंतेवाड़ा के चिकित्सकों और विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) स्टाफ ने अपनी कुशलता से एक नवजात बच्ची को नया जीवन दिया है, जो न केवल एक सफल उपचार की कहानी है, बल्कि अटूट कर्तव्यनिष्ठा और बेहतरीन टीमवर्क की एक मिसाल भी है। इस संघर्ष की शुरुआत तब हुई जब गीदम विकासखंड के पदमेटा स्कूलपारा की रहने वाली मंजू अलामी ने बीते माह 10 मई को एक बच्ची को जन्म दिया। खुशियों के इस माहौल के बीच अचानक तब चिंता की स्थिति बन गई, जब जन्म के तुरंत बाद ही नवजात की तबीयत बेहद गंभीर हो गई। बच्ची को सांस लेने में भारी तकलीफ हो रही थी, शरीर में शुगर का स्तर लगातार गिर रहा था और उसे बार-बार झटके आ रहे थे। स्थिति इतनी नाजुक थी कि उसे किसी उच्च चिकित्सा संस्थान में रेफर करना भी बेहद जोखिम भरा और जानलेवा साबित हो सकता था।

पत्नी का मुंडन कर जबरन पिलाया बच्चे का पेशाब, पति गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोरिया। जिले में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। चरित्र शंका के चलते एक पति ने अपनी पत्नी के साथ हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। आरोपी ने पहले पत्नी की बेरहमी से पिटाई की, फिर उसका मुंडन कर दिया और चेहरे पर कालिख पोतकर जबरन बच्चे का पेशाब पिला दिया। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, कोरिया जिले के रुनियाडीह निवासी जितेंद्र और तारा बाई ने वर्ष 2006 में प्रेम विवाह किया था। दंपति के चार बच्चे हैं। पारिवारिक विवाद के चलते तारा बाई पिछले करीब एक वर्ष से पति से अलग पंडोपारा में अपने रिश्तेदार के घर रह रही थी।

बताया जा रहा है कि 14 जून को आरोपी जितेंद्र अपनी पत्नी के पास काटकोना गांव पहुंचा। वहां उसने चरित्र पर संदेह जताते हुए पहले मारपीट की और फिर अमानवीय व्यवहार करते हुए पत्नी का मुंडन कर दिया। इतना ही नहीं, उसने पीड़िता के चेहरे पर कालिख पोती और जबरन बच्चे का पेशाब भी पिला दिया। पीड़िता की शिकायत के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 167/26 दर्ज किया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 185, 115(2), 296, 351(2) और 125 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद ही मिलेगा राशन, ओटीपी व्यवस्था पर लगी रोक

विश्व केसरी

जगदलपुर। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन वितरण व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। खाद्य विभाग के नए निर्देशों के अनुसार अब हितग्राहियों को राशन प्राप्त करने के लिए अनिवार्य रूप से बायोमैट्रिक सत्यापन कराना होगा। मोबाइल ओटीपी के माध्यम से होने वाला राशन वितरण सामान्य परिस्थितियों में बंद कर दिया गया है।

नई व्यवस्था के तहत राशन लेने पहुंचे हितग्राहियों को ई-पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट दर्ज कराना होगा। सत्यापन पूरा होने के बाद ही राशन का वितरण किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्वर संबंधी समस्या आने पर भी पहले की तरह सीधे ओटीपी के जरिए राशन नहीं दिया जाएगा। केवल विशेष परिस्थितियों में सक्षम अधिकारियों की अनुमति मिलने पर ही ओटीपी आधारित वितरण किया जा सकेगा।

खाद्य विभाग के अनुसार इस बदलाव का उद्देश्य राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना तथा फर्जी हितग्राहियों और अनियमितताओं पर रोक लगाना है। विभाग ने सभी उचित मूल्य दुकानदारों को नए नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने यह भी कहा है कि जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हुई है, उन्हें जल्द से जल्द यह कार्य पूरा कराना होगा, अन्यथा राशन आवंटन प्रभावित हो सकता है। बीपीएल परिवारों के मामले में पात्र सदस्यों के आधार पर राशन वितरण की व्यवस्था जारी रहेगी। विभिन्न राशन कार्ड श्रेणियों के लिए पूर्व निर्धारित पात्रता और कोटा में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

खाद्य विभाग का दावा है कि नई व्यवस्था लागू होने से राशन वितरण प्रणाली अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनेगी तथा वास्तविक हितग्राहियों तक खाद्यान्न पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

नाले में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत

विश्व केसरी

कोंडागांव। जिले के फरसगांव ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कोटपाड में हुए एक दर्दनाक हादसे में नाले में नहाने गए दो चचेरे मासूम भाइयों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, 6 वर्षीय साजन पोयाम (पिता केशव पोयाम) और 7 वर्षीय ऋषभ पोयाम (पिता तेजराज पोयाम) गांव के नाले में नहाने गए थे। नहाने के दौरान दोनों बच्चे नाले के गहरे गड्ढे में चले गए और डूब गए। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान नाले के किनारे बच्चों के कपड़े मिले, जिसके बाद ग्रामीणों ने पानी में तलाश की। रात करीब 8 बजे दोनों बच्चों के शव नाले से बाहर निकाले गए। घटना की सूचना मिलते ही बड़ेडोगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों की रिपोर्ट पर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि ऋषभ अपने माता-पिता की इकलौती संतान था, जबकि साजन की एक बड़ी बहन है और वह परिवार का इकलौता बेटा था। साजन की मां पूर्णिमा पोयाम क्षेत्र की जनपद सदस्य हैं। एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की असमय मौत से कोटपाड गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है तथा पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

6 दिनों में 4 ग्रामीणों पर तेंदुए ने किया हमला, दहशत में ग्रामीण, जांच शुरू

विश्व केसरी

कांकेर। जिले के ग्रामीण इलाकों में तेंदुए का आतंक एक बार फिर बढ़ता नजर आ रहा है। बीते छह दिनों में तेंदुए ने चार लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है। लगातार हो रहे हमलों के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। हालात ऐसे हैं कि शाम ढलते ही गांवों की गलियां सुनसान हो जाती हैं और लोग घरों से बाहर निकलने से कतरा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सरोना वन परिक्षेत्र के गट्टागुडुम गांव में पिछले एक सप्ताह से तेंदुए की लगातार गतिविधियां देखी जा रही हैं। 16 जून को तेंदुआ गांव में घुस आया और एक कुत्ते का शिकार कर लिया। इसके बाद अलग-अलग घटनाओं में उसने धनेश कुंजाम, बुधन उइके और फूलबाई पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने और तत्काल मदद पहुंचने से तीनों की जान बच गई।

वहीं 18 जून को नरहरपुर क्षेत्र के देवडोंगर गांव में भी तेंदुए ने एक ग्रामीण पर हमला कर उसे घायल कर दिया। सभी घायलों का इलाज जारी है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है और लोग बच्चों को अकेले बाहर भेजने से भी डर रहे हैं।

उत्तर बस्तर का कांकेर जिला घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है। वन विभाग के अनुसार जंगलों में भोजन और पानी की कमी के कारण वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं।

घटनाओं के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है। विभाग ने गांव के आसपास संवेदनशील स्थानों पर कैमरे लगाए हैं और तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। वन अमला लगातार गांवों में मुनादी कर लोगों को सतर्क रहने, रात में अकेले बाहर न निकलने तथा समूह में चलने की सलाह दे रहा है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने और गांवों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। वहीं वन विभाग का कहना है कि तेंदुए की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को जारी किया नोटिस

17 जुलाई को अगली सुनवाई

विश्व केसरी

बिलासपुर। बलौदाबाजार हिंसा और आगजनी मामले में आरोपी अजय यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तिथि निर्धारित की है।

गौरतलब है कि इस मामले में आरोपी अमित बघेल, अजय यादव और दिनेश कुमार वर्मा की जमानत याचिकाएं छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है। हाईकोर्ट के इस आदेश को चुनौती देते हुए अजय यादव ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और जमानत की मांग की है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार व्यास की एकलपीठ ने 19 मई 2026 को सुनवाई करते हुए तीनों आरोपियों की जमानत याचिकाएं निरस्त कर दी थीं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि अमित बघेल और अजय यादव छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के पदाधिकारी हैं तथा उन पर हजारों लोगों की भीड़ को उकसाने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस बल पर जानलेवा हमला कराने जैसे गंभीर आरोप हैं।

करोड़ों की संपत्ति को हुआ था नुकसान

हाईकोर्ट में प्रस्तुत तथ्यों के अनुसार हिंसा के दौरान बलौदाबाजार-भाटापारा जिला मुख्यालय में कानून-व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हुई थी। उपद्रव के कारण लगभग 13 से 15 करोड़ रुपये की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। वहीं अमित बघेल के खिलाफ 17, अजय यादव के खिलाफ 13 तथा दिनेश कुमार वर्मा के खिलाफ एक आपराधिक मामला लंबित बताया गया है।

क्या है पूरा मामला ?

15-16 मई 2024 की दरमियानी रात गिरौधपुरी धाम स्थित सतनामी समाज के पवित्र जैतखाम में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, लेकिन समाज के लोग कार्रवाई से संतुष्ट नहीं थे और न्यायिक जांच की मांग कर रहे थे। इसके बाद राज्य सरकार ने न्यायिक जांच की घोषणा की थी। इसी मुद्दे को लेकर 10 जून 2024 को हजारों लोग बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट के पास प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए थे।

प्रदर्शन के दौरान स्थिति बेकाबू हो गई और भीड़ ने कलेक्टर कार्यालय तथा एसपी कार्यालय में आगजनी कर दी। हिंसा में सरकारी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा था। प्रशासन ने घटना के बाद कार्रवाई करते हुए 43 मामलों में 187 लोगों को गिरफ्तार किया था। अब मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य सरकार से जवाब मांगे जाने के बाद सभी की निगाहें 17 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हुई हैं।

खरीफ सीजन में खाद संकट गहराया किसानों ने किया चक्काजाम

विश्व केसरी

खैरागढ़। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही खैरागढ़ क्षेत्र में खाद संकट गहराने लगा है। यूरिया और डीएपी खाद की कमी से नाराज किसानों ने ग्राम पैलीमेटा में सड़क पर उतरकर चक्काजाम किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि बुवाई के महत्वपूर्ण समय में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, जिससे खेती-किसानी का काम प्रभावित हो रहा है।

किसानों का कहना है कि खाद वितरण केंद्रों में लगातार कमी बनी हुई है। खाद लेने के लिए उन्हें बार-बार केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन जरूरत के मुताबिक खाद नहीं मिल पा रही है। इससे खरीफ फसलों की बुवाई पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

यह प्रदर्शन जिला पंचायत सदस्य निर्मला विजय वर्मा, जिला महामंत्री लाल रोहित सिंह पुलस्त्य और जनपद सदस्य प्रेमलाल साहू के नेतृत्व में आयोजित किया गया। आंदोलन के दौरान किसानों ने खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन को समर्थन देने खैरागढ़ विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा तथा पूर्व विधायक छन्नी साहू भी मौके पर पहुंचीं। विधायक यशोदा वर्मा ने किसानों की समस्याएं सुनते हुए प्रशासन से तत्काल खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन समय पर उपलब्ध कराना सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी है, ताकि उत्पादन प्रभावित न हो। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही खाद की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई और वितरण व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

आत्मनिर्भर भारतः सरकार ने 1.25 मेगावाट की मरीन गैस टरबाइन जनरेटर के लिए 425 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट किया साइन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सरकार ने नौसेना के लिए 1.25 मेगावाट के लगभग 425 करोड़ रुपए की कुल लागत के 12 मरीन गैस टर्बाइन जनरेटर सेट की खरीद के लिए भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ पर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई।

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान के मुताबिक, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में 'बाय (इंडियन)' श्रेणी के तहत इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। इन जनरेटरों में न्यूनतम 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।यह परियोजना एक सशक्त घरेलू विनिर्माण प्रणाली के तहत आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। इससे महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रौद्योगिकियों में समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और स्वदेशी उत्पादन एवं संपूर्ण जीवनचक्र समर्थन के माध्यम से भारतीय नौसेना की

परिचालन तत्परता में मजबूती आएगी।

मंत्रालय ने आगे कहा कि यह अनुबंध समुद्री गैस टरबाइन जनरेटरों के निर्माण में स्वदेशी क्षमता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह जनरेटर सेट आधुनिक नौसैनिक युद्धपोतों का आधार है और महत्वपूर्ण युद्ध प्रणालियों, उन्नत हथियारों और सेंसरों को शक्ति प्रदान करने वाले विद्युत उत्पादन अनुप्रयोगों में इसका उपयोग होता है।सरकार 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए रक्षा उपकरणों के घरेलू उत्पादन पर लगातार जोर दे रही है।

इस हफ्ते की शुरुआत में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि पिछले वित्त वर्ष में देश का सालाना रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।यह वित्त वर्ष 25 के 1.54 लाख करोड़ रुपय के उत्पादन की तुलना में 15.6 प्रतिशत अधिक है। साथ ही, यह वित्त वर्ष 21 के आंकड़े 84,643 करोड़ रुपये से 110 प्रतिशत अधिक है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 14 में घरेलू रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ रुपये था, जो अब लगभग चार गुना बढ़ गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व को दिया।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, आईटी शेयर में रही बिकवाली

विश्व केसरी

मुंबई, । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 607.08 अंक या 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,802.90 और निफ्टी 154.90 अंक या 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,013.10 पर था।

बाजार में गिरावट का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। इसके चलते निफ्टी आईटी 3.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ सूचकांकों में टॉप लूजर था। इसके बाद निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी कमोडिटीज भी लाल निशान में बंद हुए।

दूसरी तरफ, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी मीडिया, निफ्टी मेटल और निफ्टी कंजम्पशन हरे निशान में बंद हुआ।

लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई।

निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 138.05 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,517.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 78.85 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,784.45 पर था।

सेंसेक्स पैक में इटरनल, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, आईटीसी, सन फार्मा, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और इंडिगो गेनर्स थे। इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एमएंडएम, एचयूएल, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, एसबीआई, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और बीईएल लूजर्स थे। जानकारों ने कहा कि हाल की रैली के बाद इक्विटी मार्केट में प्रॉफिट बुकिंग देखी गई, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता के अचानक रद्द होने से निवेशकों का उत्साह कम हो गया। आज आईटी इंडेक्स में भारी गिरावट आई, जिसकी वजह एक्सेंचर का कमजोर आउटलुक था, इससे डिजिटल खर्च को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल, निवेशक सावधानी बरत रहे और शांति समझौते के बारे में और स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं और दक्षिण-पश्चिम मानसून की धीमी प्रगति पर नजर रखे हुए हैं।

लगातार दूसरे दिन सोने की चमक पड़ी फीकी; चांदी में भी छाई सुस्ती

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमत में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली। इससे सोने का दाम 1.45 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 2.32 लाख रुपए प्रति किलो से नीचे आ गया है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 3,123 रुपए कम होकर 1,44,970 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,48,093 रुपए प्रति 10 ग्राम था।22 कैरेट सोने का दाम 1,35,653 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,32,793 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। 18 कैरेट सोने की कीमत कम होकर 1,08,728 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,11,070 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है।

चांदी का दाम 8,218 रुपए कम

होकर 2,31,93 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,40,191 रुपए प्रति किलो था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। कॉमेक्स पर सोना 1.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,174.47 डॉलर प्रति औंस और चांदी 2.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.91 डॉलर प्रति औंस पर थी।एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि फेडरल रिजर्व की ओर से 2026 में ब्याज दरें एक बार बढ़ाने के संकेत के बाद सोने की कीमतों पर दबाव देखने को मिल रहा है। इससे अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ और सोने जैसी बिना रिटर्न वाली संपत्तियों का आकर्षण कम हो गया। फेड के सख्त रुख के कारण बुलियन बाजारों में बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग देखी गई।

उन्होंने आगे कहा कि फेड की पॉलिसी के ऐलान के बाद पिछले कुछ सेशन में कॉमेक्स गोल्ड की कीमत लगभग 4375 डॉलर प्रति औंस से गिरकर 4150 डॉलर प्रति औंस हो गई है, जबकि एमसीएक्स गोल्ड का दाम लगभग 1,54,000 रुपए से घटकर 1,47,200 रुपए पर आ गया। डॉलर के मजबूत होने की संभावना और ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदों का असर मार्केट सेंटीमेंट पर पड़ रहा है।

रिलायंस के बोर्ड ने जियो के आईपीओ को दी मंजूरी, 27 करोड़ शेयर्स का होगा फ्रेश इश्यू

विश्व केसरी

नई दिल्ली, । जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड ने जियो के आईपीओ (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) को मंजूरी दे दी है और डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दिन के अंत में जमा किया जाएगा। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी की ओर से शुक्रवार को दी गई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि प्रस्तावित आईपीओ में 10 रुपए की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल होगा। इश्यू की अंतिम कीमत सेबी के 'इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस, 2018' के तहत बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया से तय की जाएगी।

आईपीओ का ऐलान करते हुए अंबानी ने कहा कि यह मेरे लिए,

पूरी रिलायंस परिवार और हमारे लाखों शेयरधारकों के लिए भावुक पल है।

उन्होंने आगे कहा कि रिलायंस और उसके शेयरहोल्डर्स के बीच का रिश्ता 'गर्व, भरोसे, सम्मान और साथ मिलकर आगे बढ़ने पर आधारित एक गहरा और पवित्र रिश्ता' है, यह एक ऐसा कमिटमेंट है जो धीरूभाई अंबानी के लिए बहुत निजी था और मेरे लिए भी उतना ही पवित्र है।

आकाश, ईशा और अनंत जियो के आईपीओ प्रोसेस को संभाल रहे हैं और भविष्य में वैल्यू बनाने के मौकों के मामले में अगली पीढ़ी का नेतृत्व करेंगे।

अंबानी के मुताबिक, 'जियो की प्रस्तावित लिस्टिंग दुनिया को दिखाएगी कि भारत ग्लोबल स्तर, ग्लोबल क्षमता और ग्लोबल वैल्यू वाली टेक्नोलॉजी कंपनियां बना सकता है। मैं आपको और सभी संभावित नए निवेशकों को भरोसा दिलाता हूं कि जियो का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।'

उन्होंने जियो को 'इस साल वैल्यू बनाने की दिशा में सबसे अहम पड़ाव' बताया जा रहा है, जो 'रिलायंस के शेयरहोल्डर्स के लिए बड़ी वैल्यू बनाएगा और दूसरों को निवेश का आकर्षक मौका देगा।

भारत के ऑफिस मार्केट में आरईआईटी की हिस्सेदारी बढ़कर 2030 तक 30 प्रतिशत पहुंचने की उम्मीदः रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) ने बीते छह वर्षों में तेजी से विस्तार किया है और ऑफिस आरईआईटी और इंस्ट्रियल एवं वेयरहाउसिंग इनविट की बाजार हिस्सेदारी 2030 तक क्रमश: 30 प्रतिशत और 10 प्रतिशत पहुंचने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

कोलियर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ऑफिस मार्केट में आरईआईटी के बढ़ते ट्रेंड को अच्छी क्वालिटी वाली ग्रीन-सर्टिफाइड प्रॉपर्टीज की आगमन, किराएदारों की मजबूत मांग और निवेशकों की लगातार रुचि से सपोर्ट मिल रहा है।

मार्च 2026 तक, लिस्टेड आरईआईटी और इनविट का मौजूदा पोर्टफोलियो 195 मिलियन स्क्वेयर फीट से अधिक हो गया है और लगभग 37 मिलियन स्क्वेयर फीट का नया पोर्टफोलियो पाइपलाइन में है।

मौजूदा भारतीय आरईआईटी और इनविट के ऑपरेशनल पोर्टफोलियो में ऑफिस सेगमेंट का दबदबा बना हुआ है और इसकी हिस्सेदारी लगभग 84 प्रतिशत है, वहीं रिटेल और इंडस्ट्रियल व वेयरहाउसिंग सेगमेंट भी तेजी पकड़ रहे हैं।

रिपोर्ट में बताया गया है कि आरईआईटी और इनविट भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागतकरण और लोकतंत्रीकरण को तेजी से बढ़ा रहे हैं। इसके पीछे निवेशकों की बढ़ती भागीदारी, अंडरलाइंग एसेट्स का मजबूत ऑपरेशनल परफॉर्मेंस, एसेट अधिग्रहण और सहायक नीतियां जैसे कारण हैं।

भारतीय मार्केट में अब ऑफिस

पर केंद्रित पांच आरआईआईटी के साथ-साथ एक रिटेल आरईआईटी और एक इंडस्ट्रियल व वेयरहाउसिंग पर केंद्रित इनविट शामिल हैं, जो भारत में आरईआईटी/इनविट स्ट्रक्चर की स्केलेबिलिटी को दर्शाते हैं।

कॉलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल याग्निक ने कहा, 'भारत के टॉप सात मार्केट में 'ग्रेड ए' ऑफिस स्टॉक का लगभग पांचवां हिस्सा अभी आरईआईटी के तहत है। यह संस्थागतकरण की ओर लगातार बढ़ते झुकाव और इनकम देने वाले एसेट्स में निवेशकों के बढ़ते भरोसे का संकेत है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा 'ग्रेड ए' ऑफिस स्टॉक में से 370 मिलियन वर्ग फुट अतिरिक्त जगह भविष्य में आरईआईटी के तौर पर लिस्ट होने की क्षमता रखती है, जिससे ऑफिस सेगमेंट में आरईआईटी की ग्रोथ की अच्छी संभावना है।

भारत में ऑफिस आरईआईटी के तहत ऑपरेशनल एसेट्स में पिछले पांच वर्षों में दोगुने से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है; यह 2021 में लगभग 72 मिलियन वर्ग फुट से बढ़कर मार्च 2026 के अंत तक लगभग 164 मिलियन वर्ग फुट हो गया है।

टियर-1 ऑफिस मार्केट में बेंगलुरु में आरईआईटी की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है, जहां शहर के मौजूदा 'ग्रेड ए' ऑफिस स्टॉक का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा पहले ही आरईआईटी के तहत लिस्ट हो चुका है।

इसके बाद हैदराबाद, मुंबई और पुणे का नंबर आता है, जहां आरईआईटी का दायरा लगभग 15-20 प्रतिशत है। मौजूदा आरईआईटी के तहत ऑफिस स्टॉक का दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सा बड़े शहरों के सेकेंडरी बिजनेस डिस्ट्रिक्ट्स (एसबीडी) में फैला हुआ है।

एफएसएसएआई ने भ्रामक दावों के लेकर मैरिको, फेरेरो, बीकानेरवाला समेत 14 कंपनियों को जारी किया नोटिस

विश्व केसरी

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने उन फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को नोटिस जारी किए हैं, जो अपने प्रोडक्ट को लेकर भ्रामक दावें, ब्रांडिंग और लेबलिंग कर रहे थे। साथ ही, उनके उत्पादों को लेकर ग्राहकों से शिकायतें के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

इसके लावा, एफएसएसएआई ने एफबीओ को सुधार के उपाय करने के लिए निर्देश भी दिए गए हैं।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, एफएसएसएआई ने कहा कि ये नोटिस 'फ़ूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के नियमों के तहत जारी किए गए थे। ये नोटिस भ्रामक ब्रांड नामों, ट्रेड नामों, प्रोडक्ट के दावों, लेबलिंग से जुड़े नियमों के उल्लंघन और ग्राहकों की अन्य शिकायतों से संबंधित थे।नियामक की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, कई फूड बिजनेस को नोटिस भेजे गए हैं। इन फूड ऑपरेटर्स पर ऐसा दावा करने का आरोप है जो 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018' का उल्लंघन करते हैं या जिनसे ग्राहकों को गुमराह किया जा सकता है।

रेगुलेटर ने जिन कंपनियों पर सवाल उठाए, उनमें 'प्लक्क' भी शामिल थी। कंपनी के आम के जूस पर 'नौ एडेड शुगर' का दावा किया गया था, लेकिन जांच में पता चला कि सामग्री की सूची में आम का गूदा और गन्ने का रस शामिल था। रेगुलेटर के अनुसार, इस दावे से प्रोडक्ट में मौजूद चीनी की मात्रा को लेकर गलतफहमी पैदा हो सकती थी।इसके अलावा, रेगुलेटर ने पनीर के एक प्रोडक्ट पर 'नेचुरल पनीर' शब्द के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि यह जानकारी मिश्रित खाद्य पदार्थों के लिए 'नेचुरल' शब्द के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का उल्लंघन करती है।जिन दूसरी कंपनियों को नोटिस मिले हैं, उनमें 'सिल्कन टोफू' प्रोडक्ट के दावों के लिए 'गौर हेल्दी फूड'; '100 परसेंट नेचुरल', 'फ्रेशली मेड' जैसे दावों और 'ऑर्गेनिक आटा' के जिक्र के लिए 'मास्टरचाउ फूड्स प्राइवेट लिमिटेड'; 'किंडर जॉय-कोटेड वेफर बिस्किट' प्रोडक्ट पर 'रिच इन मिल्क सॉलिड्स' (दूध के ठोस पदार्थों से भरपूर) दावे के लिए 'फेरेरो इंडिया'; और 'सैफोला टोटल हार्ट प्रो' कुकिंग ऑयल से जुड़े ब्रांडिंग और हेल्थ से संबंधित दावों के लिए 'मैरिको लिमिटेड' शामिल हैं।

इसके लावा, एफएसएसएआई ने मेडिजेन लैब्स, नेक्सा इंडस्ट्रीज, रॉ प्रेसरी, न्यूट्रास्युटिकल के 'इंसिप्रो गोल्ड पाउडर वनीला' प्रोडक्ट और कोरियाई जिनसेंग न्यूट्रास्युटिकल प्रोडक्ट के दावों पर भी सवाल उठाए। सरकारी एजेंसी का कहना था कि हेल्थ और परफॉर्मेंस से जुड़े कई दावों के लिए वैज्ञानिक सबूतों की जरूरत थी या वे मौजूदा नियमों के तहत मंजूर नहीं थे।

इसके अतिरिक्त, रेगुलेटर ने सोशल मीडिया के जरिए मिली ग्राहकों की शिकायतों के बाद बीकानेरवाला और परम डेयरी लिमिटेड को भी नोटिस जारी किए।

बीकानेरवाला को नोटिस हाइजीन (साफ-सफाई) से जुड़ी चिंताओं के कारण भेजा गया। एक शिकायत में कहा गया था कि काम के घंटों के दौरान एक स्टाफ मेंबर सर्विस या किचन एरिया के अंदर खाना खा रहा था। कंपनी से कहा गया है कि वह अपनी जांच, स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर और शिकायत के जवाब में उठाए गए सुधारात्मक कदमों की जानकारी दे।

वहीं, परम डेयरी लिमिटेड को आईआरसीटीसी कैटरिंग सर्विस के जरिए सप्लाई किए गए डेयरी-बेस्ड प्रोडक्ट्स (दही और रबड़ी) में फंगस के संक्रमण के आरोपों पर नोटिस जारी किया गया।

भारत में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक की कोयला गैसीकरण परियोजनाओं पर चल रहा कामः सरकार

नई दिल्ली। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भारत में 65,000 करोड़ रुपए से अधिक की कोयला गैसीकरण परियोजनाओं पर वर्तमान में काम चल रहा है, जो इस बात का संकेत है कि कोयले को रसायनों, ईंधन और औद्योगिक कच्चे माल में बदलने की सरकार की पहल अब केवल नीतिगत योजना तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी तेजी से लागू हो रही है।

हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि इस क्षेत्र को उद्योग जगत से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।

उनके अनुसार, जनवरी 2024 में स्वीकृत 8,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना के तहत आठ परियोजनाएं पहले से ही क्रियान्वयन के चरण में हैं।

इन परियोजनाओं को 6,233 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन समर्थन मिला है। ये परियोजनाएं कोयले से सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी), एथेनॉल, हाइड्रोजन, एसीटिक एसिड, अमोनियम नाइट्रेट, डीआरआई आधारित इस्पात और सतत विमानन ईंधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं।

सरकार 37,500 करोड़ रुपए की बड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत निविदा आमंत्रण (आरएफपी) को भी अंतिम रूप दे रही है। मसौदा दस्तावेज को हितधारकों से सुझाव लेने के लिए पहले ही सार्वजनिक किया जा चुका है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र कोयला गैसीकरण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्य में पहले से ही पांच परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के माध्यम से कोयले की उपलब्धता, मजबूत औद्योगिक ढांचा और नीतिगत सहयोग का लाभ मिल रहा है। यही कारण है कि यह राज्य कोयला गैसीकरण परियोजनाओं का प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य इस क्षेत्र के लिए निवेश-अनुकूल वातावरण बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मुंबई का कोयला गैसीकरण तकनीक से ऐतिहासिक संबंध रहा है।

सरकार को उम्मीद है कि कोयला गैसीकरण पहल के तहत लगभग 25 परियोजनाओं में 2.5 लाख करोड़ रुपए से 3 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आकर्षित होगा। सरकार ने वर्ष 2030 तक 100 मिलियन टन कोयले के गैसीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह कार्यक्रम भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उर्वरक, रसायन और ईंधन के आयात पर निर्भरता कम करना, घरेलू औद्योगिक क्षमता को मजबूत बनाना और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देना है।

घड़ा ही नहीं, मिट्टी के बोतल और गिलास भी खास, प्राकृतिक ठंडक के साथ स्वाद भी बढ़ाए

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है और चिलचिलाती धूप लोगों का जीना मुश्किल कर रही है। ऐसे में बिजली वाले कूलर या फ्रिज पर निर्भर रहने के बजाय पारंपरिक मिट्टी के बर्तन एक बार फिर लोकप्रिय हो रहे हैं। घड़े के अलावा, मिट्टी के बोतल, कुल्हड़ और गिलास भी प्राकृतिक ठंडक देने के साथ ही पानी और पेय पदार्थों का स्वाद बढ़ाने में कारगर होते हैं।

मिट्टी के बर्तन गर्मी के मौसम में प्राकृतिक रूप से पानी को ठंडा रखते हैं। मिट्टी की नमी के कारण वाष्पीकरण होता है, जो पानी के तापमान को कम करता है। इसमें रखा पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि मिट्टी के खनिजों से भरपूर भी हो जाता है। प्लास्टिक या स्टील के बर्तनों के मुकाबले मिट्टी के बर्तन पानी को केमिकल-मुक्त और स्वादिष्ट बनाते हैं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) मिट्टी के बर्तनों के इस्तेमाल के फायदों के बारे में जानकारी देता है। मिट्टी के बर्तन प्राकृतिक ठंडक देते हैं, यह बिना बिजली के पानी को 8-10 डिग्री ठंडा रख सकते हैं। मिट्टी का पानी क्षारीय होता है, जो पेट की अम्लता कम करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, कुल्हड़ में चाय, छाछ या जूस पीने पर मिट्टी की सौंधी खुशबू स्वाद को और भी खास बना देती है।

गर्मी के इस मौसम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों सलाह देते हैं कि कोल्ड ड्रिंक्स की जगह मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी या पेय ज्यादा फायदेमंद है। इससे गर्मी से होने वाली डिहाइड्रेशन और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है। मिट्टी के बर्तनों में रखा पानी शरीर को ठंडक पहुंचाता है, गर्मी से होने वाली थकान और जलन कम करता है। साथ ही ये बर्तन पूरी तरह बायोडिग्रेडेबल हैं और प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में मदद करते हैं।

मिट्टी की बोतल या क्ले बॉटल बाहर घूमने या ऑफिस ले जाने के लिहाज से भी बहुत सुविधाजनक है। यह पानी को लंबे समय तक ठंडा और ताजा रखती है। कुल्हड़ एक बार इस्तेमाल के बाद फेंकने योग्य होते हैं, जिससे स्वाद के साथ स्वच्छता भी बनी रहती है। वहीं, मिट्टी का घड़ा परिवार के लिए ठंडा पानी उपलब्ध कराता है।

पोषक तत्वों का खजाना शरीफा : फल के साथ बीज और पत्तियां भी फायदेमंद, जानें इसके अनोखे गुण

प्रकृति ने ऐसे कई फल-फूल दिए हैं, जिनके सेवन से सेहत को भला चंगा रखा जा सकता है। शरीफा या शुगर एप्पल भी ऐसा ही फल है, जो न केवल स्वाद में कमाल बल्कि पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

मीठे स्वाद और मलाईदार गूदे के लिए मशहूर शरीफा केवल एक स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर यह फल शरीर को एनर्जी देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ भी पहुंचाता है। खास बात यह है कि इसके फल के अलावा बीज और पत्तियां भी कई तरह से उपयोगी होते हैं।

बिहार सरकार का वन, जल एवं पर्यावरण विभाग शरीफा के गुणों से अवगत कराता है। विभाग के अनुसार, शरीफा के केवल फल नहीं बल्कि इसके बीज और पत्तियां भी उपयोगी होते हैं। इनका इस्तेमाल प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में किया जा सकता है। इससे खेती में रासायनिक कीटनाशकों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। यही वजह है कि यह पौधा कृषि और पर्यावरण दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

शरीफा, जिसे सीताफल, आता और शुगर एप्पल के नाम से भी जाना जाता है, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी-6, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत है। यही कारण है कि इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी फलों में गिना जाता है। इसके नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और मौसमी बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार शरीफा पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और शरीर को प्राकृतिक रूप से ऊर्जा प्रदान करते हैं। इसके अलावा यह हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें पाए जाने वाले खनिज तत्व शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों को सुचारु रूप से चलाने में मदद करते हैं।

शरीफा की पहचान उसके हरे रंग और खुरदरी सतह वाले फल से होती है। इसका गूदा मुलायम, मीठा और स्वादिष्ट होता है, जिसे बच्चे और बड़े दोनों पसंद करते हैं। इसके भीतर मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में कारगर है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि संतुलित मात्रा में शरीफा का सेवन शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व प्रदान कर सकता है। स्वाद, पोषण और उपयोगिता के गुणों से भरपूर यह फल स्वास्थ्यवर्धक आहार का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। यही कारण है कि शरीफा को प्रकृति का एक अनमोल उपहार माना जाता है, जो सेहत के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी लाभकारी होता है।

दुनिया में घट रहा तंबाकू सेवन, लेकिन किशोरों में वेपिंग बनी नई चुनौती

इस दौर में स्मोकिंग से ज्यादा वेपिंग एक चुनौती के तौर पर उभर रही है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने ऐसी तस्वीर पेश की जो भयावह है। बताया है कि कैसे युवा तंबाकू से दूरी बना रहे हैं, लेकिन वहीं किशोर इसके मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। '2000-2024 के बीच तंबाकू उपयोग की व्यापकता के रुझानों और 2025-2030 के अनुमानों पर वैश्विक रिपोर्ट' पिछले दो वर्षों पहले प्रकाशित संस्करण का एक अपडेट है। ये हाल ही में जारी 'डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट ऑन द ग्लोबल टोबैको एपिडेमिक, 2025/ का एक महत्वपूर्ण पूरक भी है।

ये दोनों रिपोर्ट्स मिलकर यह दर्शाती हैं कि लगभग सभी देश प्रभावी तंबाकू नियंत्रण उपायों को अपनाने और लागू करने में आगे बढ़ रहे हैं। कई देश पहले से ही इसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें तंबाकू उपयोग में उल्लेखनीय कमी शामिल है, और इसके परिणामस्वरूप सीधे स्वास्थ्य और आर्थिक लाभ भी देखे जा रहे हैं। रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में तंबाकू सेवन को कम करने के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 में जहां 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 1.379 अरब लोग किसी न किसी तंबाकू उत्पाद का उपयोग करते थे, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 1.202 अरब रह गई। अनुमान है कि 2025 तक यह आंकड़ा और घटकर 1.196 अरब हो जाएगा। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। हालांकि, तंबाकू उपयोग में यह गिरावट एक नई चुनौती के साथ सामने आई है। दुनिया भर में लगभग 1.5 करोड़ किशोर, जिनकी आयु 13 से 15 वर्ष के बीच है, ई-सिगरेट या वेपिंग का उपयोग कर रहे हैं। जिन देशों में इस संबंध में आंकड़े उपलब्ध हैं, वहां किशोर, वयस्कों की तुलना में औसतन नौ गुना अधिक वेपिंग करते पाए गए हैं। इसके अलावा, करीब 4 करोड़ किशोर पारंपरिक तंबाकू उत्पादों का भी सेवन कर रहे हैं।

लिंग के आधार पर देखें तो 2024 में कुल तंबाकू उपयोगकर्ताओं में 83 प्रतिशत पुरुष हैं। इस वर्ष पुरुष उपयोगकर्ताओं की संख्या 99.7 करोड़ और महिला उपयोगकर्ताओं की संख्या 20.6 करोड़ दर्ज की गई। महिलाओं में तंबाकू सेवन में लगातार गिरावट देखी जा रही है। वर्ष 2000 में जहां 34.2 करोड़ महिलाएं तंबाकू का उपयोग करती थीं, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 20.6 करोड़ रह गई है। 2030 तक इसके 18.2 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे अधिक सुधार देखने को मिला है। 2010 से 2025 के बीच इस क्षेत्र में लगभग 6.9 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ताओं की कमी आने का अनुमान है। इसके विपरीत, अफ्रीका और पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्रों में तंबाकू उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि तंबाकू उद्योग लगातार बदलती रणनीतियों के जरिए नई पीढ़ी को निकोटीन की लत की ओर धकेल रहा है। संस्था के स्वास्थ्य निर्धारक, संवर्धन और रोकथाम विभाग के निदेशक डॉ. एटियेन क्रुग के अनुसार, 'तंबाकू से हर साल लाखों लोगों की मौत होने के बावजूद बड़ी तंबाकू कंपनियां अपने व्यापार मॉडल को नया रूप दे रही हैं। वे एक ओर घातक सिगरेट से मुनाफा कमाना जारी रखे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर फ्लेवरयुक्त ई-सिगरेट, निकोटीन पाउच और अन्य निकोटीन उत्पादों को आक्रामक रूप से बढ़ावा दे रही हैं, जिनका लक्ष्य अगली पीढ़ी को अपनी गिरफ्त में लेना है।

निकोटीन अत्यधिक नशे की लत पैदा करने वाला पदार्थ है और उच्च मात्रा में लेने पर यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। बच्चों, किशोरों और युवाओं के लिए इसका खतरा और अधिक है क्योंकि इस आयु वर्ग में मस्तिष्क का विकास अभी जारी रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, कम उम्र में निकोटीन के संपर्क में आने से लंबे समय तक लत लगने और मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने का जोखिम बढ़ जाता है। इसी चिंता के बीच, 19 मई को संस्था ने उन नेताओं और संगठनों को सम्मानित किया जिन्होंने युवाओं को आकर्षित करने के लिए अपनाई जा रही तंबाकू उद्योग की नई और जटिल रणनीतियों का मुकाबला करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं। इनमें भारत से भी दो थे। जयपुर के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव और दूसरा केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आईसीएमआर को। तंबाकू का सेवन आज भी दुनिया में रोकी जा सकने वाली मौतों के प्रमुख कारणों में शामिल है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हर वर्ष 70 लाख से अधिक लोगों की मौत तंबाकू सेवन से होती है। यह हृदय रोग, श्वसन संबंधी बीमारियों और 20 से अधिक प्रकार के कैंसर से जुड़ा हुआ है।

सनबर्न का कारण क्या है? जानें अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा को कैसे बचाएं

सूर्य पृथ्वी पर जीवन का मुख्य स्रोत है, जो प्रकाश और ऊर्जा प्रदान करता है। लेकिन, इसकी कुछ किरणें त्वचा के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। गर्मियों में तेज धूप में ज्यादा देर रहने से त्वचा लाल हो जाना, जलन, सूजन और दर्द जैसी समस्या हो जाती है, जिसे सनबर्न कहते हैं। सवाल यह है कि आखिर सूर्य की किरणें त्वचा को क्यों जलाती हैं?

सूर्य से निकलने वाली रोशनी विभिन्न प्रकार की किरणों से मिलकर बनी होती है। इनमें इन्फ्रारेड किरणें गर्मी देती हैं, विजिबल लाइट हमें दिखाई देती है, लेकिन सबसे खतरनाक होती हैं अल्ट्रावॉयलेट (यूवी) किरणें। ये किरणें हमारी आंखों से दिखाई नहीं देतीं, लेकिन इनमें बहुत अधिक ऊर्जा होती है। जब ये किरणें त्वचा पर पड़ती हैं तो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती हैं। कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। शरीर इस क्षति पर प्रतिक्रिया स्वरूप सूजन और दर्द पैदा करता है, जो सनबर्न के रूप में सामने आता है।

खास बात यह है कि यूवी किरणें सिर्फ सीधी धूप में ही नहीं, बल्कि पानी, बर्फ, रेत या कंक्रीट से टकराकर वापस लौट सकती हैं। बादलों के पार भी ये किरणें आसानी से पहुंच जाती हैं। इसलिए छाते के नीचे बैठे रहने या बादल वाले दिन भी सनबर्न का खतरा बना रहता है। लंबे समय तक यूवी किरणों के संपर्क में रहने से त्वचा का कैंसर तक हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सनबर्न से बचाव के लिए कुछ सरल उपाय अपनाए जा सकते हैं। सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक धूप में कम निकलें। पूरे शरीर को ढकने वाले हल्के रंग के कपड़े पहनें। चौड़ी किनारे वाली टोपी और सनग्लासेस का इस्तेमाल करें। एसपीएफ 30 या इससे ज्यादा वाला सनस्क्रीन पूरे शरीर पर लगाएं और हर 3-4 घंटे में दोबारा लगाएं। भरपूर पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखें।

सनबर्न होने पर तुरंत ठंडे पानी से प्रभावित जगह को सेंकें। मॉइश्चराइजर लगाएं और अगर जलन ज्यादा हो तो डॉक्टर से सलाह लें। सूर्य विटामिन डी देता है, जो हड्डियों के लिए जरूरी है, लेकिन संतुलित तरीके से धूप का सेवन करना बेहद महत्वपूर्ण है।

रक्तदान को लेकर मिथक बन रहे रुकावट, जानें क्या कहते हैं हेल्थ एक्सपर्ट

नई दिल्ली। हर साल 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देना है। रक्तदान को हमेशा 'महादान' कहा गया है, क्योंकि एक व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त कई जरूरतमंद मरीजों की जान बचा सकता है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में लोग रक्तदान करने से हिचकिचाते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, रक्तदान को लेकर समाज में कई तरह की गलत धारणाएं और भ्रांतियां फैली हुई हैं, जो लोगों को इस बड़े काम से दूर रखती हैं। सबसे आम गलतफहमी यह है कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है या लंबे समय तक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। डॉक्टर्स का कहना है कि यह धारणा पूरी तरह गलत है। वास्तव में एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए रक्तदान एक सुरक्षित प्रक्रिया है और शरीर कुछ ही समय में रक्त की पूर्ति कर लेता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) भी लोगों से लगातार अपील कर रहा है कि वे इन भ्रांतियों से बाहर निकलकर स्वैच्छिक रक्तदान को अपनाएं। एनएचएम के अनुसार, यदि अधिक लोग नियमित रूप से रक्तदान करें तो देश में रक्त की कमी की समस्या काफी हद तक दूर की जा सकती है। एक यूनिट रक्त कई मरीजों के इलाज में उपयोगी साबित होता है, खासकर दुर्घटनाओं, सर्जरी और प्रसव जैसी आपात स्थितियों में।

विशेषज्ञ बताते हैं कि रक्तदान से पहले डोनर की पूरी स्वास्थ्य जांच की जाती है। इसमें हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर और सामान्य स्वास्थ्य की जांच शामिल होती है। केवल वही व्यक्ति रक्तदान कर सकता है जो पूरी तरह स्वस्थ हो। 18 से 65 वर्ष की आयु के लोग इस प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं, बशर्ते उनका हीमोग्लोबिन कम से कम 12.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर हो।

डॉक्टर्स के अनुसार, पुरुष हर तीन महीने में और महिलाएं हर चार महीने में रक्तदान कर सकती हैं। पूरी प्रक्रिया केवल कुछ मिनटों की होती है और इसका शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। इसके विपरीत, यह शरीर में नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण को भी प्रोत्साहित करता है। स्वास्थ्य विभाग और विभिन्न संस्थान लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इस सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ सकें।

गर्मियों में बाहर के खाने को कहें ना, घर पर बनाएं चटपटे अचारी आलू, जानें विधि

गर्मियों के मौसम में हेल्थ एक्सपर्ट अक्सर लोगों को बाहर के तले-भुने और खुले खाने से परहेज करने की सलाह देते हैं। ऐसे समय में घर का बना हल्का लेकिन स्वादिष्ट भोजन सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। अगर आपको चटपटा और मसालेदार खाना पसंद है तो अचारी आलू एक बेहतरीन डिश हो सकती है, जो स्वाद और सेहत दोनों का संतुलन बनाए रखती है।

गर्मी के मौसम में तेज धूप और नमी के कारण बाहर का खाना जल्दी खराब हो सकता है और पेट संबंधी समस्याएं पैदा कर सकता है। ऐसे में अगर आपको

चटपटा और तीखा स्वाद बहुत पसंद है तो घर पर ही अचारी आलू बनाकर लुत्फ उठाइए। यह न सिर्फ स्वादिष्ट है बल्कि सेहत के लिए भी सुरक्षित विकल्प है।

अचारी आलू देसी रसोई का एक क्लासिक व्यंजन है। इसमें आलू को अचार वाले खास मसालों जैसे सौंफ, मेथी, राई, कलौंजी और सरसों के तेल के साथ पकाया जाता है। खट्टा-तीखा और मसालेदार स्वाद इसे हर किसी का पसंदीदा बना देता है। यह नाश्ते में, लंच बॉक्स में, दोपहर के भोजन के साथ या शाम की चाय के साथ भी परोसा जा सकता है।

इस डिश को बनाने की सबसे अच्छी बात यह है कि यह आसानी से घर पर तैयार हो जाती है। गर्मियों में जब भारी खाना पचाना मुश्किल हो जाता है, तब अचारी आलू हल्का स्वादिष्ट विकल्प साबित होता है। सरसों का तेल इसमें न सिर्फ स्वाद बढ़ाता है बल्कि इसमें मौजूद गुण गर्मियों में शरीर को ठंडक भी प्रदान करते हैं।

अचारी आलू घर का बना होने से स्वच्छ और तरोताजा रहता है, बाहर के चाट-पकौड़ी या तीखे खाने का सुरक्षित विकल्प, कम सामग्री में बनकर तैयार और लंबे समय तक खराब नहीं होता, इसलिए यात्रा के लिए भी बेस्ट है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि गर्मी के दिनों में मसालेदार लेकिन घर का खाना खाना फायदेमंद होता है। अचारी आलू में इस्तेमाल होने वाले मसाले पाचन सुधारने में मदद करते हैं और स्वाद भी बढ़ाते हैं। आप इसे रोटी, पराठा, पूड़ी या चावल के साथ खा सकते हैं।

कॉकटेल 2 (फिल्म रिव्यू) : प्यार, दोस्ती और कमिटमेंट की शानदार कहानी को लेकर छाए शाहिद, रश्मिका और कृति सेनन

कुछ रिश्ते इसलिए खत्म नहीं होते क्योंकि लोगों के बीच प्यार खत्म हो जाता है बल्कि इसलिए क्योंकि सिर्फ प्यार ही हर रिश्ते को निभाने के लिए काफी नहीं होता। मैडॉक फिल्म्स और निर्माता दिनेश विजान की यह 'कॉकटेल 2' फिल्म एक और शानदार पेशकश है। निर्देशक होमी अदजानिया ने आधुनिक रिश्तों को बेहद संवेदनशील, परिपक्व और ईमानदार तरीके से दिखाया है। यही वजह है कि 'कॉकटेल 2' की कहानी एक तरफ बहुत निजी और भावनात्मक लगती है, तो दूसरी तरफ हर दर्शक खुद को इससे जुड़ा हुआ महसूस कर सकता है।

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म आधुनिक रिश्तों को मैच्योरिटी और इमोशनल ईमानदारी के साथ दिखाती है। यह एक ऐसी कहानी है जो बहुत पर्सनल भी लगती है और हर कोई इससे जुड़ाव महसूस कर सकता है।

जहां पहली फिल्म 'कॉकटेल' युवाओं की मस्ती, दोस्ती और रिश्तों की उलझनों पर आधारित थी, वहीं 'कॉकटेल 2' एक ज्यादा परिपक्व कहानी लेकर आती है। फिल्म दिखाती है कि जब रिश्तों में रोमांच की जगह आराम और आदतें लेने लगती हैं, जब जिम्मेदारियां प्यार से ज्यादा भारी महसूस होने लगती हैं। जब जिंदगी लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि क्या वे अब भी उसी रिश्ते में खुश हैं जिसे उन्होंने कभी बड़े प्यार से बनाया था।

कुणाल (शाहिद कपूर) और दीया (रश्मिका मंदाना) सालों से साथ हैं। कॉलेज के रोमांस के तौर पर शुरू हुआ उनका रिश्ता दूरी, बदलती प्राथमिकताओं और बड़े होने की चुनौतियों के बावजूद कायम रहा। उनका रिश्ता कंफर्टेबल, जाना-पहचाना और स्थिर लगता है लेकिन अंदर ही अंदर उसमें दरारें पड़ने लगी हैं।

दीया शादी और कमिटमेंट से जुड़ी उम्मीदों से जूझ रही है जबकि कुणाल अपने रिश्ते के उस रूप को पकड़े हुए है जो शायद अब रहा ही नहीं। सिसिली की यात्रा के दौरान उनकी जिंदगी में एक अप्रत्याशित मोड़ आता है, जहां वे एली (कृति सेनन) से मिलते हैं – एक आजाद ख्यालों वाली महिला जो पूरी तरह से अपनी शर्तों पर जीती है।

जैसे-जैसे तीनों एक-दूसरे के करीब आते हैं, फिल्म धीरे-धीरे एक पारंपरिक लव ट्राएंगल से कहीं ज्यादा जटिल कहानी में बदल जाती है। दोस्ती इमोशनल जुड़ाव में बदल जाती है, वफादारी की परीक्षा होती है और प्यार, कम्पैटिबिलिटी, पर्सनल खुशी को लेकर मुश्किल सवाल उठते हैं।

कहानी की खूबी यह है कि यह अपने किरदारों को कभी हीरो या विलेन के तौर पर नहीं दिखाती। हर कोई कमियों वाला है, हर कोई गलतियां करता है और यही ईमानदारी फिल्म को इमोशनल गहराई देती है। शाहिद कपूर ने हाल के सालों में अपनी सबसे मैच्योर परफॉर्मेंस में से एक दी है। कुणाल का किरदार विरोधाभासों से भरा है और शाहिद ने इसके हर पहलू को खूबसूरती से निभाया है। चाहे वह खामोश दिल टूटने का एहसास हो, निराशा हो या कमजोरी, वे पूरी फिल्म के दौरान दर्शकों को जोड़े रखते हैं। रश्मिका मंदाना ने 'दीया' के किरदार में अपनापन और सच्चाई भरी है। उनके कई पल बहुत ही असल लगते हैं, खासकर तब जब वह रिश्तों और जिंदगी के फैसलों को लेकर महिलाओं पर पड़ने वाले दबाव का सामना करती हैं। वह हल्के-फुल्के और इमोशनल, दोनों तरह के सीन को आत्मविश्वास और संयम के साथ निभाती हैं।

कृति सेनन 'एली' के रोल में कमाल की हैं। शुरू में जो किरदार बेफिक्र और बिना सोचे-समझे काम करने वाला लगता है, उसमें धीरे-धीरे हैरानी भरी इमोशनल गहराई नजर आती है। कृति एली के आकर्षण, अप्रत्याशित स्वभाव और कमजोरियों को बहुत आसानी से बैलेंस करती हैं, जिससे यह फिल्म की सबसे यादगार परफॉर्मेंस में से एक बन जाती है।

तीनों के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री है। उनकी बातचीत बहुत स्वाभाविक और असल लगती है, जिससे हर दोस्ती, टकराव और इमोशनल उलझन सच्ची लगती है। कृति और रश्मिका के बीच कुछ बहुत मजेदार पल भी हैं, जो फिल्म के रिश्तों में एक और दिलचस्प पहलू जोड़ते हैं।

फिल्म की सबसे बड़ी खूबियों में से एक इसकी कहानी और लेखन है। रिश्ते कई परतों वाले और असल लगते हैं। बातचीत ऐसी है जैसे लोग असल जिंदगी में करते हैं, न कि वैसी जैसी फिल्मों के किरदारों से उम्मीद की जाती है।

डायलॉग तीखे, समझदारी भरे और इमोशनल रूप से असरदार हैं। कई टकरावों का असर इसलिए गहरा होता है क्योंकि वे दिखावे या ड्रामे के बजाय सच्चाई से उपजे होते हैं। फिल्म आपको लगातार अपने किरदारों और उनके फैसलों से जोड़े रखती है, साथ ही रोमांस, दोस्ती और खुद को समझने के सफर को बहुत आसानी से बैलेंस करती है।

प्रीतम का म्यूजिक कहानी में बहुत अच्छे से घुल-मिल जाता है, जिससे इमोशनल और रोमांटिक पल और भी बेहतर हो जाते हैं। गाने कहानी में रुकावट नहीं डालते, बल्कि उसका एक स्वाभाविक हिस्सा बन जाते हैं।

देखने में फिल्म बहुत शानदार है। सिसिली का बैकग्राउंड बहुत खूबसूरत है। हर फ्रेम पोस्टकार्ड जैसा लगता है, लेकिन कहीं भी जरूरत से ज्यादा नहीं लगता। सिनेमैटोग्राफी, फैशन और ओवरऑल प्रोडक्शन डिजाइन देखने के अनुभव को बहुत समृद्ध बनाते हैं, जिससे फिल्म जितनी इमोशनल रूप से दिलचस्प है, उतनी ही देखने में भी खूबसूरत है।

फिल्म के दूसरे हिस्से में कुछ इमोशनल सीन थोड़े छोटे किए जा सकते थे।

कॉकटेल 2' प्यार, दोस्ती, खुद को समझने और बड़े होने के साथ आने वाले मुश्किल फैसलों के बारे में खूबसूरती से बनाई गई फिल्म है। यह आसान जवाब नहीं देती और यही बात इसे खास बनाती है।

मैडॉक फिल्म्स और लव फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की बेहतरीन एक्टिंग, सोच-समझकर लिखी गई कहानी, शानदार विजुअल्स और जबरदस्त इमोशनल पलों के साथ एक बेहद संतोषजनक अनुभव देती है।

सलमान खान की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में टली सुनवाई, 'काला हिरण' मामले में अगली तारीख 1 जुलाई तय

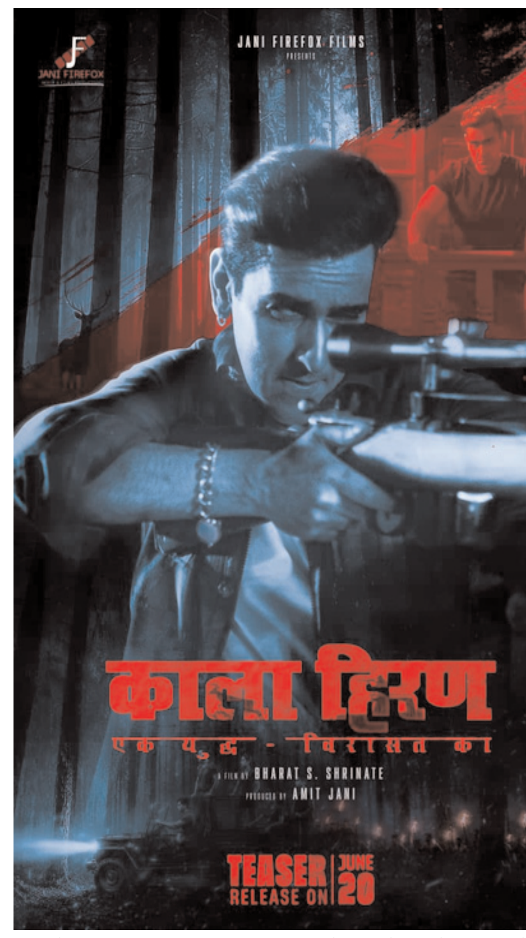

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की ओर से फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई टाल दी है। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 1 जुलाई तय की है।

फिल्म निर्माताओं की ओर से अदालत में कहा गया कि उन्हें सलमान खान की तरफ से दाखिल की गई पूरी याचिका की कॉपी अभी तक नहीं मिली है। उन्हें सिर्फ एक आवेदन की कॉपी दी गई है। इस पर जस्टिस मधु जैन ने सलमान खान के वकील को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि दूसरे पक्ष को याचिका की पूरी कॉपी उपलब्ध कराई जाए।

इससे पहले की सुनवाई में अदालत ने फिल्म के निर्माता अमित जानी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया था और उनसे जवाब मांगा था।

यह पूरा विवाद फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' से जुड़ा है, जो सलमान खान से संबंधित बहुचर्चित ब्लैकबक शिकार मामले पर आधारित बताई जा रही है। सलमान खान का आरोप है कि इस फिल्म में उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बिना अनुमति उपयोग किया गया है, जो उनके पर्सनैलिटी राइट्स का सीधा उल्लंघन है।

याचिका में कहा गया है कि फिल्म के पोस्टर में ऐसे तत्व शामिल हैं, जो सीधे तौर पर सलमान खान की सार्वजनिक पहचान से मिलते-जुलते हैं, जिसके चलते फिल्म की रिलीज, प्रमोशन और डिजिटल स्ट्रीमिंग तक पर रोक लगाई जाए।

सलमान खान ने यह याचिका प्रोड्यूसर अमित जानी, जानी फायरफॉक्स फिल्म्स, डायरेक्टर भरत श्रीनाटे, अक्षय पांडे और प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ दायर की थी।

काला हिरण: बैटल फॉर लिगेसी' के फर्स्ट लुक और टीजर में सलमान खान से प्रेरित किरदार का नाम अयान खान रखा गया। अयान खान के किरदार को अभिनेता काशिफ इकबाल खान निभा रहे हैं। दर्शकों को उनका लुक, चलने का स्टाइल और हर हाव-भाव सलमान से एकदम मेल खाता नजर आया है। काशिफ इकबाल खान ठीक वैसा ही ब्रेसलेट पहने नजर आए, जैसा सलमान पहनते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर लोग अपनी-अपनी राय दे रहे हैं।

निर्देशक एस. शंकर के बेटे अर्जित शंकर की फिल्म 'लवर बॉय' की शूटिंग शुरू

फिल्म निर्देशक एस शंकर के बेटे अर्जित शंकर की फिल्म 'लवर बॉय' की शूटिंग शुरू हो गई है। भगवान की पूजा करने के बाद फिल्म की शूटिंग शुरू हुई। इस फिल्म के डायरेक्टर अशोक हैं।

बता दें कि चेन्नई में पूजा करने के बाद 'लवर बॉय' फिल्म को लॉन्च किया गया। इस दौरान फिल्म इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें फिल्ममेकर शंकर, एआर मुरुगाडोस, एच विनोथ और 'विद लव' फेम मधन शामिल थे।

इवेंट में प्रोड्यूसर और डिस्ट्रीब्यूटर ललित कुमार, 5 स्टार सेंथिल, डिस्ट्रीब्यूटर अजगर और सीनू, थिंक म्यूजिक के संतोष और हॉटस्टार के प्रसन्ना के साथ-साथ एक्टर अभिशान जीवंथ, भरत, बिग बॉस फेम राजू जयमोहन, देव, अजय कार्थी और एक्ट्रेस अदिति शंकर भी मौजूद थे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के बेटे जेसन संजय ने टीम को शुभकामनाएं दीं। इस फिल्म को सुधन सुंदरम के पैशन स्टूडियोज की ओर से वेंकट के नारायण के केवीएन प्रोडक्शंस के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया जा रहा है।

लवर बॉय' से मशहूर फिल्ममेकर शंकर के बेटे अर्जित शंकर लीड रोल में अपना ऑन-स्क्रीन डेब्यू कर रहे हैं। साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में से एक कृति शेट्टी इसमें फीमेल लीड रोल निभाएंगी। इस फिल्म से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू करने वाले अशोक फिल्ममेकर एटली के पुराने सहयोगी रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सुधन सुंदरम ने कहा, 'पैशन स्टूडियोज में हम हमेशा ऐसी कहानियों को सपोर्ट करने में विश्वास रखते हैं जो नई, मनोरंजक और इमोशनली जोड़ने वाली हों, साथ ही उभरते हुए टैलेंट को बढ़ावा देती हों। उन्होंने कहा कि 'लवर बॉय' के पहले नरेशन से ही हमें अशोक के विजन और उनके बनाए गए संसार पर पूरा भरोसा था। उनकी ईमानदारी, लगन और स्पष्टता ने इस प्रोजेक्ट में हमारे विश्वास को और मजबूत किया; हमें यकीन है कि यह दर्शकों को कुछ नया और ताजगी भरा अनुभव देगा। सुधन सुंदरम ने कहा, 'अर्जित सिर्फ बहुत लगन वाले एक उभरते हुए एक्टर ही नहीं हैं बल्कि उन्हें सिनेमा की भी बहुत अ'छी जानकारी है। कृति शेट्टी पहले ही एक बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर अपनी काबिलियत साबित कर चुकी हैं। हमें 'लवर बॉय' में युवा टैलेंट के साथ काम करके खुशी हो रही है।

राख में बिना डायलॉग वाले किरदार से छाई सोनाली बेंद्रे, बोलीं- खामोश रहकर भाव दिखाना सबसे बड़ी चुनौती

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों एक नई वेब सीरीज 'राख' को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सीरीज में कहानी, माहौल और अभिनय तीनों की काफी चर्चा हो रही है। खासकर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे का किरदार लोगों का ध्यान खींच रहा है।

लंबे समय बाद स्क्रीन पर वापसी करने वाली सोनाली ने इस बार एक ऐसे किरदार को निभाया है जिसमें डायलॉग्स बेहद कम हैं और पूरा अभिनय भावनाओं और खामोशी के जरिए दिखाया गया है। उन्होंने आईएएनएस को बताया कि यह किरदार उनके लिए कितना अलग और चुनौतीपूर्ण रहा।

सोनाली बेंद्रे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''मेरे पास काम करने के लिए बहुत अच्छा कंटेंट था। सच कहूं तो मेरा 50 प्रतिशत से ज्यादा काम पहले हो गया था। कहानी ने मुझे इतना मजबूत आधार दिया कि मुझे अपने किरदार को गढ़ने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी।''

सोनाली ने कहा, ''मेरे किरदार में डायलॉग्स न होना एक अलग अनुभव था। अब मेरी पहले जैसी याददाश्त नहीं रही, इसलिए लंबे डायलॉग याद करना मुश्किल हो जाता है, लेकिन इस किरदार में इसकी जरूरत ही नहीं थी। मेरे लिए यह बात एक तरह से आसान भी साबित हुई, क्योंकि पूरा फोकस सिर्फ भावनाओं पर था, लेकिन बिना डायलॉग के अभिनय करना उतना आसान नहीं होता जितना दिखता है। इस तरह के किरदार में हर भावना को अंदर से महसूस करना पड़ता है और उसे चेहरे, आंखों और छोटे-छोटे इशारों से जाहिर करना होता है। यह एक अलग तरह की मेहनत है, जहां कलाकार को शब्दों का सहारा नहीं मिलता।''

सोनाली बेंद्रे ने आगे कहा, ''मेरे किरदार में एक संघर्ष था, जब आप ऐसे किसी किरदार को बहुत गहराई से जीते हैं, तो उसे छोड़ना आसान नहीं होता। कई बार शूटिंग खत्म होने के बाद भी मैं उस किरदार की भावनाओं से बाहर नहीं निकल पाती थी। कभी-कभी मेरा किरदार मेरे साथ घर तक चला आता था, जो थोड़ा डरावना और थकाने वाला अनुभव था।'' सीरीज 'राख' एक क्राइम थ्रिलर है, जिसकी कहानी 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस सीरीज को दर्शक ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

दुनिया हमारे अतीत से सीखती है, फिर भी शर्मिंदा करती है; भारतीयों को लेकर बनी धारणाओं पर अनुपम खेर ने कसा तंज

अभिनेता अनुपम खेर ने एक वीडियो साझा कर भारत और भारतीयों को लेकर देश-विदेश में प्रचलित रूढ़ियों (स्टीरियोटाइप) और गलत धारणाओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत, उपलब्धियों और वैश्विक योगदान को रेखांकित करते हुए कई आम धारणाओं का जवाब दिया।

अभिनेता कहते हैं, 'मैं एक भारतीय हूं और हर कोई कहता है कि मुझमें सिविक सेंस की कमी है। वे लोग चैंपियनशिप जीतने के बाद कारें पलट सकते हैं, सड़कों पर आग लगा सकते हैं और पूरे शहर में तोड़फोड़ कर सकते हैं, लेकिन जब मैं अपनी पहली विदेश यात्रा की खुशी में एयरपोर्ट पर नाचता हूं, तो अचानक खराब सिविक सेंस का चेहरा मैं बन जाता हूं।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक भारतीय हूं और हर कोई कहता है कि मैं नौकरियां छीनता हूं। वे अपनी फैक्ट्रियां दूसरे देशों में ले जाते हैं, टैक्स बचाने के लिए मुनाफा इधर-उधर करते हैं और रातोंरात पूरी इंडस्ट्री को ऑटोमेट कर देते हैं। मैं पढ़ाई करता हूं, प्रतियोगिता में सफल होता हूं, वीजा हासिल करता हूं, 18 घंटे काम करता हूं, कई बार एक साथ कई नौकरियां करता हूं और फिर भी कहा जाता है कि मैं नौकरियां चुरा रहा हूं और व्यवस्था के साथ धोखा कर रहा हूं।

अनुपम खेर ने कहा, 'मैं एक भारतीय हूं और लोग कहते हैं कि मैं हर जगह हूं। मैं आपका सॉफ्टवेयर बनाता हूं, आपकी बीमारी का इलाज करता हूं, आपके बच्चों को पढ़ाता हूं, आपकी टैक्सी चलाता हूं और आपकी दुकानें खोलता हूं। फिर भी मेरी मौजूदगी लोगों को समस्या लगती है। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि मैं बहुत शोर करता हूं। शाम की खबरें गुस्से से भरी होती हैं, राजनीतिक रैलियां पूरे शहर को हिला देती हैं और इंटरनेट दिन-रात नाराजगी से गूंजता रहता है। लेकिन जब मैं किसी शादी, त्योहार या जीत का जश्न मनाता हूं, तो कहा जाता है कि मेरी खुशी बहुत शोर मचाती है।

फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्मेंस के बाद नोरा फतेही ने कहा, मैं खुशकिस्मत रही कि मुझे करियर में यादगार पल मिले

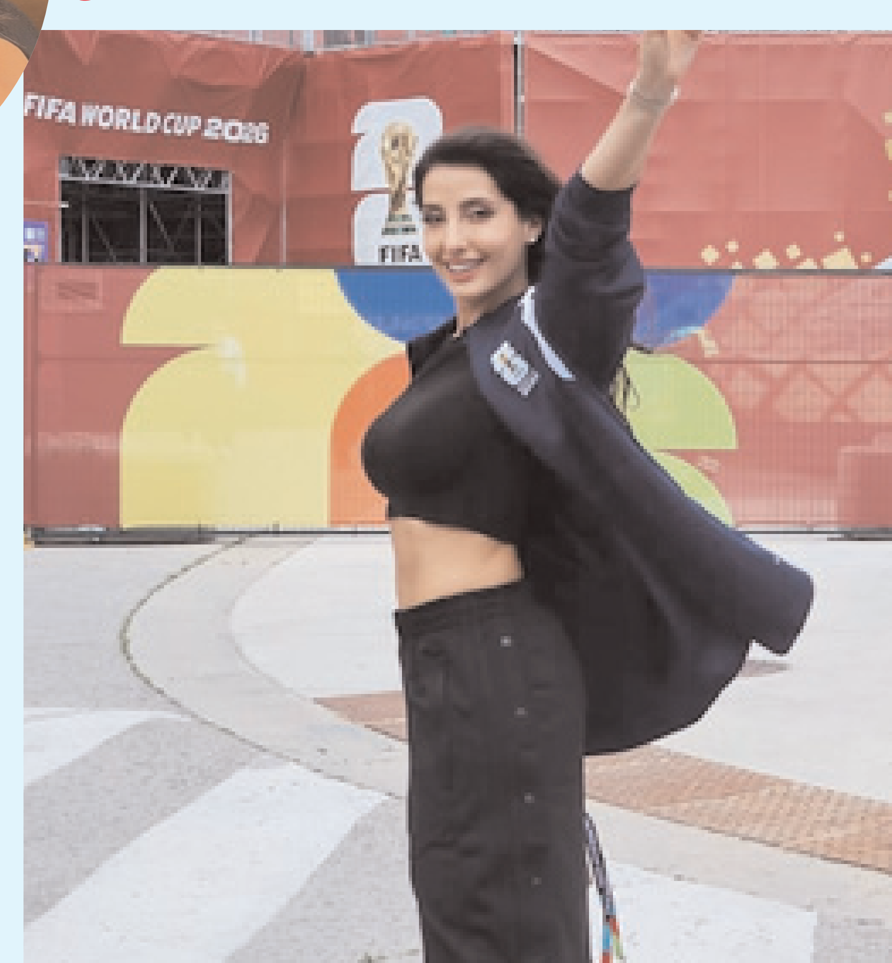

बॉलीवुड की डांसिंग दिवा नोरा फतेही ने कहा है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें अपने करियर में कई यादगार पल देखने को मिले। फिर भी, फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्म करने जैसी बड़ी कामयाबी का जश्न अपने करीबी लोगों के साथ मनाने के इमोशनल अनुभव से किसी चीज की तुलना नहीं की जा सकती।

नोरा ने टोरंटो में दूसरे फीफा वर्ल्ड कप ओपनिंग सेरेमनी की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनकी बहन, मां, भाई, हाई-स्कूल टीचर और दोस्त शामिल थे। मोरक्कन मूल की इस एक्ट्रेस ने वहां परफॉर्म किया था।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मैं आप लोगों के साथ यह शेयर करना चाहती थी। मैं एक दशक से ज़्यादा समय से परफ़ॉर्म कर रही हूं, मैं खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे अपने करियर में कई बड़े पल मिले और मैंने उन्हें अपने कुछ पसंदीदा लोगों के साथ शेयर किया है!

34 साल की डांसिंग दिवा ने कहा कि एक दशक से अधिक समय तक परफॉर्म करने के बाद, यह पहली बार था जब उनकी मां, भाई-बहन, बचपन के दोस्त, करीबी दोस्त और यहां तक कि उनके हाई-स्कूल के टीचर भी उन्हें लाइव परफॉर्म करते हुए देखने के लिए एक साथ आए थे।

नोरा फतेही ने कहा, 'मेरा पूरा परिवार और मेरे करीबी लोग कभी भी एक साथ नहीं थे। यह पहली बार था जब मैंने अपनी परफॉर्मेंस खत्म की और अपने सभी करीबी लोगों को मुझे गले लगाने के लिए एक साथ इंतजार करते हुए पाया! यह सच में मेरे लिए एक इमोशनल पल था। मैं हमेशा अकेले काम पर जाती हूं और परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद घर चली जाती हूं, लेकिन इस बार कुछ अलग था। मेरे करीबी लोग पहली बार मुझे लाइव देखने के लिए इकट्ठा हुए और पहली बार मेरे साथ जश्न मनाया।

नोरा ने कहा, 'मैंने इस पल के लिए अपनी पूरी जिंदगी मेहनत की है। इस एहसास को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मेरी बहन, मेरी मां और मेरा भाई पहली बार वहां मौजूद थे! मेरे हाई-स्कूल टीचर, जो मेरे बहुत करीबी हैं, भी वहां मौजूद थे! मेरे बचपन के दोस्त और आज के करीबी दोस्त भी वहां थे! कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके वहाँ होने की मुझे चाहत थी, लेकिन मैं बहुत खुश और शुक्रगुजार हूं।

एलएनजी टैंकर 'दिशा' पहुंचा गुजरात तीन माह बाद होर्मुज से निकला जहाज

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान में हुए समझौते के बाद होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोल दिया गया है और जहाजों की आवाजाही भी धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। इस बीच एलएनजी टैंकर 'दिशा' होर्मुज स्ट्रेट को पार करके गुजरात के दाहेज पोर्ट पर सफलतापूर्वक पहुंच गया है। तीन महीने से ज्यादा के इंतजार के बाद, इसने 62,370 मीट्रिक टन लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का कार्गो पहुंचाया है।

जहाज के ट्रैकिंग डेटा से मिली जानकारी के मुताबिक यह जहाज बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच खाड़ी इलाके में खड़ा था। अमेरिका-ईरान समझौते के बाद यह शुक्रवार सुबह करीब 7:32 बजे दाहेज टर्मिनल पर पहुंचा।

एलएनजी कार्गो को कतर के रास लफ्फान एलएनजी टर्मिनल पर लोड किया गया। टैंकर 62,370 मीट्रिक टन एलएनजी ले जा रहा है, जो वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक संवेदनशील समय के दौरान भारत की ऊर्जा सप्लाई चेन के लिए एक बड़ी डिलीवरी है। जहाज दिशा को शिपिंग ऑफ इंडिया (एससीआई) के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम के तहत चलाया जा रहा है और इसे पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के लिए किराए पर लिया गया है। जहाज का होर्मुज स्ट्रेट से सफल ट्रांजिट ऐसे समय में हुआ है जब इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे दुनिया भर के मुख्य शिपिंग लेन की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

सूत्रों ने बताया कि टैंकर अपनी यात्रा पूरी करने से पहले तीन महीने से ज्यादा समय तक खाड़ी क्षेत्र में रहा था। तेल और गैस शिपमेंट के लिए दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज स्ट्रेट से इसका सुरक्षित गुजरना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी माना गया है। भरूच में दाहेज एलएनजी टर्मिनल भारत का सबसे बड़ा लिक्विफाइड नेचुरल गैस इंपोर्ट हब है और देश के नेचुरल गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क में अहम भूमिका निभाता है। दिशा के आने से एलएनजी की उपलब्धता बढ़ने और इंडस्ट्रियल और घरेलू खपत के लिए स्थिर ऊर्जा सप्लाई को समर्थन मिलने की उम्मीद है। पश्चिम एशिया में हाल के भू-राजनीतिक तनाव के बीच एलएनजी कैरियर के सुरक्षित आने से भारत के ऊर्जा क्षेत्र के स्टेकहोल्डर्स को राहत मिली है।

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर पाकिस्तान ओआईसी की टिप्पणियों को किया खारिज

विश्व केसरी

जिनेवा। भारत ने पाकिस्तान के बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया। इसके साथ ही, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की तरफ से भारत के केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को लेकर किए गए जिक्र को भी खारिज कर दिया। भारत ने दोहराया कि यह इलाका देश का 'एक अभिन्न और अविभाज्य' हिस्सा है।

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद के 62वें सत्र में भारत के स्थानीय मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कहा, 'भारत को लेकर पाकिस्तान और ओआईसी द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में भारत अपना उत्तर देने के लिए बाध्य है। हम पाकिस्तान के लगाए बेबुनियाद और गलत इरादे वाले आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम ओआईसी की तरफ से जम्मू और कश्मीर को लेकर की गई टिप्पणी को भी पूरी तरह से खारिज करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान का यह प्रचार उसके घरेलू मोर्चे पर विफलताओं और आतंकवाद को दिए जा रहे समर्थन को छिपाने की कोशिश है। ओआईसी सदस्यों की भूमिका का उसका दुरुपयोग केवल इस भ्रामक अभियान को और उजागर करता है। ऐसे प्रचार को महत्व देने की हमारी कोई इच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा, 'लेकिन, हम कुछ बातें कहना चाहेंगे। रिकॉर्ड के लिए, जम्मू और कश्मीर भारत का एक जरूरी और अटूट हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। एकमात्र अनसुलझा मुद्दा भारतीय इलाकों पर पाकिस्तान का गैरकानूनी कब्जा और उसे वापस करना है। पाकिस्तान का प्रोपेगैंडा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में दमन की सच्चाई को छिपा नहीं सकता।' अनुपमा सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में फैली अशांति दशकों के दबाव, सैन्य नियंत्रण और बुनियादी अधिकारों से वंचित करने का नतीजा है। गैरकानूनी और गलत तरीके से किया गया नियंत्रण सिर्फ ताकत के दम पर ही कायम रह सकता है। उन्होंने कहा, 'रावलकोट में चल रही दुखद घटना, सैकड़ों आम लोगों की हत्या और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में बेरहमी से कार्रवाई, जबरदस्ती कब्जे और दबाव के जरिए बनाए गए सिस्टम का नतीजा है। दशकों से पाकिस्तानी सेना जमीन पर कब्जा, जनसंख्या संरचना में सुनियोजित बदलाव और बुनियादी आजादी से वंचित करने से हालात ऐसे हो गए हैं कि रोटी, बिजली, अधिकार और सम्मान की मांग कर रहे लोगों को भी गोलियों और क्रूरता का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबर

जी-7 में पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में स्थिरता और समुद्री सुरक्षा को लेकर की मजबूत पैरवी : विदेश सचिव

विश्व केसरी

पेरिस। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के बाद भारत ने उम्मीद जताई है कि क्षेत्र में जल्द ही शांति और स्थिरता वापस आएगी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दो दिनों में फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान अपने समकक्ष नेताओं के साथ हुई बैठकों और अपने संबोधनों में समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा खास तौर पर उठाया। मिस्री ने पेरिस में पत्रकारों से कहा कि भारत हमेशा से इस बात पर जोर देता रहा है कि क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों में नौवहन की आजादी बनी रहे और व्यापार बिना किसी रुकावट के चलता रहे। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि लाखों भारतीय समुद्री कर्मचारी दुनियाभर के जहाजों और समुद्री सेवाओं में काम करके वैश्विक व्यापार को सुचारु रूप से चलाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा चिंता होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह बात जी-7 सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में भी कही और कई विश्व नेताओं के साथ हुई द्विपक्षीय बैठकों में भी उठाई। विदेश सचिव ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेताओं के साथ हुई चर्चाओं में एक बार फिर पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और सुरक्षा की भारत की इच्छा दोहराई।

शी चिनफिंग ने पूर्वी और पश्चिमी इलाकों के समन्वय कार्य पर अहम निर्देश दिया

विश्व केसरी

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हाल ही में सामान्य रूप से पूर्वी और पश्चिमी इलाकों के समन्वय कार्य को बखूबी अंजाम देने पर महत्वपूर्ण निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वी इलाके और पश्चिमी इलाके के समन्वय कार्य ने पिछले 30 साल में गरीबी उन्मूलन, क्षेत्रीय समन्वित विकास आदि पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे सीपीसी का राजनीतिक लाभ और समाजवादी व्यवस्था की श्रेष्ठता दर्शाई। शी ने बल दिया कि वर्तमान वर्ष 15वीं पंचवर्षीय योजना का शुरुआती साल है और नियमित मदद नीति के क्रियान्वयन का पहला साल है। हमें समन्वय तंत्र और मजबूत बनाकर ताल-मेल के तरीके का समायोजन करना, समन्वय के क्षेत्रों का विस्तार करना, पूर्वी इलाकों और पश्चिमी इलाकों के बीच पारस्परिक अनुपूर्ति, आदान-प्रदान और तकनीकों तथा कार्यशैली पर पारस्परिक सीख बढ़ानी चाहिए ताकि पारस्परिक लाभ और समान विकास पूरा किया जाए। विभिन्न स्तरों की सीपीसी समितियों और सरकारों को नियमित मदद की जिम्मेदारी उठाकर बड़े पैमाने वाली गरीबी के फिर पैदा न होने की निचली रेखा की दृढ़ता से सुरक्षा करनी चाहिए, चौतरफा तौर पर ग्रामीण पुनरुत्थान बढ़ाना, निरंतर क्षेत्रीय विकास का समन्वय मजबूत करना और समग्र जनता की समान समृद्धि में ठोस कदम उठाना चाहिए।

ईरान का बड़ा फैसला, 60 दिनों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से नहीं लिया जाएगा शुल्क

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान की शीर्ष सुरक्षा संस्था ने घोषणा की है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के आवागमन से जुड़े अनुरोधों के त्वरित निपटारे का आदेश जारी किया है। यह कदम तेहरान और वॉशिंगटन के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के उद्देश्यों के अनुरूप लिया गया है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) ने ईरानी मीडिया में प्रकाशित एक बयान में घोषणा की है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जहाजों के आवागमन को लेकर कई बदलाव किए जा रहे हैं। यह बयान उस समय जारी किया गया, जब ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक एमओयू पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्ताक्षर किए।

एसएनएससी के अनुसार समझौते के तहत जहाजों के होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर 60 दिनों तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। ईरान सरकार सभी खर्चों का वहन करेगी। जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को अपने अनुरोध पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) को भेजने होंगे। एसएनएससी ने कहा कि सुरक्षित समुद्री यातायात और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए जहाजों को निर्धारित मार्ग से ही गुजरना होगा। उन्हें तय समय का पालन करना होगा।

बयान में कहा गया कि मार्ग में कुछ सुरक्षा जोखिम मौजूद हैं। सुरक्षित यातायात सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसलिए नियंत्रित तरीके से आवाजाही की जाएगी।

ईरान ने आश्वासन दिया है कि जलडमरूमध्य में यातायात धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। तकनीकी और कार्यान्वयन संबंधी विवरण पीजीएसए द्वारा जारी किए जाएंगे।

समझौते के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गुरुवार को कहा कि अगले 60 दिन बेहद महत्वपूर्ण होंगे। ईरान को मिलने वाले आर्थिक लाभ सत्यापित कदमों पर निर्भर होंगे, न कि केवल वादों पर। यही अवधि समझौते के भविष्य का निर्धारण करेगी।

तुलसी गबार्ड ने बायोलैब्स के प्रतिबंधित दस्तावेज किए जारी

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने हाल ही में अमेरिकी-वित्त पोषित जैविक प्रयोगशालाओं (बायोलैब्स) से संबंधित पहले से प्रतिबंधित (वर्गीकृत) दस्तावेजों को सार्वजनिक किया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि अमेरिका के राष्ट्रीय एलर्जी एवं संक्रामक रोग संस्थान (एनआईएआईडी) के पूर्व निदेशक एंथनी फौसी ने कोरोना महामारी की शुरुआत पर खुफिया आकलन को प्रभावित किया और बाद में कांग्रेस के सामने कसम खाकर ऐसे कनेक्शन को खारिज किया था।

राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के दफ्तर (ओडीएनआई) ने इस दस्तावेज को जारी किया। गबार्ड का यह कदम ट्रंप प्रशासन के उस प्रयास में एक बड़ा कदम है, जिसमें महामारी की उत्पत्ति की फिर से समीक्षा करने और वैश्विक स्वास्थ्य संकट के दौरान अमेरिकी सरकारी एजेंसियों, वैज्ञानिकों और खुफिया अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की बात कही गई है। गबार्ड के अनुसार, नए जारी किए गए बातचीत और दस्तावेजों से पता चलता है कि जब वायरस नैचुरली निकला या चीन के वुहान की लैब से, इसपर बहस तेज हुई तो कैसे फौसी ने राष्ट्रीय एलर्जी और संक्रामक रोग संस्थान (एनआईएआईडी) के निदेशक के तौर पर काम करते हुए खुफिया अधिकारियों के साथ बातचीत की।

कांगो में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा इबोला के मामले बढ़कर 896 हुए

विश्व केसरी

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 896 हो गई है, जिनमें 232 लोगों की मौत हो चुकी है। डीआरसी के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बुधवार को पूर्वी प्रांतों इटुरी और नार्थ किवु में इबोला के 21 नए पुष्ट मामले सामने आए, जिनमें छह मौतें शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। मंत्रालय के अनुसार, बंडिबुग्यो इबोला वायरस से फैले इस प्रकोप ने पूर्वी डीआरसी के तीन प्रांतों इटुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु के 33 स्वास्थ्य क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 383 मरीज या तो आइसोलेशन में हैं या अस्पतालों में भर्ती हैं जबकि 78 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। इनमें 11 ऐसे मरीज भी शामिल हैं जिन्हें नियंत्रण जांच (कंट्रोल टेस्ट) में नकारात्मक परिणाम आने के बाद स्वस्थ घोषित किया गया।

बुधवार को 151 संदिग्ध मामले भी दर्ज किए गए, जिनमें 35 मौतें शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, तीनों प्रांतों में कुल 6,367 संपर्कों (कॉन्टैक्ट्स) की निगरानी की जा रही है। इनमें से 4,525 लोगों तक रिपोर्टिंग अवधि के दौरान पहुंच बनाई गई, जो 71.1 प्रतिशत की फॉलो-अप दर को दर्शाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पुष्ट मामलों की संख्या सप्ताह-दर-सप्ताह लगातार बढ़ रही है, जो समुदाय स्तर पर संक्रमण के जारी रहने का संकेत देती है। रिपोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि यदि सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को शीघ्रता से लागू नहीं किया गया, तो संक्रमण का भौगोलिक विस्तार तेजी से हो सकता है।

बराक ओबामा ने प्रेसिडेंशियल सेंटर का किया उद्घाटन, अमेरिकी लोकतांत्रिक आदर्शों पर दिया जोर

विश्व केसरी

शिकागो। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने शिकागो में ओबामा प्रेसिडेंशियल सेंटर के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बिना उनकी कड़ी आलोचना की।

यूएस प्रेसिडेंशियल सेंटर एक ऐसा कॉम्प्लेक्स होता है जो किसी पूर्व प्रेसिडेंट की विरासत को समर्पित होता है। इसमें आम तौर पर एक संग्रहालय, पढ़ाई की जगह, सार्वजनिक कार्यक्रम और प्रेसिडेंशियल रिकॉर्ड का एक अभिलेखागार होता है। ज्यादातर अमेरिकी राष्ट्रपति के पास एक प्रेसिडेंशियल सेंटर होता है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इतिहास का जिक्र करते हुए ओबामा ने अमेरिका के उस आदर्श को रेखांकित किया, जिसमें 'न कोई राजा होगा, न कोई सामंत, न कोई बंधुआ प्रजा और न ही कोई अधीन नागरिक।' यह टिप्पणी हाल के महीनों में देशभर में आयोजित 'नो किंग' प्रदर्शनों और मार्चों की प्रतिध्वनि मानी जा रही है।

उन्होंने मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस में रहने वाले निवासियों की सराहना करते हुए अप्रत्यक्ष रूप से ट्रंप की आव्रजन नीति की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि लोगों ने बेहद ठंडे मौसम में भी अपने पड़ोसियों की मदद करने के लिए अपने जोखिम पर खड़े होकर एकजुटता दिखाई और कभी-कभी अजनबियों को भी सहायता की, क्योंकि वे जानते थे कि यही सही काम है।

ओबामा ने उम्मीद जताई कि नया सेंटर इस बात को साबित करेगा कि हमारी लोकतांत्रिक हकीकत कितनी कीमती है। ओबामा पहली बार 1985 में 23 साल की उम्र में एक कम्युनिटी ऑर्गेनाइजर के तौर पर शिकागो आए थे। अपने भाषण में, उन्होंने बताया कि कैसे वह अपनी पत्नी मिशेल ओबामा से मिले, अपना परिवार शुरू किया और प्रेसिडेंशियल सेंटर से कम दूरी पर ही अपनी राजनीतिक करियर की शुरुआत की। मिशेल ओबामा शिकागो के दक्षिणी क्षेत्र में पली-बढ़ीं और वहीं अपने करियर की शुरुआत की। उद्घाटन समारोह के दौरान उन्होंने भी पति की सकारात्मक सोच, काबिलियत, काम करने के तरीके, हिम्मत और कामयाबियों की सराहना की। मिशेल ओबामा ने कहा कि किसी को भी यह तय करना का हक नहीं है कि कौन अधिक अमेरिकी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने तीन अमेरिकी सैनिकों को उनकी वीरता और जज्बे के लिए मेडल ऑफ ऑनर से किया सम्मानित

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वियतनाम युद्ध और अफगानिस्तान युद्ध में असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए रिटायर्ड मरीन मेजर जेम्स कैपर्स जूनियर, रिटायर्ड आर्मी मेजर निकोलस डॉकरी और मरणोपरांत मरीन कर्नल जॉन डब्ल्यू. रिप्ले को अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान 'मेडल ऑफ ऑनर' दिया।

व्हाइट हाउस में समारोह के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने तीनों सैनिकों को हिम्मत और कुर्बानी की मिसाल बताया, जो अमेरिकी सुरक्षा बलों की पहचान है। ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी सुरक्षा बलों के कमांडर इन चीफ के तौर पर सेवा करने से बड़ा कोई खास मौका मेरे लिए नहीं है। धरती पर अब तक के सबसे बहादुर और महान हीरो की 250 साल की परंपरा। लेकिन कुछ ही लोगों को हमारा सबसे बड़ा सैन्य सम्मान, कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर मिला है।' कैपर्स को 1967 में वियतनाम में चार दिन के टोही मिशन के दौरान उनके कामों के लिए पहचान मिली थी। व्हाइट हाउस के मुताबिक, उस समय के सेकंड लेफ्टिनेंट कैपर्स और उनकी टीम ने उत्तरी वियतनामी रेजिमेंटल बेस कैंप का पता लगाने की कोशिश में दुश्मन की बड़ी सेना से बार-बार भिड़ंत की।

खैबर पख्तूनख्वा में बारिश और आंधी-तूफान ने मचाई तबाही, सात की मौत

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कई हिस्सों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का कहर देखने को मिला। खैबर पख्तूनख्वा के कुछ हिस्सों में प्रकृति के इस प्रकोप की वजह से सात लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए।

खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान के पहाड़पुर शहर और आस-पास के गांवों में गुरुवार को तूफान और तेज बारिश के बाद कई घरों और दुकानों की छतें और दीवारें गिर गईं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, बचाव दल और स्थानीय लोगों ने मलबे से पीड़ितों को ढूंढने के लिए राहत अभियान चलाया और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया।

मरने वालों में पहाड़पुर के दो युवक और जंदर गांव की दो महिलाएं शामिल हैं। एक घायल की पहचान अहमद अली के तौर पर हुई है जबकि अन्य लोगों के बारे में अधिक जानकारी नहीं है। तेज हवाओं की वजह से इलाके में कई पेड़ उखड़ गए, जबकि घरों और कार्यालयों पर लगे सोलर पैनल उखड़ गए। एक सबअर्बन इलाके में एक बाउंड्री वॉल और बाड़े में बंधे कई जानवरों की मौत हो गई। आंधी-तूफान की वजह से बिजली आपूर्ति को भी नुकसान हुआ, जिससे पहाड़पुर और उसके आसपास के कई इलाकों में बिजली की सप्लाई रुक गई। खतरनाक हालात और इंफ्रास्ट्रक्चर को हुए नुकसान की वजह से ठीक करने का काम तुरंत शुरू नहीं हो सका। ओरकजई ट्राइबल जिले में गुरुवार को बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी ने बताया कि निचले ओरकजई के सैम फिरोजखेल इलाके में हुई इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। तूफान के कारण बाजौर ट्राइबल जिले की वार मामुंद तहसील में एक सरकारी स्कूल की दीवार गिर गई और बिजली सप्लाई बाधित हो गई। इस महीने की शुरुआत में आए एक रिपोर्ट के अनुसार, भले ही पाकिस्तान में आंधी-तूफान को लेकर पहले ही आकलन लगाकर तैयारी पूरी कर ली गई थी, लेकिन फिर भी वर्तमान हालात से निपटने के लिए जो भी कदम उठाए गए, वो तैयारी और जवाब के बीच के अंतर को सामने ला दिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बारिश और आंधी-तूफान के नए दौर का पहले ही अंदाजा लगा दिया था और कई इलाकों को अलर्ट पर रखा था।

पायलटों के संगठन का दावा: अहमदाबाद में एयर इंडिया बोइंग क्रैश की वजह बिजली की खराबी थी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने 12 जून, 2025 को अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद एयर इंडिया बोइंग फ्लाइट एआई-171 के दुखद क्रैश से जुड़ी आधिकारिक बात को चुनौती दी है।

उनका दावा है कि नए सिम्युलेटर डेटा से पता चलता है कि क्रैश की वजह पायलट की अनदेखी नहीं बल्कि सिस्टम में बिजली की बड़ी खराबी थी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एफआईपी के प्रेसिडेंट कैप्टन सीएस रंधावा ने दावा किया कि जांचकर्ताओं ने जरूरी तकनीकी सबूतों को नजरअंदाज किया और पहले से तय नतीजे को सही साबित करने के लिए भारत के प्रमुख एविएशन एक्सपर्ट्स को जानबूझकर अलग रखा।

इस हादसे की आधिकारिक अंतरिम रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फ्लाइट-क्रू ने एक सोची-समझी आत्महत्या की योजना के तहत जानबूझकर इंजन को फ्यूल सप्लाई बंद कर दी थी। सरकारी जांचकर्ताओं के मुताबिक, मैन्युअल रूप से बंद करने की वजह से विमान का 'रैम एयर टर्बाइन' ठीक चार सेकेंड बाद नीचे गिर गया। 'रैम एयर टर्बाइन' एक बैकअप पावर सिस्टम है, जो पूरी तरह से बिजली जाने पर अपने आप चालू हो जाता है। हालांकि, रंधावा ने कहा कि एफआईपी ने हाल ही में उस फ्लाइट के वजन, बैलेंस और मौसम की स्थितियों को हूबहू दोहराते हुए विस्तृत सिम्युलेटर टेस्ट किए। उन्होंने कहा कि नतीजों ने आधिकारिक टाइमलाइन को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया है।

उन्होंने कहा, 'हमारे सिम्युलेटर टेस्ट साबित करते हैं कि मैन्युअल रूप से फ्यूल बंद करने पर बैकअप टर्बाइन को नीचे गिरने में पूरे 18 सेकेंड लगते हैं। मैन्युअल शटडाउन की स्थिति में चार सेकेंड की आधिकारिक टाइमलाइन भौतिक और तकनीकी रूप से असंभव है।'

एफआईपी का तर्क है कि बैकअप टर्बाइन इतनी तेजी से इसलिए चालू हुआ क्योंकि इंजन बंद होने से पहले ही बिजली की एक बड़ी खराबी ने विमान को बेकार कर दिया था। फेडरेशन का दावा है कि इसी सिस्टम की खराबी ने इंजन स्विच को ट्रिप किया और आखिरकार विमान क्रैश हो गया।

एफआईपी ने यह भी कहा कि फ्लाइट 171 में बचे एकमात्र व्यक्ति ने बताया था कि विमान के नीचे गिरने (टर्मिनल डिसेंट) से ठीक पहले केबिन की लाइटें टिमटिमा रही थीं और धीमी हो रही थीं, यह जानकारी अचानक और बड़े पैमाने पर बिजली जाने की एफआईपी की थ्योरी से पूरी तरह मेल खाती है। पायलटों के फेडरेशन ने कहा कि क्रैश हुए विमान का, उस घातक उड़ान से पहले बिजली की अनसुलझी समस्याओं का रिकॉर्ड रहा था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को कोर्ट की अवमानना का नोटिस भेजा

विश्व केसरी

कलकत्ता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को अदालत की अवमानना करने के मामले में नोटिस भेजा है।

यह नोटिस तृणमूल कांग्रेस की सालाना शहीद दिवस रैली के संबंध में है, जो 21 जुलाई 2025 को बुलाई गई थी। इस रैली ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 2018 के फैसले का उल्लंघन किया था, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को साफ निर्देश था कि वो शहर के किसी भी मार्ग को अवरुद्ध नहीं करें।

हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट में सालाना शहीद दिवस के संबंध में अवमानना याचिका दाखिल की गई थी। यह याचिका जस्टिस अरिजित बनर्जी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष दाखिल की गई है।

इस संबंध में शुक्रवार को प्रारंभिक सुनवाई हुई। इसके बाद खंडपीठ ने आदेश दिया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी को अवमानना का नोटिस जारी किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई तीन जुलाई को होगी। बता दें कि 2018 में कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने फैसला सुनाया था कि कोई भी राजनीतिक दल शहर के मुख्य हिस्सों को ब्लॉक नहीं करेगा। यह फैसला न्यायमूर्ति ज्योतिर्मय भट्टाचार्य और न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी ने सुनाया था। तत्कालीन खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा था कि सड़क का एक हिस्सा हमेशा पैदल चलने वाले और वाहन चालकों के लिए खुला रहना चाहिए। एंबुलेंस सहित अन्य आपातकालीन स्थितियों में सड़क का एक हिस्सा हमेशा खुला रहे। इसके अलावा अगर जरूरत पड़े तो वाहनों के सुगम आवागमन के लिए दूसरे रोड की व्यवस्था की जाए। हाईकोर्ट ने 2018 में पुलिस को आदेश दिया था कि वो मीडिया के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक डायवर्जन के बारे में जानकारी दें।

इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर राजनीतिक बैठक या रैली के दौरान किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ या हिंसा की स्थिति पैदा होती है, तो आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबर

आंध्र प्रदेश में दो अलग-अलग घटनाओं में सात लोगों की हुई मौत

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश में दो अलग-अलग घटनाओं में दो परिवारों के सात सदस्यों (जिनमें पांच नाबालिग भी शामिल हैं) की मौत हो गई। इन घटनाओं की वजह घरेलू परेशानियां बताई जा रही हैं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी साझा की। एक आदमी ने फांसी लगाने से पहले अपने तीन बच्चों की जान ले ली, जबकि एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। ये घटनाएं प्रकाशम और श्रीकाकुलम जिलों में हुईं। प्रकाशम जिले के चिमाकुर्थी मंडल के अग्रहाराम गांव में एक आदमी ने अपनी तीन नाबालिग बेटियों की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। 35 साल के एकुला सुधाकर ने फांसी लगाने से पहले अपने बच्चों को जहर देकर मार डाला। पत्नी के मायके से वापस न आने से परेशान सुधाकर ने अपनी बेटियों गोचिता (13), पूजिता (11) और लोकिता (8) - को खाने में जहर देकर मार डाला। तीनों लड़कियों की मौत के बाद, वह गांव के बाहरी इलाके में एक खेत में गया और फांसी लगा ली। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। श्रीकाकुलम जिले की दूसरी घटना में, एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ चलती ट्रेन के सामने आकर आत्महत्या कर ली। पूजा (28), उसके बेटे कुशांत (5) और बेटी दीक्षिता (3) के शव पलासा और तालाबद्धा के बीच रेलवे ट्रैक पर मिले। स्थानीय लोगों ने रेलवे पुलिस को सूचना दी।

दिल्ली पुलिस ने रेप सहित कई मामलों में फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम पुलिस स्टेशन की टीम ने रेप, धमकी, पीछा करने और पोक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने केस दर्ज करने के दो महीने बाद आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 4 अप्रैल 2026 को वेलकम पुलिस स्टेशन में 21 साल की एक युवती ने शिकायत दी थी। युवती ने आरोप लगाया कि 2023 में एक व्यक्ति ने पिस्तौल दिखाकर उसका यौन उत्पीड़न किया था। आरोपी ने कथित तौर पर पीड़िता का वीडियो रिकॉर्ड किया और बाद में उसे ब्लैकमेल किया, धमकाया और बार-बार उसका यौन शोषण किया। उसने ट्यूशन क्लास के दौरान पीड़िता का पीछा भी किया और उसे तथा उसके परिवार के सदस्यों को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर, वेलकम पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान और विस्तृत पड़ताल में पता चला कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी। इसलिए, मामले में पोक्सो एक्ट की धारा 6 भी जोड़ी गई। केस दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार था। उसके संभावित ठिकानों पर कई बार छापेमारी की गई और तकनीकी निगरानी, सीडीआर विश्लेषण, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग और स्थानीय खुफिया जानकारी के जरिए उसे खोजने की लगातार कोशिशें की गईं।

मिजोरम में 4.75 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त, तस्करी में तीन महिलाएं गिरफ्तार

विश्व केसरी

आइजोल। म्यांमार से ड्रग्स की तस्करी के काम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। सुरक्षा बलों ने मिजोरम में तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया और उनके पास से 4.75 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की।

रक्षा विभाग के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि उत्तरी मिजोरम के सैतुअल जिले के केइफांग इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी के बारे में पक्की खुफिया जानकारी मिलने पर असम राइफल्स के जवानों ने मिजोरम पुलिस के साथ मिलकर केइफांग में एक संयुक्त चेकपोस्ट बनाया। इस ऑपरेशन के दौरान, संयुक्त टीम ने तीन महिलाओं को पकड़ा और 634 ग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी कीमत अवैध बाजार में 4.755 करोड़ रुपए आंकी गई है। बरामद नशीले पदार्थों और गिरफ्तार की गई तीनों महिलाओं को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए सैतुअल जिले में मिजोरम पुलिस को सौंप दिया गया। सैतुअल जिले की सीमा मणिपुर के साथ अंतर-राज्यीय सीमा और म्यांमार के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगती है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह जब्ती ड्रग्स की तस्करी से निपटने और मिजोरम के लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए असम राइफल्स की मजबूत प्रतिबद्धता को फिर से साबित करती है। अधिकारियों ने कहा कि मिजोरम में महिलाएं धीरे-धीरे म्यांमार से नशीले पदार्थों की तस्करी और उन्हें देश के अन्य राज्यों में पहुंचाने के काम में शामिल हो रही हैं। इससे पहले इस महीने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ एक बड़े अभियान में मिजोरम पुलिस ने सीमावर्ती चम्फाई जिले में एक ही दिन में चलाए गए छह अलग-अलग ऑपरेशनों में आठ महिलाओं को गिरफ्तार किया और 70 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की हेरोइन जब्त की। ड्रग्स तस्करी में शामिल ये आठ महिलाएं 19 से 53 साल की थीं और मिजोरम के अलग-अलग जिलों की रहने वाली थीं। मिजोरम पुलिस ने कहा था कि ये सभी जब्तियां नियमित चेकिंग ऑपरेशन के दौरान की गईं, जो भारत-म्यांमार सीमा मार्ग पर ड्रग्स तस्करी को रोकने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा थे।

एससी और ओबीसी छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए अब नहीं देना होगा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को ज्यादा आसान बना दिया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए डोमिसाइल (निवास) प्रमाण पत्र जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

इस फैसले से छात्रों पर दस्तावेजों का बोझ कम होगा और छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करना पहले की तुलना में अधिक सरल हो जाएगा। खास तौर पर उन हजारों छात्रों को इसका लाभ मिलेगा जो अपने गृह राज्य के बाहर स्थित शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। सरकार के अनुसार, एससी और ओबीसी वर्ग के लिए संचालित प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत हर वर्ष लगभग 1.2 करोड़ छात्रों को लाभ मिलता है। डोमिसाइल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता हटने से आवेदन प्रक्रिया अधिक छात्र-अनुकूल बनेगी, दस्तावेजी औपचारिकताएं घटेंगी और छात्रों का समय और खर्च दोनों बचेंगे। डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के लिए विभाग ने उमंग प्लेटफॉर्म पर एसईटीयू (शैक्षिक बदलाव और उत्थान के लिए स्कॉलरशिप) भी शुरू किया है। यह छात्रवृत्ति से जुड़ी सभी सेवाओं के लिए एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस प्लेटफॉर्म के जरिए पात्र छात्र, संस्थागत नोडल अधिकारी, जिला नोडल अधिकारी और राज्य स्तरीय अधिकारी एक ही जगह पर आवेदन पंजीकरण, आवेदन की निगरानी, सत्यापन और अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। मंत्रालय ने कहा कि ये पहल सरकार के उस व्यापक लक्ष्य का हिस्सा हैं, जिसके तहत समावेशी विकास को बढ़ावा देना, अनावश्यक प्रक्रियागत बाधाओं को कम करना और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना शामिल है। विभाग ने यह भी दोहराया कि बेहतर तकनीकी आधारित सुधारों के माध्यम से अधिक से अधिक छात्रों तक पहुंच बनाने और उन्हें समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्त वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जाति वर्ग के 75 लाख से अधिक लाभार्थियों को 7,981.47 करोड़ रुपए की सहायता राशि वितरित की गई थी।

सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर ने दिया इस्तीफा एक और बोर्ड भंग होने के कगार पर

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेतृत्व वाले एक और नगर निगम बोर्ड के भंग होने की स्थिति बन गई है। दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी नगर निगम (एसएमसी) के मेयर गौतम देव ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

उन्होंने अपना इस्तीफा एसएमसी आयुक्त अश्विनी कुमार रॉय को भेज दिया है। गौतम देव के इस्तीफे के साथ ही सिलीगुड़ी नगर निगम राज्य का चौथा ऐसा नगर निगम बन गया है, जिसका बोर्ड भंग होने की कगार पर पहुंच गया है। इससे पहले कोलकाता नगर निगम (केएमसी), बिधाननगर नगर निगम (बीएमसी) और चंदननगर नगर निगम (सीएमसी) के मेयर भी अपने पदों से इस्तीफा दे चुके हैं। सबसे पहले बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने इस्तीफा दिया था। इसके बाद कोलकाता के मेयर और चार बार के टीएमसी विधायक फिरहाद हाकिम ने पद छोड़ा। उनके बाद चंदननगर के मेयर राम चक्रवर्ती ने भी इस्तीफा दे दिया।

जानकारी के अनुसार, गौतम देव ने गुरुवार को सिलीगुड़ी नगर निगम के मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने पद छोड़ने की इच्छा जताई। हालांकि परिषद के कुछ सदस्यों ने उन्हें समझाने और अगले एक वर्ष तक कार्यकाल पूरा करने का आग्रह किया, लेकिन गौतम देव अपने फैसले पर अडिग रहे। गौतम देव ने 2011 के विधानसभा चुनाव में डाबग्राम-फूलबाड़ी सीट से जीत दर्ज कर उत्तर बंगाल विकास विभाग के मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी। 2016 में दोबारा विधायक चुने जाने के बाद उन्हें राज्य का पर्यटन मंत्री बनाया गया।

हालांकि 2021 के विधानसभा चुनाव में वह भाजपा उम्मीदवार शिखा चटर्जी से हार गए थे। इसके बावजूद 2022 के सिलीगुड़ी नगर निगम चुनाव में उनके नेतृत्व में टीएमसी ने जीत हासिल की और वह मेयर बने। वहीं 2026 के विधानसभा चुनाव में सिलीगुड़ी सीट से चुनाव लड़ने पर उन्हें भाजपा उम्मीदवार और वर्तमान पश्चिम बंगाल के संसदीय कार्य मंत्री शंकर घोष के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

पंजाब पुलिस-बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया कनेक्शन वाले हथियार तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

अमृतसर। पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक संयुक्त अभियान चलाकर सीमा पार से होने वाली हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। इस कार्रवाई में सुरक्षा एजेंसियों ने एक एके-47 राइफल, 25 पिस्तौल और 368 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। साथ ही, इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया गया है।

पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस कार्रवाई की जानकारी दी। डीजीपी ने बताया कि यह कार्रवाई बीएसएफ पंजाब और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर की संयुक्त टीम द्वारा की गई। बरामद हथियारों की खेप को सीमा पार से तस्करी के जरिए भारत में पहुंचाने की साजिश रची गई थी। जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी एक ऑस्ट्रेलिया स्थित सहयोगी के निर्देशों पर काम कर रहा था। डीजीपी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'सीमा पार हथियारों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी में बीएसएफ पंजाब ने एसएसओसी अमृतसर के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशन में 1 एके-47 राइफल, 25 पिस्तौल और 368 जिंदा कारतूस बरामद किए और भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर के पास एक आरोपी को गिरफ्तार किया। शुरुआती जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले एक साथी के कहने पर काम कर रहा था, जिसने कथित तौर पर सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए हथियार गिराने की जगह की जानकारी दी थी।' पोस्ट में डीजीपी ने आगे लिखा, 'अमृतसर के एसएसओसी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की जांच जारी है ताकि आगे और पीछे के कनेक्शन का पता लगाया जा सके।

विपक्ष के नेताओं को सीबीआई, ईडी द्वारा डरा-धमकाकर पार्टियां तोड़ रही है भाजपा : टीकाराम जूली

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने शिवसेना (यूबीटी) में हुई टूट और देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि जब जनता किसी राजनीतिक दल को वोट देती है तो उस दल के जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य करें। लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्षी दलों के नेताओं को डराया, धमकाया और प्रलोभन देकर उनकी पार्टियां तुड़वाई जा रही हैं।

विवाद में पड़ोसी ने युवक की गोली मारकर हत्या की, जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र स्थित अच्छेजा गांव की रॉयल सिटी सोसाइटी में गुरुवार देर रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक और आरोपी आपस में दोस्त थे, लेकिन किसी बात को लेकर हुए विवाद ने इतना गंभीर रूप ले लिया कि एक पक्ष ने दूसरे पर गोली चला दी। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है।

पुलिस के अनुसार 18 जून 2026 को थाना बादलपुर पुलिस को सूचना मिली कि रॉयल सिटी, ग्राम अच्छेजा छपरौला में रहने वाले जीवन किशोर पुत्र रामदास को गोली मार दी गई है।

सूचना मिलते ही थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। घायल जीवन किशोर को आनन-फानन में उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक जीवन किशोर की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है और वह मूल रूप से फर्रुखाबाद जिले के कायमगंज क्षेत्र के निवासी थे। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से रॉयल सिटी सोसाइटी में रह रहे थे। घटना के समय उनका अपने पड़ोसी विशाल कश्यप से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते गंभीर झगड़े में बदल गई।

इसी दौरान गोली चलने की घटना हुई, जिसमें जीवन किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पड़ोसी विशाल कश्यप और उसके साथी विक्की का नाम सामने आया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

मौत के बाद कई मरीजों को जीवनदान दे गई महिला अंगदान के फैसले को डिप्टी सीएम ने सराहा

विश्व केसरी

गांधीनगर। गांधीनगर के सिविल अस्पताल में गुरुवार को 24 वर्षीय काजल राठौड़ को ब्रेन डेथ घोषित कर दिया गया था। परिजनों ने उसके अंगों को दान करने का फैसला किया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों की मदद से ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण करवाया और उसके अंगों को प्रत्यारोपण के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल भेजा गया। दुखों का पहाड़ टूटने के बावजूद भी महिला के परिजनों ने उसके अंगों को दान करने का फैसला किया, ताकि किसी और मरीज को जीवनदान मिल सके।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि महिला के परिवार ने उसकी मृत्यु के बाद अंगदान का फैसला लिया, जिसके बाद यह सफल प्रक्रिया पूरी की गई। अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, काजल की किडनी, अग्नाशय और लीवर दान करने के लायक हैं। उसके इन अंगों से किसी दूसरे मरीज को जीवनदान मिल सकता है। अंग प्रत्यारोपण के लिए समय बहुत ही कम बचा हुआ था जिसे देखते हुए, जीएमईआरएस अस्पताल के अधिकारियों ने गांधीनगर जिला पुलिस को संपर्क किया और ग्रीन कॉरिडोर बनाने के लिए अनुमति मांगी, ताकि अंगों को यथाशीघ्र प्रत्यारोपण के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुंचाया जाए। इसके बाद एंबुलेंस से अंगों को भेजा गया।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर गांधीनगर और अहमदाबाद के पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया। दोनों शहरों के पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने की दिशा में अहम भूमिका निभाई और यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि एंबुलेंस निर्बाध रूप से अस्पताल पहुंचे। उसे वहां पहुंचने में विलंब नहीं हो। पुलिस अधिकारियों की ओर से किए गए इंतजाम के बाद एंबुलेंस अपने निर्धारित समय पर अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुंच गई। वहीं, डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने काजल की मौत पर दुख जताया और परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं जाहिर की।

वैश्विक चिप उद्योग में 10 लाख पेशेवरों की कमी, भारत के लिए बड़ा अवसर : अश्विनी वैष्णव

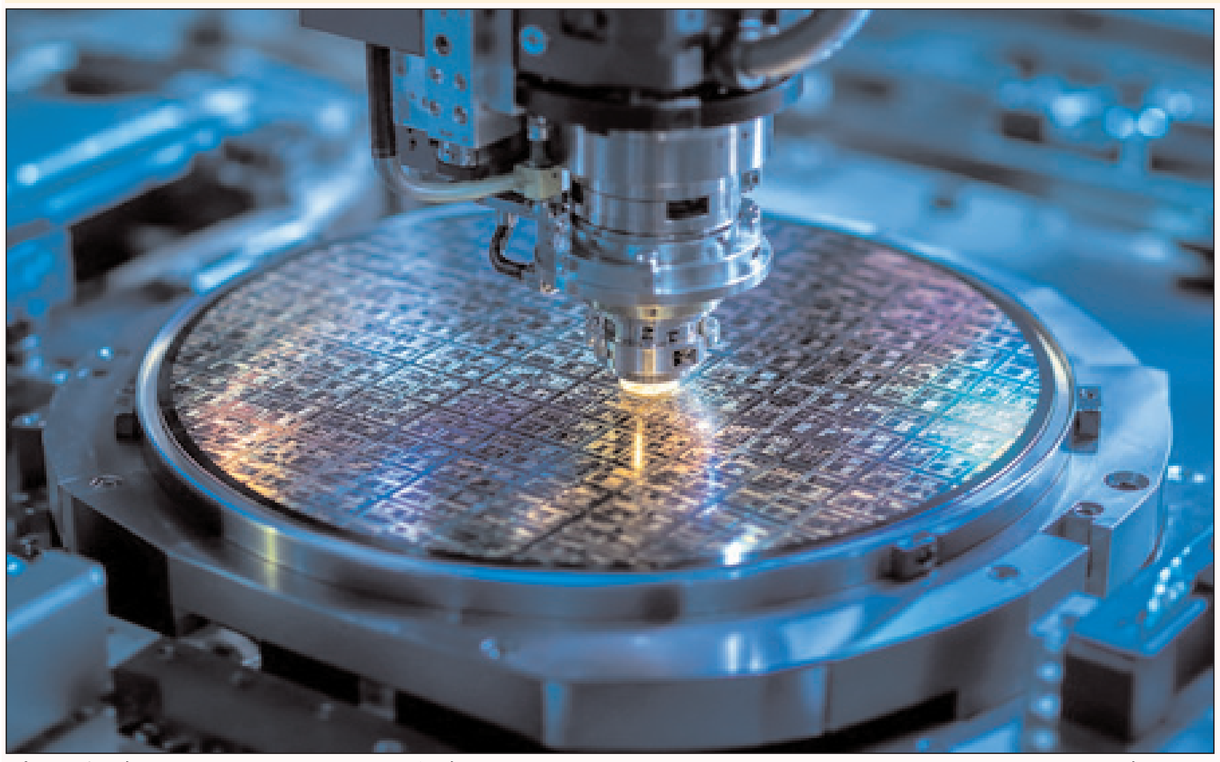

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग लगभग 10 लाख पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है और देश इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। पटना स्थित सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) केंद्र में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग का वर्तमान आकार लगभग 800 अरब डॉलर है और अगले एक वर्ष के भीतर इसके 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की संभावना है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'वर्ष 2032 तक वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 10 लाख नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। वहीं उद्योग को करीब 10 लाख कुशल पेशेवरों की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए दो प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा - सेमीकंडक्टर डिजाइन और सेमीकंडक्टर निर्माण।

मंत्री के अनुसार, सरकार देश में विश्वस्तरीय सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षमता विकसित करने की दिशा में काम कर रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि भारतीय छात्र दुनिया के सबसे बेहतर प्रशिक्षित पेशेवरों में शामिल हों।

उन्होंने कहा, 'जब छात्र सेमीकंडक्टर डिजाइन कौशल के साथ स्नातक होकर निकलें, तो उन्हें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं में गिना जाए और उन्हें तुरंत उद्योग में अवसर मिलें। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से अब तक लगभग 75 हजार छात्रों को आकर्षक अवसर मिल चुके हैं।

उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य इस संख्या को 75 हजार से बढ़ाकर 5 लाख छात्रों तक पहुंचाना है। मंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर निर्माण गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, वैसे-वैसे निर्माण से जुड़े कौशल विकास और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी तैयार किए जाएंगे।

भारत अपनी सेमीकंडक्टर मिशन योजना के तहत डिजाइन, निर्माण और पैकेजिंग को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है और देश भर में कई परियोजनाएं इस समय क्रियान्वयन के चरण में हैं।

एसटीपीआई केंद्र के दौरे के दौरान अश्विनी वैष्णव ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को महानगरों से बाहर ले जाने की सरकार की कोशिशों पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए टियर-2 और टियर-3 शहरों में एसटीपीआई केंद्रों को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

इसके अलावा, मंत्री ने युवा उद्यमियों से बातचीत की, उनके अनुभवों को सुना और स्टार्टअप तथा तकनीक-आधारित उद्यमों के लिए सरकारी सहायता को और बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा की।

स्वस्थ जीवन के लिए हेल्दी लिवर जरूरी, स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया 'सुरक्षा कवच' का महत्व

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को लिवर के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए बताया है कि स्वस्थ लिवर अच्छे स्वास्थ्य की बुनियाद है। शरीर के कई जरूरी कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में लिवर की अहम भूमिका होती है। इसी कारण इसकी देखभाल करना और स्वस्थ रखना बेहद जरूरी है।

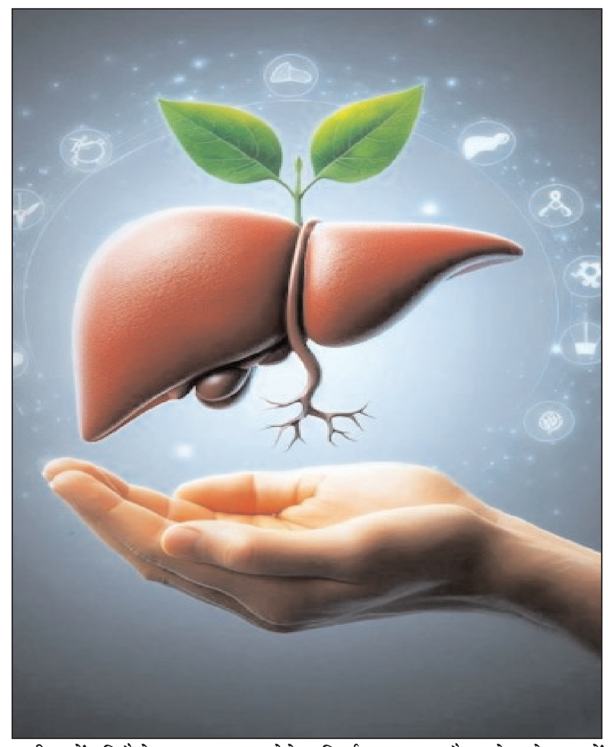

मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे अपने लिवर की सेहत को गंभीरता से लें, क्योंकि एक स्वस्थ लिवर न केवल शरीर को बीमारियों से बचाता है, बल्कि बेहतर जीवनशैली और लंबे समय तक अच्छे स्वास्थ्य का आधार भी बनता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, लिवर शरीर का एक ऐसा अंग है, जो बिना रुके कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाता है। यह न केवल शरीर को संक्रमण और विभिन्न बीमारियों से बचाने में मदद करता है, बल्कि रक्त में शुगर के स्तर को संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही वजह है कि लिवर को शरीर का एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच माना जाता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, लिवर शरीर में मौजूद हानिकारक और विषैले पदार्थों को बाहर निकालने का काम भी करता है। भोजन, दवाइयों और अन्य स्रोतों से शरीर में पहुंचने वाले कई तत्वों को यह फिल्टर करता है, जिससे शरीर के अन्य अंग सुरक्षित रहते हैं। यदि लिवर सही तरीके से काम न करे तो शरीर में विषैले तत्व जमा होने लगते हैं, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

इसके अलावा, लिवर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। संतुलित कोलेस्ट्रॉल हृदय और रक्त वाहिकाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी माना जाता है। लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर शरीर में वसा और कोलेस्ट्रॉल का संतुलन भी बिगड़ सकता है।

पाचन प्रक्रिया में भी लिवर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। यह बाइल (पित्त) नामक द्रव का निर्माण करता है, जो भोजन में मौजूद वसा को पचाने और पोषक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने में सहायता करता है। इसलिए स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए भी लिवर का स्वस्थ रहना आवश्यक है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त पानी का सेवन और शराब तथा जंक फूड से दूरी बनाकर लिवर को स्वस्थ रखा जा सकता है। साथ ही समय-समय पर स्वास्थ्य जांच भी जरूरी है, ताकि किसी समस्या का समय रहते पता लगाया जा सके।

गर्मी में तन-मन को ठंडक देता है खस का शरबत, पूरे दिन बनी रहेगी एनर्जी और ताजगी

नई दिल्ली। गर्मी अब अपने पूरे जोर पर है। लू चल रही है और दिनभर के बाद शरीर व मन दोनों थकान से भरे रहते हैं। ऐसी स्थिति में बाजार के कोल्ड ड्रिंक्स की जगह पारंपरिक और सेहतमंद खस का शरबत कई लोगों की पहली पसंद बन रहा है। यह सिर्फ एक ठंडा पेय नहीं, बल्कि तन और मन दोनों को आराम देने वाला प्राकृतिक उपाय है।

खस शरबत गर्मियों के मौसम में ठंडक का पारंपरिक स्वाद माना जाता है। इसकी मनमोहक खुशबू, हल्की मिठास और ठंडक का एहसास पीते ही तरोताजगी भर देता है। पूरे देश के साथ ही खासतौर पर उत्तर भारत में खस शरबत सदियों से घर-घर में लोकप्रिय रहा है। जब बाहर सूरज तप रहा हो, तब एक गिलास खस शरबत दिनभर की थकान, जलन और गर्मी को तुरंत कम कर देता है।

खस की जड़ें प्राकृतिक रूप से ठंडक प्रदान करने वाली मानी जाती हैं। इन्हें पानी में भिगोकर रखने से पानी में ठंडक आ जाती है। यह शरीर के अंदर से गर्मी निकालने में मदद करता है, पसीने

से होने वाली कमजोरी को दूर करता है और मन को शांत रखता है। आयुर्वेद में भी खस को गर्मी से बचाव और पाचन सुधारने वाला बताया गया है। यह बिना किसी साइड इफेक्ट के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए सुरक्षित है। खस का शरबत बनाने का तरीका भी आसान है। इसके लिए खस की जड़ों को अच्छी तरह साफ करके दो-तीन घंटे पानी में भिगोकर रखें। फिर इस पानी को छानकर उसमें चीनी या गुड़, नींबू का रस और थोड़ी सी इलायची मिलाकर शरबत तैयार कर लें। चाहें तो इसमें पुदीना या सौंफ भी डाल सकते हैं। गर्मी में इसे फ्रिज में रखकर पीने से दोहरी ठंडक मिलती है। बाजार में मिलने वाले रेडीमेड शरबत की जगह घर पर बना शरबत ज्यादा स्वादिष्ट और फायदेमंद होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों में खस शरबत रोज पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है, निर्जलीकरण से बचाव होता है और थकान जल्दी दूर होती है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि स्वाद की दृष्टि से भी बेहद लाजवाब है।

12 साल में पेंशन व्यवस्था में आया बड़ा बदलाव, डिजिटल सेवाओं से करोड़ों पेंशनर्स का जीवन हुआ आसानः सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने पेंशनभोगियों के जीवन को आसान बनाने और पेंशन से जुड़ी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल इंडिया और 'ईज ऑफ लिविंग' के विजन के तहत पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने तकनीक, जनसहभागिता और व्यापक जागरूकता अभियानों का उपयोग करते हुए देश भर के पेंशनर्स तक सेवाएं पहुंचाने का काम किया है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी साझा की गई है।

बयान में कहा गया है कि सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक जीवन प्रमाण पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) जमा करने की प्रक्रिया का डिजिटलीकरण रहा है। वर्ष 2014 में आधार-आधारित डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट 'जीवन प्रमाण' की शुरुआत की गई थी, जबकि 2021 में फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक को जोड़ा गया। इसके बाद पेंशनभोगी अब अपने स्मार्टफोन की मदद से कहीं भी और कभी भी जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं।

इस सुविधा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए विभाग ने वर्ष 2022 से अब तक चार राष्ट्रीय डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान चलाए हैं। नवंबर 2025 में आयोजित डीएलसी अभियान 4.0 के दौरान 1.91 करोड़ से अधिक डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा किए गए, जिनमें 57 लाख से ज्यादा केंद्रीय सरकारी पेंशनभोगियों के थे। यह डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रभावी शासन का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है।

सरकार ने भागीदारी आधारित प्रशासन को मजबूत करने के लिए देशभर में 57 पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशनों (पीडब्ल्यूए) का सक्रिय नेटवर्क विकसित किया है। ये संस्थाएं विभाग के विस्तार के रूप में काम करते हुए पेंशनभोगियों को विभिन्न सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराती हैं, शिकायतों के समाधान में मदद करती हैं और डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियानों को सफल बनाने में सहयोग करती हैं।

बयान के अनुसार, पेंशन वितरण प्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए डीओपीपीडब्ल्यू ने बैंकर्स अवेयरनेस प्रोग्राम (बीएपी) की शुरुआत की है। अब तक प्रमुख पेंशन वितरण बैंकों के सहयोग से 13 ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनका उद्देश्य बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को पेंशन नियमों, प्रक्रियाओं और नई डिजिटल सेवाओं की जानकारी देना है, ताकि पेंशनभोगियों को बेहतर और तेज सेवाएं मिल सकें। इससे बैंकिंग सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता में भी सुधार हुआ है।

सरकार देश भर में पेंशनर्स अवेयरनेस प्रोग्राम (पीएपी) भी आयोजित कर रही है। इन कार्यक्रमों के जरिए पेंशनभोगियों को पेंशन नियमों, डिजिटल सेवाओं, शिकायत निवारण व्यवस्था और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती है।

बयान में आगे कहा गया है कि ये कार्यक्रम पेंशनर्स और संबंधित विभागों के बीच सीधे संवाद का मंच भी प्रदान करते हैं, जिससे पेंशनभोगी सरकारी सेवाओं का लाभ अधिक आत्मविश्वास के साथ उठा सकें।

हार्ट हेल्थ के लिए रामबाण हैं योगासन, तनाव और चिंता से मिलेगी राहत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने दिल की सेहत को लेकर महत्वपूर्ण सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार, व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी उपलब्धियों और कमाई पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन दिल की देखभाल करना अक्सर भूल जाते हैं। जबकि दिल ही हमारी जिंदगी की हर धड़कन को संजोकर रखता है।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि ज्यादा पाने, ज्यादा कमाने और ज्यादा करने की भागदौड़ में हम उस अंग को नजरअंदाज कर देते हैं जो बिना थके दिन-रात काम करता रहता है। स्वस्थ दिल लंबी और खुशहाल जिंदगी की नींव है। मंत्रालय ने योगासन, ध्यान और प्राणायाम को दिल की सेहत के लिए बेहद जरूरी बताया है।

योग और ध्यान से मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और भावनात्मक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। नियमित योगाभ्यास से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, कोलेस्ट्रॉल लेवल संतुलित होता है और हृदय की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। आसन जैसे भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम प्राणायाम और सूर्य नमस्कार दिल की सेहत सुधारने में खास भूमिका निभाते हैं। ये आसन रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और हृदय को स्वस्थ रखते हैं। भुजंगासनः -पेट के बल लेटकर शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाया जाता है। यह रीढ़ को मजबूत बनाता है और पीठ दर्द में लाभकारी माना जाता है। शवासनः- पीठ के बल पूरी तरह आराम की मुद्रा में लेटना। यह मानसिक तनाव कम करने और शरीर को विश्राम देने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम प्राणायामः - एक नासिका से श्वास लेकर दूसरी से छोड़ने की श्वास प्रक्रिया। यह फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने और मन को शांत रखने में सहायक है।

सूर्य नमस्कारः - 12 योग मुद्राओं का क्रमबद्ध अभ्यास। यह पूरे शरीर का व्यायाम है, जिससे लचीलापन, शक्ति और ऊर्जा बढ़ती है।

चाय के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन बढ़ा सकते हैं पेट की परेशानी, बढ़ सकती हैं गैस और एसिडिटी की समस्या

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में चाय रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। सुबह की शुरुआत से लेकर शाम की थकान तक, एक कप चाय लोगों को आराम देने का काम करती है। लेकिन अक्सर चाय के साथ लोग ऐसी चीजें खा लेते हैं जो शरीर और पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती हैं।

मेडिकल साइंस के अनुसार, चाय में मौजूद कैफीन, टैनिन और अन्य सक्रिय तत्व कुछ खाद्य पदार्थों के साथ मिलकर पाचन को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि कुछ कॉम्बिनेशन पेट में गैस, एसिडिटी, पोषक तत्वों के अवशोषण में कमी और दांतों की संवेदनशीलता जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं। चाय में मुख्य रूप से कैफीन, टैनिन, पॉलीफेनॉल्स और थोड़ी मात्रा में फ्लोराइड पाया जाता है। कैफीन शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है, लेकिन टैनिन कई बार आयरन और कुछ मिनरल्स के अवशोषण को कम कर देता है। यही कारण है कि चाय के साथ कुछ खाद्य पदार्थों का मेल शरीर के लिए सही नहीं माना जाता। सबसे पहले बात करते हैं तीखे और मसालेदार खाने की। लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, तीखी चटनी और भारी मसालों में मौजूद तत्व जैसे एलिसिन, कैप्साइसिन और सल्फर कंपाउंड पाचन को तेज कर देते हैं और पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ा सकते हैं। जब इन्हें चाय के साथ लिया जाता है, जिसमें कैफीन पहले से ही गैस्ट्रिक एसिड को प्रभावित करता है, तो यह कॉम्बिनेशन पेट में जलन, एसिडिटी और भारीपन बढ़ा सकता है।

नींबू और चाय का संयोजन भी हर व्यक्ति के लिए सही नहीं माना जाता।

गर्मी में तन-मन को ठंडक देता है खस का शरबत, पूरे दिन बनी रहेगी एनर्जी और ताजगी

नई दिल्ली। गर्मी अब अपने पूरे जोर पर है। लू चल रही है और दिनभर के बाद शरीर व मन दोनों थकान से भरे रहते हैं। ऐसी स्थिति में बाजार के कोल्ड ड्रिंक्स की जगह पारंपरिक और सेहतमंद खस का शरबत कई लोगों की पहली पसंद बन रहा है। यह सिर्फ एक ठंडा पेय नहीं, बल्कि तन और मन दोनों को आराम देने वाला प्राकृतिक उपाय है।

खस शरबत गर्मियों के मौसम में ठंडक का पारंपरिक स्वाद माना जाता है। इसकी मनमोहक खुशबू, हल्की मिठास और ठंडक का एहसास पीते ही तरोताजगी भर देता है। पूरे देश के साथ ही खासतौर पर उत्तर भारत में खस शरबत सदियों से घर-घर में लोकप्रिय रहा है। जब बाहर सूरज तप रहा हो, तब एक गिलास खस शरबत दिनभर की थकान, जलन और गर्मी को तुरंत कम कर देता है।

खस की जड़ें प्राकृतिक रूप से ठंडक प्रदान करने वाली मानी जाती हैं। इन्हें पानी में भिगोकर रखने से पानी में ठंडक आ जाती है। यह शरीर के अंदर से गर्मी निकालने में मदद करता है, पसीने से होने वाली कमजोरी को दूर करता है और मन को शांत रखता है। आयुर्वेद में भी खस को गर्मी से बचाव और पाचन सुधारने वाला बताया गया है। यह बिना किसी साइड इफेक्ट के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए सुरक्षित है।

खस का शरबत बनाने का तरीका भी आसान है। इसके लिए खस की जड़ों को अच्छी तरह साफ करके दो-तीन घंटे पानी में भिगोकर रखें। फिर इस पानी को छानकर उसमें चीनी या गुड़, नींबू का रस और थोड़ी सी इलायची मिलाकर शरबत तैयार कर लें। चाहें तो इसमें पुदीना या सौंफ भी डाल सकते हैं। गर्मी में इसे फ्रिज में रखकर पीने से दोहरी ठंडक मिलती है। बाजार में मिलने वाले रेडीमेड शरबत की जगह घर पर बना शरबत ज्यादा स्वादिष्ट और फायदेमंद होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों में खस शरबत रोज पीने से शरीर का तापमान संतुलित रहता है, निर्जलीकरण से बचाव होता है और थकान जल्दी दूर होती है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि स्वाद की दृष्टि से भी बेहद लाजवाब है।

'अगला लक्ष्य लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 और विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है': प्रवीण कुमार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पैरालंपिक में ऊंची कूद के एथलीट प्रवीण कुमार का अगला बड़ा लक्ष्य लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले पैरालंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना है। ऊंची कूद में पहले ही बड़ी सफलता हासिल कर चुके प्रवीण अगले पैरालंपिक में देश का नाम रोशन करना चाहते हैं।

प्रवीण कुमार ने जल्द ही रिलीज होने वाले एक पॉडकास्ट में कहा, 'मैंने नहीं सोचा था कि मैं इतनी दूर तक पहुंचूंगा। अभी और भी कई लक्ष्य हासिल करना बाकी है। मुझे उन पर काम करना है। उन लक्ष्यों में एक वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है। वर्ल्ड चैंपियनशिप में, मेरे पास अभी स्वर्ण पदक नहीं है। 2027 में, मैं स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा। हालांकि मेरा प्राथमिक लक्ष्य लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 है।'

दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता प्रवीण ने बताया, 'ऊंची कूद में मेरा सफर स्कूल के दिनों में अचानक शुरू हुआ। मैं उस समय 9वीं क्लास में पढ़ता था। मुझे पता चला कि एथलेटिक्स के लिए एक स्पोर्ट्स डे होता है। मुझे एक इवेंट चुनना था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि कौन से इवेंट होते हैं। दोस्तों से सलाह लेने के बाद, उन्होंने मेरे वॉलीबॉल बैकग्राउंड की वजह से ऊंची कूद का सुझाव दिया।

प्रवीण ऊंची कूद में आने से पहले अपने दोस्तों के साथ वॉलीबॉल खेलते थे। वह स्पाइकर और डिफेंडर के रूप में खेलते थे।

उन्होंने बताया, 'दोस्तों ने लकड़ी की छड़ी का इस्तेमाल करके एक क्रॉसबार बनाया। मैंने उसे आराम से पार कर लिया। मैंने उसे उनकी छाती और कंधे की ऊंचाई पर पार किया। इसके बाद दोस्तों ने मुझे ऊंची कूद में हिस्सा लेने की सलाह दी।

प्रवीण ने बताया, 'प्रतियोगिता के लिए चयन दो सप्ताह पहले हो चुका था। स्कूल अधिकारियों ने शुरू में मुझे अवसर देने से मना कर दिया था। उनका कहना था कि मुझे दिक्कत हो सकती है क्योंकि मैं दिव्यांग हूं। मेरी मां ने मुझसे पूछा कि क्या हुआ। मैंने उनसे कहा कि मैं खेलना चाहता हूं, लेकिन वे मुझे दिव्यांग होने की वजह से खेलने नहीं दे रहे।

अपने परिवार और स्कूल प्रबंधन के दखल के बाद, प्रवीण को एक और मौका दिया गया। अधिकारियों को किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी प्रवीण पर ही डाल दी थी। प्रवीण ने बताया, 'मैंने उनसे तब कहा था कि मेरा आवेदन ले लो और मैं अपनी जिम्मेदारी लूंगा। मुझे कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन मुझे मुकाबला करने दो।पैराएथलीट ने बताया कि मुकाबले के दिन भी, कुछ प्रतियोगियों ने उनके हिस्सा लेने पर एतराज जताया।

प्रवीण ने उस समय को याद करते हुए कहा, 'कुछ प्रतियोगियों ने रेफरी से कहा था कि मुझे मुकाबला न करने दें क्योंकि मैं दिव्यांग हूं। लेकिन, तब शिक्षक ने कहा था कि वह एक पैर से कूदेगा, जबकि तुम्हारे दोनों पैर हैं। तुम्हें बेहतर करना चाहिए।

अपने पहले हाई जंप (ऊंची कूद) मुकाबले में प्रवीण ने पदक जीता था। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में था कि मुझे पदक मिल गया है, और जो मैं चाहता था वो हो गया। यह मेरा पहला पदक था, और आज भी मेरे पास है।

उस पदक से शुरू हुआ सफर अब पैरालंपिक तक पहुंच चुका है, और पैरालंपिक में भी मैंने देश के लिए पदक जीता है। मेरा अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण और लॉस एंजिल्स 2028 में अच्छा प्रदर्शन है। प्रवीण कुमार ने टोक्यो पैरालंपिक 2020 में टी64 श्रेणी में रजत और पेरिस पैरालंपिक 2024 में टी64 में स्वर्ण पदक जीता था।

एफआईएच प्रो लीग: आखिरी पलों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने 2-1 से हराया

विश्व केसरी ■

रॉटरडैम। भारतीय मेंस हॉकी टीम को एफआईएच (इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन) प्रो लीग 2025-26 के अपने तीसरे मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने जर्मनी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम क्षणों में किए गए गोल की बदौलत जर्मनी जीत दर्ज करने में सफल रही।

अपना 100वां इंटरनेशनल मुकाबला खेल रहे जुगराज सिंह ने मैच के 38वें मैच में भारत की ओर से एकमात्र गोल किया, हालांकि जर्मनी की तरफ से जस्टस वीगैंड ने 56वें और जैकब ब्रिला ने 60वें मिनट में जर्मनी की ओर से गोल दागा। भारत ने मैच की शुरुआत काफी आक्रामक अंदाज में की। टीम ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर अच्छा नियंत्रण रखा और जर्मनी पर दबाव बनाने की कोशिश की। मजबूत और कॉम्पैक्ट डिफेंस के चलते भारत ने वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को ज्यादा मौके नहीं बनाने दिए।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने हाई प्रेसिंग गेम खेलते हुए अपनी तीव्रता को बढ़ाया। इस दबाव के कारण जर्मनी से कुछ गलतियां भी हुईं। भारत के लिए सबसे अच्छा मौका अभिषेक ने पहले हाफ के दौरान बनाया, लेकिन वह उसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। तीसरे क्वार्टर में मुकाबला और भी कड़ा रहा। भारतीय टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखा, जिसका फायदा टीम को मिला। भारत को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर 38वें मिनट में मिला, जिसका भरपूर फायदा अपना 100वां मैच खेल रहे जुगराज ने उठाया। जुगराज ने जबरदस्त ड्रैग-फ्लिक के दम पर भारत को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई।

तीसरे क्वार्टर के आखिर में जर्मनी को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार डिफेंस करते हुए भारत को आखिरी समय तक एक गोल की बढ़त बनाए रखने में मदद की। आखिरी क्वार्टर में भारत के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने के कई मौके आए, लेकिन टीम इन मौकों को भुनाने में नाकाम रही। हालांकि मैच के 56वें मिनट में जर्मनी ने शानदार वापसी की। जस्टस वीगैंड ने जर्मनी की ओर से पहला गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मैच के अंतिम पलों में जर्मनी को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका फायदा उठाते हुए जैकब ब्रिला ने मैच के 60वें मिनट में गोल करते हुए जर्मनी की 2-1 से जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम अपने अगले मुकाबले में रविवार को नीदरलैंड्स से भिड़ेगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल हुए हर्षित राणा

नई दिल्ली, । अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले से पहले हर्षित राणा को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। हर्षित ने अपना रिहैब पूरा कर लिया है और वह चेन्नई में टीम से जुड़ेंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हर्षित को तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल किए जाने की जानकारी दी है। बीसीसीआई ने बताया कि हर्षित ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना रिहैब पूरा कर लिया है और वह अब पूरी तरह से फिट हैं। हर्षित को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टी20 टीम में भी शामिल किया गया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को 170 रनों से रौंदा। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने स्कोरबोर्ड पर 402 रन लगाए। भारतीय टीम की ओर से शुभमन गिल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 110 गेंदों में 154 रनों की लाजवाब पारी खेली, जबकि ईशान किशन ने 79 गेंदों में 125 रन बनाए।

हालांकि, 403 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की पूरी टीम सिर्फ 232 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

भारत ए बनाम इंग्लैंड ए: निकी प्रसाद को टी20 टीम में मिली जगह, मिन्नू वनडे स्क्वॉड में हुई शामिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली, । इंग्लैंड ए के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारत ए की महिला टीम में निकी प्रसाद और मिन्नू मणि को शामिल किया गया है। निकी को भारत की टी20 टीम में जगह दी गई है, तो मिन्नू को वनडे स्क्वॉड में शामिल किया गया है। इन दोनों खिलाड़ियों को प्रेमा रावत के स्थान पर टीम में जगह मिली है।

प्रेमा रावत को महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारतीय नेशनल टीम में शामिल किया गया है। प्रेमा को श्रेयंका पाटिल के स्थान पर मौका मिला है, जो टखने की चोट की वजह से पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। श्रेयंका को यह चोट नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान लगी थी। गेंदबाजी करते हुए श्रेयंका का टखना बुरी तरह से मुड़ गया था और उन्हें स्ट्रेचर की मदद से मैदान ले जाया गया था।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को एक बयान जारी करते हुए बताया, 'महिला सिलेक्शन कमेटी ने इंग्लैंड ए के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए भारत ए स्क्वॉड में ये बदलाव किए हैं; निकी प्रसाद को भारत ए टी20 स्क्वॉड में शामिल किया गया है। मिन्नू मणि को भारत ए वनडे स्क्वॉड में शामिल किया गया है।'

निकी पहले भारत ए की सिर्फ वनडे टीम का हिस्सा थीं, लेकिन अब उन्हें टी20 टीम में भी जोड़ दिया गया है। वहीं, टी20 टीम के लिए चुनी गईं मिन्नू को अब एकदिवसीय सीरीज के लिए भी भारत की ए टीम में शामिल किया गया है। प्रेमा रावत को इंग्लैंड ए के खिलाफ होने वाली वनडे और टी20 दोनों सीरीज के लिए भारत ए टीम में चुना गया था।

इंग्लैंड ए के खिलाफ भारतीय टीम पहले तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होगी। इसके बाद 1 जुलाई से तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आगाज होगा। अनुष्का शर्मा टी20 टीम की कप्तानी करती नजर आएंगी, तो वनडे टीम की कमान हरलीन देओल के हाथों में सौंपी गई है।

टी20 में उपकप्तान की जिम्मेदारी वृंदा दिनेश को सौंपी गई है, तो एकदिवसीय टीम में हरलीन की डिप्टी प्रतीका रावल होंगी।

इंग्लैंड ए के खिलाफ भारत ए का टी20 स्क्वॉड: अनुष्का शर्मा (कप्तान), वृंदा दिनेश (उपकप्तान), जी कमलिनी (विकेटकीपर), उमा छेत्री, वैष्णवी शर्मा, पूर्वाजा वेरलेकर, जिंतीमनी कलिता, साइमा ठाकोर, सिमरन बहादुर, श्वेता सेहरावत, दीया यादव, मिन्नू मणि, शबनम शकील, तनुजा कंवर और निकी प्रसाद।

इंग्लैंड ए के खिलाफ भारत ए का वनडे स्क्वॉड: हरलीन देओल (कप्तान), प्रतीका रावल (उपकप्तान), प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, जी कमलिनी (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसबनीस, निकी प्रसाद, तनुजा कंवर, वैष्णवी शर्मा, शबनम शकील, सायली सतघरे, जिंतीमनी कलिता, साइमा ठाकोर और मिन्नू मणि।

मोरक्को के खिलाफ अहम मैच से पहले स्कॉटलैंड के कप्तान रॉबर्टसन बोले, हमें अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है

विश्व केसरी ■

फॉक्सबोरो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में स्कॉटलैंड के पास शनिवार को इतिहास रचने का सुनहरा मौका होगा। बोस्टन स्टेडियम में टीम की अहम मुकाबले में मोरक्को से भिड़ंत होनी है। स्कॉटलैंड की टीम अगर मोरक्को के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है, तो वह पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में अपनी जगह बना लेगी। स्कॉटलैंड टीम के कप्तान एंडी रॉबर्टसन का कहना है कि टीम इस चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार है। स्कॉटलैंड ने अपने पहले मैच में हैती को 1-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शानदार शुरुआत की है। इस जीत के बाद टीम ग्रुप सी में पहले स्थान पर मौजूद है। मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान एंडी रॉबर्टसन ने कहा कि पूरी टीम इस चुनौती के लिए तैयार है और किसी भी दबाव से पीछे नहीं हट रही है। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश के लिए वर्ल्ड कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली स्कॉटिश टीम बनना चाहते हैं। यह हमारे लिए बहुत बड़ा मौका है। हम जानते हैं कि हमारे सामने दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक है, लेकिन हमें अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

रॉबर्टसन ने कहा कि स्कॉटलैंड की टीम किसी भी मुकाबले को कठिन बना सकती है। कप्तान के अनुसार, यदि खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो टीम इतिहास रचने में सफल हो सकती है। हालांकि, स्कॉटलैंड के सामने आसान चुनौती नहीं होगी। मोरक्को फीफा विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है और स्कॉटलैंड से 31 स्थान ऊपर है। मोरक्को ने 2022 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। मोरक्को हाल के वर्षों में अफ्रीकी फुटबॉल की सबसे मजबूत टीमों में से एक बनकर उभरा है। रॉबर्टसन ने मोरक्को की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी टीम में हर विभाग में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और वे किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं। फिर भी उन्होंने विश्वास जताया कि स्कॉटलैंड के प्लेयर्स बड़े मुकाबलों में खुद को साबित करना जानते हैं। उन्होंने कहा, 'क्वालिफाइंग दौर में भी कई बार लोगों को हम पर भरोसा नहीं था, लेकिन हमने लगातार अच्छा प्रदर्शन करके यहां तक का सफर तय किया।

मुझे लगता नहीं है कि आज रात सो पाऊंगा, शानदार प्रदर्शन के बाद बोले जोहान मंजाम्बी

विश्व केसरी ■

लॉस एंजिल्स। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप बी के मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बोस्निया-हर्जेगोविना को 4-1 से हराया। टीम की इस जीत के नायक जोहान मंजाम्बी रहे, जिन्होंने मैच में दो गोल दागे। मंजाम्बी ने टीम की जीत के बाद कहा कि वह विश्व कप में अपना पहला गोल करने के बाद आज ही रात खुशी के कारण सो नहीं पाएंगे।

जोहान मंजाम्बी ने स्विट्जरलैंड की तरफ से मैच का पहला गोल 74वें मिनट में किया। उन्होंने एक शानदार हाई वॉली को गोल में तब्दील करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद उन्होंने अपना दूसरा गोल मैच के 90वें मिनट में किया, जिसकी मदद से स्विट्जरलैंड ने मुकाबले में 3-0 की बढ़त हासिल की। मंजाम्बी को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

टीम को जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, यह जबरदस्त है। यह मेरे करियर का पहला ब्रेस (एक मैच में दो गोल) है, और वर्ल्ड कप में भी। फैंस और अपने परिवार के सामने दो गोल करना, यह बहुत अच्छा है। मुझे नहीं लगता कि मैं आज रात सो पाऊंगा।

खास बात यह है कि 20 साल का यह मिडफील्डर 1950 के बाद वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले स्विट्जरलैंड के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। मंजाम्बी सब्स्टीट्यूट होने के बाद ब्रेस करने वाले स्विट्जरलैंड के पहले खिलाड़ी बने। इसके साथ ही वह स्विट्जरलैंड की तरफ से विश्व कप में सबसे कम उम्र में एक ही मैच में दो गोल करने वाले खिलाड़ी भी बने। नेशनल टीम में मंजाम्बी को ज्यादातर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने अब तक 13 मुकाबलों में कुल 3 गोल किए हैं। स्विट्जरलैंड के कोच मूरत याकिन ने भी मंजाम्बी की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'जोहान एक खुश रहने वाले खिलाड़ी हैं जिनके पास बहुत अच्छी फुटबॉल स्किल्स हैं। हम उन्हें अलग-अलग पोजीशन पर खिला सकते हैं, कभी डिफेंस में, कभी मिडफील्ड में और जरूरत पड़ने पर विंग पर स्ट्राइकर के तौर पर भी। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो स्ट्रीट फुटबॉल की तरह खेलते हैं, इसलिए उन्हें मैदान में खुलकर खेलने की आजादी मिलनी चाहिए। अटैक के दौरान उन्हें पूरी स्वतंत्रता दी जाती है ताकि वे अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकें।आज के मैच में भी आपने देखा कि वह दबाव बना सकते हैं, उनकी ड्रिब्लिंग अच्छी है और वह गोल करने की क्षमता भी रखते हैं।

कोलकाता में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 'दौड़ से ध्यान' मैराथन को दिखाई हरी झंडी

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार सुबह कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से राइटर्स बिल्डिंग तक 'दौड़ से ध्यान' मैराथन को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में मंत्री इंद्रनील खान, अग्निमित्रा पॉल, तापस रॉय, विधायक विजय ओझा, मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल और अन्य लोग शामिल हुए।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर लिखा, 'सिटी ऑफ जॉय' फिटनेस और वेलनेस के लिए दौड़ रही है। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले आज सुबह मैंने कोलकाता में 'सिटी ऑफ जॉय - दौड़ से ध्यान 2026' मैराथन को हरी झंडी दिखाई। 'स्वच्छता से स्वागत कार्यक्रम' के तहत शुरू की गई यह शानदार पहल स्वास्थ्य, स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और समग्र कल्याण जैसे अहम मूल्यों को एक साथ लाती है।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'नागरिकों में जबरदस्त ऊर्जा और उत्साहपूर्ण भागीदारी देखना वाकई प्रेरणादायक था। आइए, हम योग को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाए रखें और एक साफ-सुथरे, हरे-भरे और फिट समाज के निर्माण में योगदान दें। इस कार्यक्रम को शानदार सफलता दिलाने के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई।'

मैराथन में हिस्सा लेने पहुंचे भवानीपुर से टीएमसी पार्षद असीम बोस ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है और हम सभी मुख्यमंत्री के निमंत्रण पर यहां आए हैं। मैं यहां हूं, दूसरे पार्षद भी यहां हैं और बाकी लोग भी शामिल होंगे। यह एक अच्छी पहल है, चूंकि मुख्यमंत्री सभी के हैं, इसलिए हम सभी उसी के अनुसार यहां आए हैं।'

इसके पहले 17 जून को स्वच्छ भारत अभियान के तहत पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता के बागबाजार स्थित गंगा घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया। इस दौरान उनके नेतृत्व वाली राज्य सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रहे और सभी ने मिलकर गंगा घाट को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया।

बागबाजार घाट पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने सबसे पहले एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके बाद उन्होंने वहां स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की और प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। पूजा के बाद मुख्यमंत्री ने हाथों में झाड़ू लेकर घाट की सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि गंगा नदी और उसके घाटों को कचरे तथा प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए इस तरह का सफाई अभियान पूरे साल जारी रहेगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415